ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 11 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-311

राजनीतिक द्वेष के लिए हमारे खिलाफ मुकदमा चलाने की सिफारिश: येदियुरप्पा @ नम्मा बेंगलूरु

वित्तीय शोध फर्म की सर्वे रिपोर्ट : एकाधिकार बनाम सर्वाधिकार की तोता रटंत उजागर

जलेबी-टाइप साबित हुआ राहुल गांधी का एकाधिकार वाला डायलॉग

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। देश की अर्थ व्यवस्था पर एकाधिकार बनाम सर्वाधिकार वाला राहुल गांधी का डायलॉग बहुचर्चित जलेबी-टाइप साबित हुआ। हरियाणा चुनाव के वक्त राहुल गांधी का जलेबी डायलॉग काफी चर्चित हुआ था। एक प्रसिद्ध वित्तीय शोध फर्म ने देश की अर्थ व्यवस्था की स्थिति और उसमें छोटे से लेकर मंझोले और बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों की भागीदारी को लेकर व्यापक शोध किया है। उस शोध ने साबित कर दिया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एकाधिकार बनाम सर्वाधिकार का डायलॉग पुरानी अप्रासंगिक वामपंथी किताब से निकाला गया पर्चा-डायलॉग था।

वित्तीय फर्म मोतीलाल ओसवाल की शोध रिपोर्ट कहती है कि भारत की अर्थव्यवस्था संरचनात्मक सुधारों के कारण फल-फूल रही है। इससे सभी आकार के व्यवसायों के लिए एक जीवंत इकोसिस्टम बन रहा है। रणनीतिक सुधारों से छोटे स्टार्टअप और बड़े कारोबारी समूहों ने रफ्तार पकड़ी है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कारोबारी समूहों पर लगातार हमलों के बीच इस रिपोर्ट ने उनके दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक दशक में रणनीतिक सुधारों के जरिए देश के छोटे स्टार्टअप से लेकर बड़े कारोबारी समूहों ने तेज प्रगति की है। सुधारों से प्रेरित भारत की वित्तीय यात्रा एक शक्तिशाली झलक पेश करती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य सिर्फ एक दृष्टि नहीं है। यह एक ऐसा मार्ग है जिस पर देश लगातार चल रहा है। सभी आकार के कारोबारों को मजबूत बनाने के साथ भारत के भविष्य को आकार देने पर काम किया जा रहा है। रिपोर्ट में स्टार्टअप से लेकर लार्ज कैप तक सभी क्षेत्रों में समावेशी विकास को बताया गया है। भारत की अर्थव्यवस्था संरचनात्मक सुधारों के कारण फल-फूल रही है। इससे सभी आकार के व्यवसायों के लिए एक जीवंत इकोसिस्टम बन रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 तक कई बड़े निवेशकों के बीच प्राथमिक चिंता का एक विषय यह था कि इक्विटी में निवेश के लिए बहुत ही कम मौके उस समय भारत में थे। कम निवेश योग्य क्षेत्र, छोटे आकार की कंपनियां और अच्छी क्वालिटी वाले कम संख्या में लार्ज कैप शेयर थे। इसके साथ ही रिपोर्ट के मुताबिक, छोटी, मध्यम और बड़ी कंपनियों को समान रूप से फलने-फूलने का अवसर भारत में मिल रहा है।

▶10पर

झारखंड की औद्योगिक नगरी बोकारो में बोले प्रधानमंत्री मोदी

कांग्रेस समाज की सामूहिक ताकत को तोड़ना चाहती है

रांची, 10 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के औद्योगिक क्षेत्र बोकारो में आयोजित चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को तोड़कर उन्हें छोटी-छोटी जातियों में बांटना चाहती है। पीएम मोदी ने झारखंड की जनता को इससे आगाह रहने और एकजुट रहने को कहा और एक हैं तो सेफ हैं का नारा बुलंद किया।

पीएम मोदी ने कहा कि झारखंड में भाजपा के पक्ष में प्रचंड आंधी चल रही है। छोटा नागपुर का ये पठार भी कह रहा है- रोटी-बेटी-माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-एनडीए सरकार। भाजपा-एनडीए का यहां एक ही मंत्र है। हमने झारखंड बनाया है, हम ही झारखंड संवारेंगे। ऐसे लोग कभी झारखंड का विकास नहीं करेंगे, जो झारखंड राज्य के निर्माण के विरोधी रहे हैं।

पीएम मोदी ने नारा बुलंद किया : एक हैं तो सेफ हैं

भ्रष्टाचारियों को सख्त सजा दिलाने की लड़ाई लड़ेंगे

कांग्रेस-झामुमो की खतरनाक साजिश से सतर्क रहना होगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज से 10 साल पहले, 2004 से 2014 तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, मैडम सोनिया सरकार चलाती थीं और मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में बिठाया था। उस समय केंद्र सरकार ने झारखंड को 10 साल में बड़ी मुश्किल से 80 हजार करोड़ रुपए दिए थे। 2014 के बाद दिल्ली में सरकार बदली, आपने अपने इस सेवक मोदी को सेवा करने का मौका दिया और बीते 10 साल में हमने झारखंड को 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक दिए हैं। भाजपा चाहती थी कि गरीब को पक्का घर मिले, शहरों-गांवों में अच्छे रास्ते बनें, बिजली-पानी मिले, इलाज की सुविधा हो, पढ़ाई की सुविधा हो, सिंचाई के लिए पानी मिले, बुढ़ापे में दवाई मिले, लेकिन जेएमएम सरकार के पिछले 5 साल में आपके हक की ये सुविधाएं जेएमएम और कांग्रेस के लोगों ने लूट लीं।

पीएम मोदी ने कहा कि आप मुट्ठीभर बालू के लिए तरस रहे हैं, और इनके नेता बालू की तस्करी करके करोड़ों कमा रहे हैं। इनके पास से नोटों के पहाड़ निकल रहे हैं। अब आपने भाजपा-एनडीए सरकार बनाने का निर्णय कर लिया है। मैं आपसे वादा करता हूं कि सरकार बनने के बाद इन भ्रष्टाचारियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए हम अदालत में पूरी लड़ाई लड़ेंगे। आपके हक का पैसा आप पर ही खर्च होगा, आपके लिए खर्च होगा, आपके बच्चों के भविष्य के लिए खर्च होगा। उन्होंने कहा कि हम पीएम किसान सम्मान निधि का पैसा सीधे झारखंड के किसानों के बैंक खातों में भेजते हैं और पूरे के पूरे उन्हें मिलते हैं।

▶10पर

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

भाजपा ने जारी किया संकल्प पत्र

25 लाख नौकरी, किसानों की कर्जमाफी, वृद्ध पेंशन बढ़ाने का संकल्प

कांग्रेस का समोसा कॉकस झूठ का धंधा करने महाराष्ट्र आ गया: स्मृति

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए आज भारतीय जनता पार्टी ने संकल्प पत्र जारी किया। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री पीयुष गोयल, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले, मुंबई भाजपा प्रमुख आशीष शेलार और पार्टी के अन्य नेता मौजूद थे।

भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में युवाओं के लिए 25 लाख नई नौकरियों का वादा किया है। इसके साथ-साथ भाजपा ने कहा कि महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए दिए जाएंगे। भाजपा ने किसानों का कर्ज माफ करने और किसानों के लिए भावांतर योजना लाने की भी बात कही है। प्रदेश में वृद्ध पेंशन योजना की आर्थिक सीमा 1500 रुपए से बढ़ाकर 2100 रुपए करने का संकल्प लिया गया है।

▶10पर

महा विकास अघाड़ी का भी घोषणा-पत्र जारी

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए महा विकास अघाड़ी गठबंधन ने भी अपना घोषणा-पत्र जारी कर दिया। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आज हम महाराष्ट्र चुनाव के लिए घोषणा पत्र जारी कर रहे हैं। महाराष्ट्र का चुनाव देश के लिए बहुत महत्वपर्ण चुनाव है। यह चुनाव देश का भविष्य बदलने वाला चुनाव है। अगर महाराष्ट्र में हम महा विकास अघाड़ी की सरकार लाएंगे तभी हम यहां एक स्थिर, अच्छा सुशासन दे पाएंगे। महाविकास अघाड़ी ने अपने घोषणा पत्र को महाराष्ट्र नामा शीर्षक दिया।

▶10पर

भारत में बना रॉकेट लॉन्चर खरीदेगा फ्रांस

आर्मेनिया पहले ही दे चुका है ऑर्डर

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

फ्रांस अपनी रक्षा जरूरतों को पूरी करने के लिए भारत निर्मित पिनाक मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम खरीदने पर विचार कर रहा है। ऐसा कोई सौदा रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया पहल की एक बड़ी सफलता साबित होगा। पिनाक मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर के मूल्यांकन के लिए एक शीर्ष फ्रांसीसी सैन्य अधिकारी अभी भारत आए हुए हैं।

फ्रांसीसी सेना के ब्रिगेडियर जनरल स्टीफन रिचो ने कहा, हम अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का मूल्यांकन कर रहे हैं। हमें इस तरह के सिस्टम की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पिनाक व ऐसे अन्य सिस्टम का तुलनात्मक मूल्यांकन किया जा रहा है। दोनों देशों के रिश्ते केवल व्यापारिक संबंधों तक ही केंद्रित नहीं हैं और हम साझा सहयोग को और आगे बढ़ाना चाहते हैं। फ्रांस के दोनों वरिष्ठ अधिकारी दोनों पक्षों के बीच वार्ता के सिलसिले में ही आए हैं। वर्ष के शुरू में शुरुआत में सीडीएस जनरल अनिल चौहान की यात्रा के दौरान फ्रांस के साथ इस रॉकेट सिस्टम पर चर्चा हुई थी। यह रॉकेट सिस्टम कई वैरिएंट में उपलब्ध है और 75 किलोमीटर और उससे भी अधिक दूरी तक लक्ष्य को भेद सकता है।

▶10पर

संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा

वक्फ के नाम पर जमीन हड़पना बंद होना चाहिए

भुवनेश्वर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा है कि देशभर में वक्फ के नाम पर जमीन हड़पने का जो खेल चल रहा है, वह तत्काल बंद होना चाहिए। जगदंबिका पाल और जेपीसी के अन्य सदस्य विभिन्न राज्यों का दौरा कर रहे हैं। ओड़ीशा पहुंचने पर भुवनेश्वर में मीडिया से बात करते हुए जगदंबिका पाल ने कहा कि जेपीसी गठन के बाद से कर्नाटक में वक्फ बोर्ड द्वारा जमीन पर दावों के नोटिस में 38 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जेपीसी अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कर्नाटक के अल्पसंख्यक मंत्री अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर वक्फ के मामलों में कार्रवाई कर रहे हैं। वहीं जेपीसी के सदस्य बृजलाल ने भी कहा कि वक्फ के नाम पर जमीन हड़पना बंद होना चाहिए।

जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि संसद सत्र के दौरान भी ऐसा कभी नहीं होता कि हर सत्र की बहस के दौरान सभी सांसद मौजूद हों। जेपीसी के अध्ययन दौरे का मतलब ये नहीं है कि सभी सदस्य मौजूद हैं या नहीं। इसका उद्देश्य प्रशासन, वक्फ बोर्ड, अल्पसंख्यक आयोग और जिस राज्य में वे जाते हैं, वहां के सभी हितधारकों को सुनने का मौका देना है। हितधारकों से मिलने के लिए जेपीसी के सभी सदस्यों का मौजूद रहना जरूरी नहीं है, वे दूसरे कामों में व्यस्त हैं। जेपीसी के गठन के बाद, कर्नाटक वक्फ बोर्ड द्वारा राज्य के किसानों को दिए जाने वाले नोटिस में 38% की तेजी आई है। राज्य सरकार के अल्पसंख्यक मंत्री ने हर जिले में वक्फ न्यायाधिकरण स्थापित करना शुरू कर दिया है। मंत्री वक्फ कार्यवाही को आगे बढ़ाने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर काम कर रहे हैं।

हद से बाहर जाकर सक्रियता दिखा रहे हैं कर्नाटक के मंत्री

▶10पर

वक्फ विवाद के बीच जारी हुआ कर्नाटक सरकार का पत्र

बेंगलुरु, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने भूमि स्वामित्व रिकॉर्ड में बदलाव करने और वक्फ कानून के तहत किसानों को जमीन खाली करने का नोटिस भेजने वाले अधिकारियों को चेतावनी दी है। इसके जरिए कहा गया कि ऐसा करने वाले अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

▶10पर

किश्तवाड़ मुठभेड़ में स्पेशल फोर्स का अफसर शहीद

सोपोर मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया

राकेश कुमार

जम्मू, 10 नवंबर (एजेंसियां)। किश्तवाड़ जिले के चास और कोतवाड़ा जंगल क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में 2 पैरा (एसएफ) के एनबी सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार शहीद हो गए। सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि सब-इंस्पेक्टर राकेश 09 नवंबर 2024 को भारत रिज किश्तवाड़ के सामान्य क्षेत्र में शुरू किए गए एक संयुक्त सीआई ऑपरेशन

▶10पर

उत्तर प्रदेश में सीवेज की गंदगी से गंगा जल बेहद प्रदूषित

महा कुंभ की महा तैयारियों के महा प्रचार का महा सच

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में वर्ष 2025 के महा कुंभ की महा तैयारियों को लेकर योगी सरकार महा प्रचार करा रही है, लेकिन इसका महा सच यह है कि यूपी से होकर बहने वाली गंगा महा प्रदूषित है। उसकी गुणवत्ता बेहद खराब हाल में है। गंगा जल आचमन के लायक भी नहीं है। महा कुंभ के महा प्रचार में गंगा की सफाई को लेकर नमामि गंगे की नाकामी की कहीं कोई चर्चा नहीं है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन लाखों लीटर गंदा पानी गंगा और उसकी सहायक नदियों में गिर रहा है। एनजीटी ने चार सप्ताह के भीतर यूपी के मुख्य सचिव से हालात से निपटने और जल को दूषित होने से रोकने के फौरी उपायों के साथ हलफनामा देने को कहा है।

उत्तर प्रदेश में गंगा में जगह-जगह सीवेज की गंदगी गिरने के कारण नदी के पानी की गुणवत्ता बेहद खराब हो रही है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन लाखों लीटर गंदा पानी गंगा और उसकी सहायक नदियों में गिर रहा है। एनजीटी ने चार सप्ताह के भीतर यूपी के मुख्य सचिव से हालात से निपटने और जल को दूषित होने से रोकने के फौरी उपायों के साथ हलफनामा देने को कहा है। साथ ही, मामले में सुनवाई 20 जनवरी तय की। पिछली सुनवाई में गंगा में प्रदूषण की रोकथाम व नियंत्रण पर विचार करते हुए ट्रिब्यूनल ने यूपी सहित विभिन्न राज्यों से अनुपालन रिपोर्ट मांगी थी।एनजीटी के अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने 6 नवंबर के आदेश में कहा कि यूपी के प्रयागराज में गंगा का जल आचमन के लायक भी नहीं रह गया। जिले में 25 खुले नालों से गंगा नदी में और 15 खुले नालों से यमुना नदी में सीवेज की गंदगी गिर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से जो रिपोर्ट दी गई है, उसके अनुसार प्रयागराज जिले में सीवेज की गंदगी के शोधन में 128 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) का अंतर पाया गया है। पीठ में न्यायिक सदस्य जस्टिस सुधीर अग्रवाल और विशेष सदस्य ए सेंथिल वेल भी शामिल थे।

एनजीटी ने कहा, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की 22 अक्टूबर की रिपोर्ट में बताए गए यूपी के 326 नालों में से 247 नालों के पानी का शोधन नहीं किया गया है। इन खुले नालों से 3,513.16 एमएलडी अपशिष्ट पानी गंगा और उसकी सहायक नदियों में गिर रहा है। स्थिति पर असंतोष जताते हुए अधिकरण ने राज्य के मुख्य सचिव को हलफनामे में विभिन्न जिलों में हर नाले और उनसे उत्पन्न होने वाले सीवेज और प्रस्तावित सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) के बारे में विस्तृत जानकारी तलब की है।

पीठ ने सीपीसीबी की रिपोर्ट के हवाले से कहा, उत्तर प्रदेश में 41 स्थानों पर पानी की गुणवत्ता की निगरानी से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि फीकल कोलीफॉर्म (एफसी) बैक्टीरिया 16 स्थानों पर 500/100 मिलीलीटर की सबसे संभावित संख्या (एमपीएन) से अधिक है।

- गंगा का जल महा प्रदूषित : आचमन लायक भी नहीं रहा
- गंगा की सफाई में नमामि गंगे की नाकामी पर चुप्पी सधी

▶10पर

अपनो देश–अपनो राजस्थान नामक मेला 14–15 दिसंबर को

औपचारिक घोषणा कर पोस्टर लॉन्च

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने बेंगलूरु में निर्धारित राजस्थानी मेले की रिचमंड रोड स्थित प्राइड होटल में औपचारिक घोषणा कर पोस्टर लॉन्च की। मायूम बेंगलूरु शाखा ने बताया की 14 और 15 दिसंबर 2024 को प्रिंसेज श्राइन पैलेस ग्राउंड में अपनो देश – अपनो राजस्थान नामक मेला आयोजित होगा। जिसका पूरा विवरण अतिथियों के सामने रखा गया। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा अपने रजत जयंती वर्ष के अवसर पर बेंगलूरू शहर में राजस्थानी संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम आपनो देश–राजस्थानी मेला का भव्य आयोजन करेगा। इस आयोजन के दौरान मुख्य रूप से राजस्थानी संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राजस्थानी संगीत से लेकर, राजस्थानी नृत्य संग विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन देश भर से 100 से अधिक आने वाले कलाकारों द्वारा किया जाएगा। जिनमें युवराज हंस, विकल्प मेहता, वीणा म्यूजिकल ग्रुप आदि प्रमुख है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से मारवाड़ी युवा मंच राजस्थानी संस्कृति के महत्व को उजागर करना और आज की नई पीढ़ी को राजस्थानी संस्कृति से अवगत करवाना चाहता है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजस्थानी व्यंजन, राजस्थानी कला पर आधारित स्टॉल्स आदि केंद्र बिंदु होंगे। इस कार्यक्रम की ऑफिशियल लॉन्चिंग के लिए एक लॉन्चिंग कार्यक्रम का आयोजन होटल प्राइड में किया गया। जिसमें समाज के गणमान्य लोगों ने मेला के थीम फोटो का विमोचन किया। अपना सुझाव व समर्थन देते हुए इस तरह के रचनात्मक कार्यक्रम की सराहना की।

ज्ञात हो कि अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के मार्गदर्शन में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा, मंच दर्शन के अनुरूप जनसेवा, समाज सुधार, व्यक्ति विकास, सामाजिक सम्मान व आत्म सुरक्षा एवं राष्ट्रीय विकास व एकता को स्थापित करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है और उसी रूप में अपने सभी कार्यों को पिछले 25 वर्षों से संपादित कर रही है। मायूम बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से हम बेंगलूरु में बसे हुए राजस्थानी और सम्पूर्ण मारवाड़ी समाज को एकत्रित करना, उन्हें राजस्थान की यादों से रूबरू कराना चाहते हैं। सम्पूर्ण राजस्थानी समाज को एकत्रित कर मारवाड़ी समाज की एकता, एकजुटता और ताकत को दिखाना ही हमारा संकल्प है। शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष अंकित मोदी ने बताया कि इस राजस्थानी मेले के माध्यम से हम लोग यहां बेंगलूरु में 2 दिन के लिए राजस्थान और राजस्थानी संस्कृति बसाना चाहते है। जिससे बेंगलूरु में बसे हुए राजस्थानी मारवाड़ी परिवार अपने राजस्थान को यहां देख सके, वो अपने गांव की मिट्टी और देश के खाने की खुशबू यहां महसूस कर सकें। इस कार्यक्रम का नाम अपनो देश अपनो राजस्थान रखा गया है। पोस्टर लांचिंग कार्यक्रम में कार्यक्रम के प्रायोजक, राजस्थानी मारवाड़ी समाज के प्रतिष्ठित उद्योगपति, समाजसेवी और अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिसमें सुरेंद्र गोयल, मुरारीलाल सरावगी, चंद्रप्रकाश रामसिसरिया, संजय जालान, विजय गोयल, रवि हिसारिया, घनश्याम गोयल, कमल सिपानी, विकास पोद्दार, यशवंत बोथरा, सतीश गोयल, महेश गोयल, प्रकाश मित्तल, सचिन पांड्या, हाथीमल वैध, विपिनराम अग्रवाल, सुशीला गोयल, अजय राठी, विनीत बियानी, सुशील बंसल, रवि सिंघानिया, आलोक सराफ, सुनील शाह, करण बिंदल, प्रमोद अग्रवाल, सुनील पोद्दार, संजय तायल, संजय अग्रवाल, संदीप टिंबरेवाल, उमेश तुलस्यान, दिनेश जैन, अमित गुप्ता और मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा के सलाहकार समिति के सदस्य रमाकांत सराफ, संजय जाजोदिया, मनीष मेनसरीया, विकास पोद्दार, पंकज जालान, पवन राजलीवाल के अलावा उपाध्यक्ष गोपाल कुमार, सुशील सैनी, जय अग्रवाल, सचिव शुभम लोहिया, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य अशोक अग्रवाल, अमित मोदी, अरुण शर्मा, विनोद गर्ग, बरुण अग्रवाल, सोनू शर्मा, हितेश पोद्दार, कन्हैया अग्रवाल, जयेश पोद्दार, सांकेत लाट शामिल थे। मंच संचालन मायूम शाखा के सदस्य प्रदीप अग्रवाल ने किया।

तेरापंथ समाज के साथ समाजसेवा और आध्यात्मिक सहयोग का अनूठा प्रयास

आर्थिक सुदृढ़ता के साथ समाज के उत्थान में अग्रणी है जीतो: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आर्थिक सुदृढ़ता के साथ समाज के उत्थान में अग्रणी, जैन समाज की सबसे बड़ी संस्था जीतो आज समाज की सेवा में समर्पित है। इसी उद्देश्य के तहत, जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की टीम ने अध्यक्ष विमल कटारिया के नेतृत्व में गांधीनगर के प्रतिष्ठित तेरापंथ सभा भवन का दौरा किया। इस मौके पर, टीम ने साध्वी उदितयशाश्रीजी, संगीत प्रभाजी, भाव्ययशा जी और शिक्षा प्रभा जी के दर्शन वंदन किए। जिससे आस्था, सामुदायिक सेवा और आपसी समर्थन का एक सुंदर संगम स्थापित हुआ। इस महत्वपूर्ण बैठक में विमल कटारिया ने जीतो की प्रमुख गतिविधियों पर विस्तार से जानकारी दी। जिनमें श्रमण आरोग्यम परियोजना विशेष रूप से शामिल है। यह परियोजना जैन साधु-साध्वी समुदाय को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती है और समाज व आध्यात्मिक कल्याण के प्रति जीतो की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस अवसर पर कटारिया ने कहा कि जीतो विभिन्न जनोपयोगी कार्यों के माध्यम से समाज की सेवा कर रहा है। महामंत्री विजय सिंघवी ने भी तेरापंथ समाज के समक्ष जीतो की गतिविधियों की जानकारी साझा की।

कटारिया ने अपनी आध्यात्मिक यात्रा में तेरापंथ समाज के योगदान का आभार व्यक्त करते हुए कहा मेरे विश्वास और आध्यात्मिकता की यात्रा में तेरापंथ समाज ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने जैन समाज में करुणा और एकता के मूल्यों को आगे बढ़ाने में तेरापंथ समाज के योगदान को भी सराहा। साध्वी जी ने जीतो टीम को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सेवा कार्यों की सराहना की और उन्हें इसी तरह समाज और आध्यात्मिक विकास के लिए कार्यरत रहने के लिए प्रेरित किया। इस बैठक में जीतो की व्यावसायिक कुशलता को आध्यात्मिकता और सामुदायिक सेवा के साथ जोड़ने की प्रतिबद्धता को उजागर किया, जो सेवा के माध्यम से नेतृत्व का एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी, उपाध्यक्ष कमल पुनमिया, श्रमण आरोग्यम के संयोजक दिनेश खिवेंसरा, मंत्री अशोक भंडारी, मदन मुणोत, प्रीतेश जैन और अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। जीतो महिला विंग उपाध्यक्षा सुमन सिंघवी भी मौजूद रहीं। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारस भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, तेयूप अध्यक्ष विमल धारीवाल, अभातेयूप सदस्य प्रसन्न धोका ने जीतो नार्थ पदाधिकारियों का सम्मान किया।

सीरवी समाज बासना एवं नाथलकुंडी का स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पाली जिले के सोजत उपखंड के ग्राम बासना एवं नाथलकुंडी के प्रवासी सीरवी समाज का दीपावली स्नेह मिलन रविवार को आयोजित हुआ। कोषाध्यक्ष शेंषाराम परिहारिया ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सीरवी समाज बासना एवं नाथलकुंडी का सप्तम स्नेह मिलन रविवार को सरजापुर रोड स्थित एक रिसॉर्ट में आयोजित हुआ। जिसमें सर्वप्रथम प्रथम आराध्या श्री आई माता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर महिलाओं के मंगलगीत के साथ माता की ज्योति जलाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत में खेलकूद प्रतियोगिता में व्हील चेयर, क्रिकेट, महिला संगीत एवं रस्साकस्सी सहित खेलकूद व कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए। अंत में महाप्रसादी के साथ आई माता के जयकारे के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर फाऊलाल परिहारिया, नेमाराम परिहारिया, लक्ष्मणराम परिहारिया, प्रकाश परिहारिया, मदनलाल परिहारिया, कालुराम परिहारिया, भोमाराम परिहारिया, शेंषाराम परिहारिया, चेनाराम राठौड़, चेनाराम परिहारिया, रावतराम परिहारिया, भोमाराम चोयल, प्रकाश, प्रभुराम, गोवर्धनलाल परिहारिया, बाबूलाल राठौड़, भंवरलाल, पूनाराम, वीरमराम सहित अनेक महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

रिश्तों की डोर नामक कार्यक्रम में विक्की डी. पारेख के गानों पर झूमे लोग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा रिश्तों की डोर नामक कार्यक्रम का आयोजन सेंट जोसफ यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में किया गया। विक्की डी. पारेख ने विभिन्न गानों की प्रस्तुति दी। तेयुप अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने पधारे हुए सभी प्रायोजक परिवार एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक हनुमानमल, संजय, मनोज बैद (गुरु पुनवानी प्रॉपर्टीज) थे। फाउंडर संजय बैद ने अपने प्रोजेक्ट की प्रॉपर्टी फेयर पॉलिसी के बारे में जानकारी दी। आभातेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत एवं महामंत्री अमित नाहटा ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के गोल्ड प्रायोजक संगीता, अनिल कुमार, रीना, सुनील कुमार सुराणा, रोशनलाल, दिनेशकुमार, राकेश कुमार, अरविंद पोकरना, सारिका, सुनिल कुमार, रिद्धि, ऋतिक नाहटा थे। सिल्वर प्रायोजक शायरदेवी, अशोककुमार छाजेड़, पुष्पा देवी, उम्मेद पटावरी, अन्नराज, सुरेशचंद, धर्मीचंद, महावीरचंद भंडारी परिवार, विकास, जितेंद्र लोढ़ा, बिमलादेवी, किरणचंद, कांता देवी, प्रकाश कुंडलिया थे। सभी

का सम्मान किया गया। विक्की डी. पारेख ने अपने गानों से समा बांध दिया। उन्होंने माँ-बेटों, बाप-बेटे, भाई-भाई, बाप-बेटी जैसे रिश्तों पर गाकर पूरे माहौल को भावनात्मक बना दिया। सभी श्रोताओं ने कार्यक्रम का खूब आनंद लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन संयोजक विक्रम महेर ने किया। आभार ज्ञापन मंत्री सुपार्श पटावरी ने व्यक्त किया।

आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवा परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा केंगेरी में नए आचार्य श्री तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर का शुभारंभ जैन संस्कार विधि से किया गया। उद्घाटनकर्ता शायर हीरालाल मालू परिवार ने डेंटल केयर प्रायोजक कमलेश, भरत डूंगरवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा एवं उनकी पूरी टीम की उपस्थिति में सामूहिक नवकार मंत्र के स्मरण के साथ एटीडीसी का उद्घाटन किया। संस्कारक दिनेश मरोठी एवं विकाश बांठिया ने विधि विधान से पूर्ण मंत्रोचारण कर कार्यक्रम को सम्पन्न करवाया। अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए कहा मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि सभी के सहयोग से आज यह दूसरा एटीडीसी खोलने का सपना साकार हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने युवक परिषद को शुभकामनाएं दी और कहा कि बहुत ही सुंदर एवं व्यवस्थित रूप से एटीडीसी का निर्माण किया गया है। इंटीरियर भी बहुत सुंदर है अंदर आते ही एक पॉजिटिव वाइब्स आती है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मंडोत एवं महामंत्री अमित नाहटा ने भी शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि अभातेयुप अभूतपूर्वक अध्यक्ष विमल कटारिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

उद्घाटनकर्ता शायर हीरालाल मालू एवं डेंटल केयर प्रायोजक कमलेश भरत डूंगरवाल ने शुभकामाएं दी। संस्थापक अध्यक्ष राजेश भंसाली ने कहा कि एटीडीसी की सफलता में स्टाफ और डॉक्टरों का भी सहयोग रहा है। एटीडीसी प्रभारी नरेश बांठिया ने कहा कि इस एटीडीसी को बनाने में सभी ने मिलकर मेहनत की। इंटीरियर डिजाइनर पूनम दुगड़ ने बहुत अच्छा काम किया है। इस अवसर पर अभातेयूप साथीगण, आर आर नगर सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी, टीपीएफ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मंडोत, संघीय संस्थाओं के अध्यक्ष मंत्री, आर आर नगर पदाधिकारीगण, परामर्शक गण, कार्यकारिणी सदस्य, डॉक्टर्स, स्टाफ सहित सकल समाज की उपस्थिति थी। कार्यक्रम का सफल संचालन मंत्री सुपार्श पटावरी ने किया।

श्री जीरावला पार्श्वनाथ सभा गृह का उद्घाटन

अच्छे विचारों के बिना अच्छे शरीर का कोई मूल्य नहीं

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी के पावन सानिध्य में नवनिर्मित श्री जीरावला पार्श्वनाथ सभा गृह का उद्घाटन लाभार्थी स्व. तुलसीबाई छोगमल गादिया परिवार के सदस्यों द्वारा किया गया। उसके बाद सभा भवन में मुनिश्री वज्ररत्न सागरजी ने कहा अच्छे शरीर के बिना अच्छे कपड़ों का कोई मूल्य नहीं, ऐसे ही अच्छे विचारों के बिना अच्छे शरीर का कोई मूल्य नहीं और अच्छे आचरण के बिना अच्छे विचारों का भी कोई मूल्य नहीं है। मानव की पहचान उसके कार्यो से होती है। केवल उसके विचारों से नही, क्योंकिकार्य तो एक वास्तविक धरातल है। जिसमें हम उसके विचारों की असली छवी देख सकते है। जिस तरह माली अपने कार्य में कितना कुशल एवं उद्यमी है इसकी पहचान उसके द्वारा निर्मित उपवन से होती है। मनुष्य जन्म लेकर हमें आत्मदर्शन का पुरुषार्थ करना चाहिए। हम सोंचे मनुष्य जन्म लेकर हमने जीवन की व्यवस्था में तो समय नही खपाया, क्या खाना, कैसे खाना, कैसे पहनना, बैंक बैलेंस कितना है। सिर्फ इन्ही बातों की चिंता की या कभी यह भी सोचा है कि इस दुनिया में सदा के लिए रहना नही है और जो भी हमने पाया वो सब छुट जाने वाला है। अतः इन सारी चीजों के सदुपयोग का पुरुषार्थ कर लेना चाहिए। हर व्यक्ति में सामर्थ है, ताकत है ताकि वह अपना विकास कर सके। अपने विकास के हम स्वाधीन है। मगर विकास पुरुषार्थ और परिश्रम से ही संभव है। अगर कोई भाग्य के भरोसे हाथ पर हाथ रखकर बैठा रहे तो वह अपने जीवन का विकास या उत्थान नहीं कर सकता। श्रीसंघ की ओर से लाभार्थी परिवार का सम्मान किया गया। उसके उपरांत स्वामीवात्सल्य रखा गया था। इस अवसर पर मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना, समिति सदस्य निर्मल पारेख, महेंद्र बंदा, हरीश शाह, सचिन जैन, विनोद फोलामुथा, धीरज बाफना, मदनलाल ओसवाल, राजेश श्रीश्रीमाल, बाबूलाल खिवेंसरा, राजेंद्र कोठारी के अलावा संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़, निर्भयलाल हुंडिया, जितेन्द्र शाह, जवाहरलाल बंदा समेत बड़ी संख्या में संघ के सदस्य उपस्थित थे।

राजनीतिक द्वेष के लिए हमारे खिलाफ मुकदमा चलाने की सिफारिश: येदियुरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने दावा किया है कि कोविड के दौरान किसी भी तरह के कानून का उल्लंघन करते हुए कोई पीपीई किट या मेडिकल सामान नहीं खरीदा गया। उन्होंने नफरत के लिए मुकदमा चलाने की सिफारिश करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दौरान जनता की सुविधा के लिए पीपीई किट और मेडिकल उपकरण खरीदे गये थे। चूँकि यह पारदर्शी तरीके से किया गया था, तो अवैधता कहाँ से आई? हमने प्रत्येक को कानूनी रूप से खरीदा। किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह नहीं थी। अब वे अपने ऊपर लगे आरोपों को छुपाने के लिए हम पर झूठे आर-ोप लगा रहे हैं। उन्होंने हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश माइकल कुन्हा द्वारा मेरे और श्रीरामुलु के खिलाफ मुकदमा चलाने की आयोग की सिफारिश को नफरत की राजनीति बताया। हम भी कानून के मुताबिक लड़ेंगे। सरकार कई घोटालों में फंसी है। अब वे इसे छिपाने के लिए पुरानी फाइलें निकाल रहे हैं।

उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि हमें भी कानून के जरिए जवाब देना होगा। इससे पहले कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने शनिवार को कहा था कि न्यायमूर्ति माइकल डी कुन्हा जांच आयोग ने कोविड-19 के दौरान उपकरणों और दवाओं की खरीद में कथित अनियमितताओं की जांच की है और तत्कालीन भाजपा मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और पूर्व मंत्री बी श्रीरामुलु के खिलाफ मुकदमा चलाने की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि कोविड-19 के दौरान उपकरणों और दवाओं की खरीद में लूट हुई थी। मंत्री ने कहा कि रिपोर्ट कांग्रेस के इस आरोप को साबित करती है कि तत्कालीन सरकार ने स्थिति का दुरुपयोग करते हुए शवों पर पैसा कमाया। राव ने कहा कुछ खामियां थीं। महामारी के दौरान कोई भी उनसे सवाल नहीं कर सकता था। उस स्थिति का फायदा उठाते हुए, तत्कालीन सरकार ने नियमों का उल्लंघन करते हुए लूटपाट की और अपने लिए सुविधाजनक फैसले लिए। तब विपक्षी दल के रूप में, हमने (कांग्रेस) इस मुद्दे को उजागर करने की कोशिश की। राज्य में सत्ता में आने के बाद हमने जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के लिए एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच आयोग का गठन किया। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आयोग ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंप दी है और दूसरी रिपोर्ट छह-सात महीनों में सौंपी जा सकती है, क्योंकि जांच के लिए बहुत सारे दस्तावेज हैं। राव ने कहा गठित कैबिनेट उप-समिति ने रिपोर्ट पर चर्चा की है और यह सच है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री येदियुरप्पा और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्रीरामुलु का सीधे तौर पर नाम लिया गया है। पीपीई किट की खरीद में लगभग 14 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसे नियमों का उल्लंघन करके अधिक कीमत पर खरीदा गया था। देश में इनकी उपलब्धता के बावजूद, इन्हें चीन-हांगकांग से खरीदा गया। उन्होंने रिपोर्ट में येदियुरप्पा और श्रीरामुलु के खिलाफ गंभीर आरोपों का हवाला देते हुए उन्हें 13 नवंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के प्रचार से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि जांच के दौरान श्रीरामुलु के बाद स्वास्थ्य मंत्री का पद संभालने वाले व्यक्ति के खिलाफ भी आरोप सामने आ सकते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि मौजूदा सांसद के सुधाकर भी स्वास्थ्य मंत्री थे। प्रारंभिक रिपोर्ट 31 अगस्त को न्यायमूर्ति माइकल डी कुन्हा ने पेश की थी। सरकार ने रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करने के लिए पिछले महीने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) और एक कैबिनेट उप-समिति गठित करने का फैसला किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के नेतृत्व में सात सदस्यीय कैबिनेट उप-समिति गठित की। गृह मंत्री जी परमेश्वर, कानून मंत्री एच के पाटिल, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव, ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे, श्रम मंत्री संतोष लाड और चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल समिति के सदस्य हैं।

सीएम ने 15 दिनों में वक्फ के नाम पर जमीन हस्तांतरित करने का दिया आदेश: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने शनिवार शाम को दावा किया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने 15 दिनों के भीतर लोगों की जमीन वक्फ बोर्ड के नाम पर हस्तांतरित करने का आदेश दिया है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए, भाजपा नेता अशोक ने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था कि भूमि अधिग्रहण के लिए नोटिस वापस ले लिए जाएंगे, हालांकि, मुख्य सचिव ने भूमि अधिग्रहण के लिए आगे बढ़ने के लिए लिखित निर्देश जारी किए। टीपू सुल्तान और कांग्रेस के बीच समानताएं बताते हुए, अशोक ने कहा टीपू सुल्तान ने अपनी तलवार का इस्तेमाल करके निर्दोष लोगों का धर्म परिवर्तन कराया, और अब कांग्रेस लोगों की जमीन हड़पने के लिए वक्फ का इस्तेमाल कर रही है। यहां तक कि जिस स्कूल में सर एम. विश्वेश्वरैया (सर्वोत्कृष्ट इंजीनियर) ने पढ़ाई की थी, उसे भी वक्फ संपत्ति के रूप में सूचीबद्ध किया जा रहा है। उन्होंने कहा पूर्व सीएम और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने केवल यह आदेश दिया था कि अवैध रूप से ली गई जमीन वापस की जाए। उन्होंने किसानों की जमीन अधिग्रहण करने का सुझाव नहीं दिया। हालांकि, वक्फ बोर्ड के सदस्य यह दावा भी कर रहे हैं कि विधान सौधा उनका है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में कोलार में वाल्मीकि भवन बनाया गया था, लेकिन अब वहां पूजा स्थल बना दिया गया है और उस पर बाड़ लगा दी गई है। भाजपा नेता ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार हर चीज के लिए एसआईटी बना रही है। उन्होंने कहा सीएम सिद्धरामैया के कथित घोटालों की जांच के लिए केम्पैया आयोग का गठन किया गया था, फिर भी इसकी रिपोर्ट कभी जारी नहीं की गई। भाजपा के कार्यकाल के दौरान कोविड घोटाले के सिद्धरामैया के आरोप पर उन्होंने कहा महामारी के दौरान, पूर्व सीएम बी.एस. येदियुरप्पा ने अधिकारियों की सलाह के अनुसार खरीद का निर्देश दिया। कोई गलत काम नहीं हुआ। मुख्यमंत्री के पास यह तय करने का अधिकार नहीं है कि किस कंपनी से खरीदना है। अधिकारी तय करते हैं। यह मामला सरकार पर उल्टा पड़ेगा। अशोक ने कहा जब हम सत्ता में थे, तो हमने सब कुछ शांतिपूर्वक संभाला। हालांकि, यह सरकार पिछली सरकार पर हर चीज का आरोप लगाती है।

मैसूरु में वायु गुणवत्ता और शोर का स्तर पिछली दीपावली से रहा बेहतर

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने रविवार को कहा कि पिछले साल की तुलना में इस साल मैसूरु में दीपावली के दौरान परिवेशी वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जबकि शोर का स्तर कम हुआ है। दीपावली के दौरान तीन दिनों में आकलित समग्र औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में पिछले साल की तुलना में हेब्बल-औद्योगिक सह आवासीय क्षेत्र में 23.4 प्रतिशत, केआर सर्कल-वाणिज्यिक क्षेत्र और कुवेम्पु नगर-आवासीय क्षेत्र में 12-12 प्रतिशत का सुधार हुआ है। कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मैसूरु पर्यावरण अधिकारी वी एस कुमार के अनुसार, पिछले साल की तुलना में शोर के स्तर में 3 प्रतिशत की कमी आई है। हेब्बल में सामान्य दिन (24 अक्टूबर को) दीपावली से पहले आकलित एक्यूआई मान इस साल 43 और पिछले साल 32 था। केआर सर्कल में यह इस साल 43 और पिछले साल 64 था। 31 अक्टूबर को हेब्बल में यह इस साल 60 और पिछले साल 72 था। केआर सर्कल में यह इस साल 68 और पिछले साल 69 था। कुवेम्पु नगर में यह इस साल 36 और पिछले साल 44 था।

1 नवंबर को हेब्बल में यह इस साल 69 और पिछले साल 100 था। केआर सर्कल में यह इस साल 101 और पिछले साल 102 था। कुवेम्पु नगर में यह इस साल 32 और पिछले साल 53 था। 2 नवंबर को हेब्बल में यह इस साल 93 और पिछले साल 118 था। केआर सर्कल में यह इस साल 105 और पिछले साल 140 था। कुवेम्पु नगर में यह इस साल 49 और पिछले साल 57 था। हेब्बल में एक सामान्य दिन पर आकलित परिवेशीय ध्वनि गुणवत्ता इस साल 61.2 डेसिबल थी और पिछले साल यह 62 डेसिबल थी। दीपावली के पहले दिन इस साल 61.2 डेसिबल, पिछले साल 62 डेसिबल, दूसरे दिन पिछले साल 70.73 डेसिबल और बारिश के कारण इस साल इसका आकलन नहीं किया जा सका। तीसरे दिन इस साल 70.9 डेसिबल और पिछले साल 70.3 डेसिबल रहा। इसलिए, इस वर्ष त्योहार के दौरान स्तर संतोषजनक थे। शोर के स्तर की निगरानी छह घंटे, शाम 6 बजे से 12 बजे तक की गई थी, और आमतौर पर सीपीसीबी दिशानिर्देशों के अनुसार 65 से 75 डेसिबल के बीच शोर का स्तर सामान्य होता है।

3 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव

आज शाम थम जाएगा चुनाव प्रचार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के मिनी महासागर माने जाने वाले तीन विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के लिए खुला प्रचार अभियान सोमवार शाम थम जाएगा। ऐसे में राजनीतिक दलों के नेता मैदान में उतर गए हैं और जोरदार प्रचार में जुट गए हैं। संदूर, चन्नपट्टना और शिग्गांव विधानसभा क्षेत्रों में जारी प्रचार सोमवार शाम 5.30 बजे समाप्त हो जाएगा और गैर-मतदाताओं को अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्र छोड़ना होगा। ऐसे में राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ताओं ने जमकर चुनाव प्रचार करना शुरू कर दिया है। चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार सीपी योगेश्वर और एनडीए उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी सहित कुल 31 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। संदूर निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार बंगारू हनुमंथु और कांग्रेस से ई. अन्नपूर्णा सहित 6 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि शिग्गांव में भाजपा उम्मीदवार भरत बोम्मई और कांग्रेस प्रत्याशी यासिर अहमद खान मैदान में हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, शोभा करंदलाजे, प्रह्लाद जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, बसवराज बोम्मई, जगदीश शेट्टर, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र, मंत्री, विधायक, सांसद सहित कई मंत्री, पूर्व विधायक और पूर्व सांसद उन निर्वाचन क्षेत्रों में हैं जहां चुनाव हो रहे हैं और जोर-शोर से प्रचार किया जा रहा है। हाई वोल्टेज क्षेत्र माने जाने वाले चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी सीपी योगेश्वर की ओर से पूर्व सांसद डीके सुरेश लगातार प्रचार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पहले ही निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार कर चुके हैं। मंत्री-विधायक समेत कई नेता मैदान में हैं और जमकर प्रचार कर रहे हैं। वहीं, एनडीए उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी की ओर से एचडी देवेगौड़ा और एचडी कुमारस्वामी लगातार प्रचार कर रहे हैं, जिसका भाजपा और जेडीएस के अन्य नेताओं ने भी समर्थन किया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक रविवार को जेडीएस नेताओं के साथ चन्नपट्टना में चुनाव प्रचार में शामिल हुए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार शिग्गांव निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार पठान यासिर अहमद खान के लिए प्रचार किया।

इस उपचुनाव में सत्तारूढ़ और विपक्षी दल विकास का मुद्दा लेकर सामने आएं हैं, जिसके कारण आपसी आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। कांग्रेस नेता तीन निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार कर रहे हैं और गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन सहित कांग्रेस प्रशासन की उपलब्धियों को प्रस्तुत करके वोट मांग रहे हैं। भाजपा और जेडीएस के नेता अपनी-अपनी पार्टियों द्वारा किए गए विकास कार्यों और केंद्र सरकार की उपलब्धियों का प्रचार कर एनडीए उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। चुनाव में वक्फ संपत्ति के किसानों की जमीन को पिहानी में दाखिल करने का मुद्दा प्रशासन और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव का कारण बन गया है। एनडीए नेता इसे अपने मुख्य हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। चूँकि सोमवार को खुले प्रचार का दिन है, वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में रैलियों, बैठकों, खुली बैठकों और समारोहों के माध्यम से प्रचार करेंगे और वोट मांगेंगे। वे घर-घर जाकर पर्चे भी बांट रहे हैं और वोट के लिए प्रचार कर रहे हैं। वे न केवल अपनी-अपनी पार्टियों की उपलब्धियों का प्रचार कर रहे हैं बल्कि मतदाताओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के वादे भी कर रहे हैं। हर क्षेत्र में नेताओं ने डेरा डाल दिया है और चुनावी मैदान पूरे शबाब पर है। आरोप-प्रत्यारोप लग रहे हैं और प्रचार चरम पर पहुंच गया है। इस उप-चुनाव को प्रतिष्ठा मानते हुए सत्तारूढ़ कांग्रेस, विपक्षी दल भाजपा-जेडीएस अपने-अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसके लिए तरह-तरह की रणनीतियां और जवाबी रणनीतियां चुनाव मैदान में उतर चुकी हैं। प्रत्याशियों के पक्ष में मतदाताओं को मनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और वे जीत हासिल करने के लिए हर संभव रणनीति और प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में तीनों विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार जोरो पर है।

सरकार से शंकर नाग के जन्मदिन को चालक दिवस के रूप में मनाने की अपील

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ऑटो चालक संघ ने परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी से अपील की कि वे दिवंगत कन्नड़ अभिनेता शंकर नाग के जन्मदिन को आधिकारिक रूप से चालक दिवस के रूप में मनाएं। जयनगर में पीस ऑटो, आदर्श ऑटो और टैक्सी चालक संघ और कर्नाटक राज्य निजी स्कूल चालक संघ सहित कई चालक संघों द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में, सदस्यों ने मंत्री से अपील की। रेड्डी ने कहा बेंगलूरु की सड़कों पर 3 लाख से अधिक ऑटो रिक्शा चलते हैं और शहर अपने ऑटो चालकों के बिना काम नहीं कर सकता। शहर में ऑटो चालकों के लिए एक प्रतिष्ठित व्यक्ति शंकर नाग अपनी सेवा और समर्पण से उन्हें प्रेरित करते रहते हैं। इस कार्यक्रम में ऑटो उद्योग में महिलाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें पीस ऑटो ने 300 महिला चालकों को प्रशिक्षण दिया और उन्हें अपने वाहन खरीदने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की। कार्यक्रम में अपने पेशे में असाधारण मानवता और ईमानदारी दिखाने वाले ड्राइवरों को स्वर्ण पदक प्रदान करना, तथा वंचित ड्राइवरों के बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करना भी शामिल था।

टैंकर लॉरी ने स्कूटर पर पीछे बैठे व्यक्ति को कुचला

सड़क की खराब हालत के खिलाफ प्रदर्शन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेंगलूरु के उल्लाल पुलिस स्टेशन की सीमा में थोक्कोट्टू के पास स्थित चेम्बुगुड्डे में शनिवार को एक टैंकर लॉरी ने स्कूटर पर पीछे बैठे व्यक्ति को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक का नाम रहमत एच राशिद (47) है। अब्दुल राशिद स्कूटर पर सवार थे और येनेपोया अस्पताल से बाजपे एयरपोर्ट की ओर जा रहे थे। जब वे चेम्बुगुड्डे पहुंचे, तो स्कूटर फिसल गया। नतीजतन, रहमत एच राशिद सड़क पर गिर गए। पीछे से आ रहे एक टैंकर लॉरी ने रहमत को कुचल दिया। जिसके बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन जांच करने वाले डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थोक्कोट्टू के पास चेम्बुगुड्डे में सड़क की खराब स्थिति के कारण पीछे बैठे व्यक्ति की मौत के बाद, डीवाईएफआई उल्लाल तालुक समिति ने शनिवार रात को विरोध प्रदर्शन किया। समिति के अध्यक्ष नितिन कुठार ने कहा कि विधायक और विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर सड़क को टोल-फ्री बताते हैं, लेकिन

आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने में विफल रहते हैं, जिससे घातक दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने विकास प्रयासों पर सवाल उठाते हुए इसे अपर्याप्त बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर एक सप्ताह के भीतर सड़क की मरम्मत नहीं की गई, तो वे काले झंडे लेकर विधायक कार्यालय तक मार्च करेंगे। डीवाईएफआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार बाजल ने थोकोट्टू बाजार की दुर्दशा की निंदा की। उन्होंने कहा कि लोग खतरनाक हो चुकी सड़कों को पार करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिनमें जानलेवा गड्ढे हैं। प्रदर्शन के बाद, रविवार को चेम्बुगुड्डे में सड़क के हिस्से की मरम्मत के लिए अस्थायी उपाय किए गए हैं।

राज्य की कांग्रेस सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं करेगी: देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा ने भविष्यवाणी की है कि राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं करेगी। वह चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के लिए एनडीए उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी की ओर से निर्वाचन क्षेत्र के एसएम हॉल में चुनाव प्रचार के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कांग्रेस के आचरण और संस्कृति की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह सरकार लोगों से जबरन वसूली कर रही है। हर तरह से लोगों का शोषण कर रहे हैं। ऐसी सरकार नहीं होनी चाहिए। अगर होगा तो यह लोगों के लिए अच्छा नहीं होगा। कांग्रेस पार्टी मेकेडातु योजना लागू नहीं कर सकती। अगर निखिल कुमारस्वामी जीतते हैं, तो उन्होंने राज्यसभा और लोकसभा दोनों में लड़ने और मेकेदातु योजना को लागू करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करने का वादा किया। भारत गठबंधन की आलोचना करने वाले देवेगौड़ा ने कहा कि उनके गठबंधन में कोई ऐसा नेता है जो प्रधानमंत्री बन सकता है? क्या स्टालिन या ममता बनर्जी बनेंगे पीएम? जो कार्य करना है वह सफाई से करना चाहिए। गारंटी लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है। सरकार इन्हें ज्यादा दिनों तक संभाल नहीं पाएगी। सस्ते वादे करके लोगों की भावनाओं से खेलना ठीक नहीं है। हालांकि, सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मजबूत किया जाना चाहिए। मैं निश्चित रूप से कडुगोल्ला और बेस्टा समुदायों को एसटी श्रेणी में शामिल करने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि कडुगोल्ला समुदाय को इस श्रेणी में शामिल करने के लिए वह पहले ही प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा कर चुके हैं। उन्होंने मतदाताओं से निखिल कुमारस्वामी का समर्थन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी को मजबूत करने की अपील की। इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण ने देवेगौड़ा को गरीबों और किसानों का भाई बताते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने पूरे कर्नाटक में महत्वपूर्ण परियोजनाओं का नेतृत्व करने में गौड़ा की भूमिका की सराहना की। उन्होंने स्थानीय सिंचाई योजना पर जोर दिया। इसी प्रयास में हमें उनके दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना है।

वक्फ बोर्ड विवाद पर भाजपा कर रही राजनीति:प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने रविवार को वक्फ बोर्ड विवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर एक बार फिर पलटवार किया और पार्टी पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। कर्नाटक के मंत्री ने भाजपा से उनके शासनकाल के दौरान वक्फ बोर्ड पर की गई कार्रवाई पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा हमारी सरकार नहीं, बल्कि भाजपा सरकार के दौरान भी, जारी किए गए वक्फ के सभी नोटिस रोक दिए गए हैं और उन्हें वापस लेने के लिए कहा गया है। सीएम ने आश्वासन दिया है कि किसानों द्वारा की जा रही खेती को संरक्षण दिया जाएगा। इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। लेकिन इसके बावजूद भाजपा राजनीति कर रही है। क्या उनके शासनकाल के दौरान उन्होंने वक्फ बोर्ड को बंद कर दिया था? वक्फ बोर्ड द्वारा भूमि दावों में उल्लेखनीय वृद्धि के बाद, कर्नाटक के कई हिस्सों में किसानों की पुश्तैनी जमीन, मंदिर, सरकारी भवन और यहां तक कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के तहत केंद्रीय संरक्षित स्मारकों को प्रभावित करने के बाद राज्य में एक राजनीतिक विवाद पैदा हो गया है। इस स्थिति के कारण स्थानीय किसानों और भूस्वामियों में गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है, जिनके पीढ़ियों से चले आ रहे भूमि अधिकारों को बिना किसी उचित अधिसूचना या उचित प्रक्रिया के चुनौती दी जा रही है। अकेले विजयपुरा जिले में 15,000 एकड़ से अधिक भूमि पर दावा किया गया है, जिसमें स्थानीय किसानों की आजीविका के लिए आवश्यक पैतृक कृषि भूमि भी शामिल है। प्रेस बयान के अनुसार, अकेले टिकोटा तालुका के होनावदा गांव में 89 सर्वेक्षण नंबरों में 1,500 एकड़ से अधिक कृषि भूमि पर एकतरफा दावा किया गया है। बबलेश्वर तालुका के कई किसानों को भी नोटिस मिले हैं, जिनमें कहा गया है कि उनकी जमीनें अब वक्फ अधिनियम के तहत वक्फ संपत्ति के रूप में वर्गीकृत हैं। बयान में कहा गया है कि दावे मंदिरों और मठों की जमीनों तक फैले हैं, जैसे सोमेश्वर मंदिर (चालुक्य युग) और विरक्त मठ (12वीं शताब्दी का)। इस बीच, कर्नाटक सरकार के राजस्व विभाग के प्रधान सचिव ने वक्फ मुद्दे से संबंधित सभी क्षेत्रीय आयुक्तों और जिला आयुक्तों को पत्र लिखा है। 9 नवंबर को जारी आदेश में किसानों को दिए गए सभी नोटिस वापस लेने और किसी भी प्राधिकरण द्वारा दिए गए भूमि म्यूटेशन के आदेशों को तुरंत वापस लेने तथा म्यूटेशन का काम रोकने को कहा गया है।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल परिसर में स्व: कानसिंह राजपुरोहित की स्मृति में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलित कर शिविर की शुरुआत हुई। कोयम्बत्तूर स्थित अरविन्द अस्पताल के चिकित्सकों की देखरेख में 199 लोगों नें रक्तचाप, शूगर, आँखों की जांच करावाई। इस मौके पर डॉ. देवकृष्ण, डॉ. दिव्या रोज, डॉ. विजय तथा रोटरी क्लब बन्नूर के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित, गवरीदेवी कानसिंह सिया, वेंकटेश, माणीकचंद, बिलय्या और नंजुडस्वामी सहित अन्य उपस्थित थे।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री सीमंधर शान्तिसूरि जैन संघ वीवी पुरम में रविवार को आचार्य अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में चतुर्विध श्री संघ की साक्षी में करीब 190 श्रावक श्राविकाओं ने व्रत ग्रहण कर प्रतिज्ञा ली। आचार्यश्री ने व्रतों के बारे में विस्तार से समझाया तथा श्री संघ के तत्वावधान में सुशील धाम तीर्थ स्थल में 15 दिसंबर से प्रारंभ होने वाले उपधान तप में सभी को जुड़ने का आह्वान किया।*

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद द्वारा संचालित ज्ञान वाटिका के बच्चों के लिए भारत वर्ष में चल रही ज्ञान वाटिका परीक्षा में प्रथम स्थान अर्णव चोपड़ा को मिला एवं तुषार धारीवाल व प्रियश चोपड़ा रैंक होल्डर रहे। महिला परिषद द्वारा सभी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट मंडल एवं महिला परिषद के सदस्यगण उपस्थित रहे।*

खराब सड़क के कारण व्यक्ति की मौत का मामला

विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों के खिलाफ जांच और कार्रवाई का दिया आदेश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने अधिकारियों से थोक्कोट्टू-चेम्बुगुड्डे सड़क पर हुई दुर्घटना की जांच शुरू करने और सड़क मरम्मत कार्यों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा। एक दुखद घटना में थोक्कोट्टू-चेम्बुगुड्डे सड़क पर एक सड़क दुर्घटना में रहमत की जान चली गई। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन में भाग लेने गए अध्यक्ष ने समाचार मिलने पर गहरा दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। खादर ने कहा कि सड़क के विकास के लिए 30 करोड़ रुपये पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं और निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हालांकि, बारिश के कारण काम शुरू होने में देरी हुई। खादर ने अधिकारियों को अगले मानसून से पहले सड़क की मरम्मत करने का निर्देश दिया था, खास तौर पर गड्ढों की मरम्मत पर ध्यान केंद्रित किया था, जिसकी खबरें अक्सर मीडिया में आती रही हैं। इन निर्देशों के बावजूद, संबंधित अधिकारियों की लापरवाही स्पष्ट थी। खादर ने अब घटना की जांच करने को कहा है और सड़क के खराब रखरखाव के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर मानसून के बाद गड्ढों की मरम्मत करना लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों का कर्तव्य है। स्पीकर ने उल्लाल के युवाओं की भी सराहना की जो दुर्घटना स्थल पर मदद के लिए पहुंचे।

उडुपी में एक व्यक्ति की पुलिस हिरासत में मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के ब्रह्मवर पुलिस स्टेशन में रविवार सुबह हिरासत में मौत की सूचना मिली, जब कोल्लम के एक मजदूर को एक महिला और उसके बच्चों को परेशान करने के आरोप में स्टेशन लाया गया। मृतक की पहचान बीजू मोहन (45) के रूप में हुई है। उडुपी के एसपी डॉ. अरुण के ने बताया कि ब्रह्मवर पुलिस को 9 नवंबर को शाम 7.45 बजे एक कॉल मिली जिसमें चेरकडी गांव में एक व्यक्ति पर महिला और उसके बच्चों को परेशान करने का आरोप लगाया गया। पुलिस मौके पर पहुंची और उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया और बाद में उसे पुलिस स्टेशन ले जाया गया। महिला ने अपने भाई के साथ शिकायत दर्ज कराई कि व्यक्ति उसके घर में घुस आया और उसे और उसके बच्चों को परेशान किया। इसके बाद उसे पुलिस स्टेशन में सलाखों के पीछे डाल दिया गया। सुबह करीब 3.45 बजे संतरी ने देखा कि बीजू कोठरी की दीवार पर झुककर बैठा हुआ था। उप-निरीक्षक सहित पुलिस कर्मियों को सूचित किया गया और एम्बुलेंस बुलाकर उसे ब्रम्हवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। एसपी ने कहा कि चूंकि यह हिरासत में मौत का मामला है, इसलिए मामले की जांच सीआईडी करेगी। मृतक के परिवार को सूचित कर दिया गया है। परिवार के सदस्यों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा दो मेडिकल टीमों द्वारा पोस्टमार्टम किया जाएगा, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी और न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जांच की निगरानी की जाएगी। नियमों के अनुसार सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा और उचित कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि बीजू हंगरकट्टे में एक मछली फैक्ट्री में काम करता था।

गूगल मीट पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मंजिल ग्रुप साहित्यिक मंच की दक्षिणी शाखा दक्षिण भारत के तत्वावधान में शनिवार को गूगल मीट पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। रचना पाठ में स्वयं की नहीं बल्कि अन्य की रचना सुनानी थी। मगसम संस्था के दो प्रमुख उद्देश्य हैं जो इस कार्यक्रम द्वारा व्यवहार में लाया गया। पहला उद्देश्य मैं को त्याग हम का आह्वान करना और दूसरा श्रेष्ठ रचनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार भरत नायक बाबूजी ने की, जबकि बतौर मुख्य अतिथि सुधीर सिंह सुधाकर मौजूद थे। दक्षिण भारत का प्रतिनिधित्व संस्था के संरक्षक डॉक्टर सुनील परीट ने की। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना, राष्ट्रीय गीत एवं अनीता सोनी द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति से हुई। सर्वप्रथम संरक्षक परीट ने सभा को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। उसके बाद शीर्षक बताओ प्रतियोगिता के परिणाम घोषित हुए, जिसमें प्रथम स्थान राम कुमारी, द्वितीय स्थान दिनेश एवं तृतीय स्थान निर्मला कर्ण को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात रचना पाठ का दौर शुरू हुआ। रचना पाठ में पुष्पा पांडे, अनीता सोनी, अंजू भारती, निर्मला कर्ण, डॉक्टर वत्सला, रामकुमारी, मिनेश चौहान, शिवालिका सिंह कुशवाहा, सुधीर सिंह सुधाकर, अनुराधा के, शशि ओझा, भरत नायक बाबूजी, सुनील परित, वीणा मेदनी, गीता चौबे गूँज और दिनेश ने भाग लिया। अंत में मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम को सराहते हुए सभी का हौसला बढ़ाया। मंच संचालन वीणा मेदनी ने किया।

गौड़ ब्राह्मण संघ ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय गौड़ ब्राह्मण संघ कर्नाटक ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में रविवार को प्रातः 11 बजे से दीपावली स्नेह मिलन आयोजित किया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया, सचिव अनिल शर्मा, सुरेश शर्मा, निर्मल शर्मा, अशोक भुवानिया व समाज के वरिष्ठ राधेश्याम शर्मा ने भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित किया। दिनेश उपाध्याय ने मंत्रोच्चार से कार्यक्रम की शुरुआत की। सभी ने आपस में दीपावली की शुभकामनाएं दी। अच्छे अंक प्राप्त करने पर समाज के छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। मंच संचालन बिमल सुरोलिया ने किया।

श्री हंस जयंती एवं दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री हंस सत्संग आश्रम मेडाहल्ली केआर पुरम में मानव उत्थान सेवा समिति शाखा बेंगलूरु द्वारा श्री हंस जयंती समारोह एवं दीपावली स्नेह मिलन का भव्य आयोजन किया गया।

सत्संग समारोह में सदगुरु देव सतपाल महाराज के अनुभवी शिष्य महात्मा तूरिया नन्द, महात्मा आत्म वेदांतानंद, महात्मा रंजनानंद एवं महात्मा गुणवंता नन्द ने हंस महाराज के जीवन दर्शन पर अपने विचार रखें। मानव की सोई हुई चेतना को जगाने के लिए समय-समय पर महान पुरुषों का प्रादुर्भाव धरा धाम पर होता रहा है। इसी श्रृंखला में सदगुरुदेव सतपाल महाराज के पिता एवं गुरु हंस महाराज का प्रादुर्भाव धरा धाम पर हुआ। उन्होंने अपने जीवन काल में मनुष्य को सत्य के मार्ग से जोड़ा। अध्यात्म ज्ञान जो भारत की पुरातन पूंजी है। इस ज्ञान का प्रचार प्रसार देश देशांतर में किया।

उनके इस अभियान को सदगुरुदेव सतपाल महाराज आज हजारों संत महात्माओं के माध्यम से देश और विदेशों में फैला रहे हैं और मानव की सोई हुई चेतना को जगाने का कार्य कर रहे हैं। महात्मा ने कहा कि मनुष्य का जीवन 84 लाख योनियों के पश्चात प्राप्त होता है। इसलिए इसकी महत्ता को समझना आवश्यक है। जब तक व्यक्ति स्वयं को नहीं जानता तब तक उसका पूरा ज्ञान अधूरा है। स्वयं को जानने के लिए ही जीवन में गुरु की आवश्यकता पड़ती है। कार्यक्रम का संचालन प्रेम किशोर बरफा ने किया। समिति की ओर से बसवराज, थाना राम गहलोत, पुनीत जैन, प्रवीण जोशी, एम. राजगोपालन और संपत कृष्णा ने संत वृंदों का स्वागत किया। नारायण लाल चोयल, सुमेर सिंह प्रजापत ने अपने सुमधुर भजनों से भक्त समाज को आनंदित किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अग्रहारा दासरहल्ली क्षेत्र में कर्नाटका राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र के विधायक प्रिया कृष्णा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने उपस्थित होकर मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर ध्वजारोहण किया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा विदेशी भाषा हमें जीविका दे सकती है लेकिन हमारी मातृभाषा हमें जीवन देती है। मातृभाषा का सम्मान करते हुए हमें उसके संवर्धन का प्रयास करना चाहिए। आयोजको ने अतिथियों को सम्मानित किया।

व्यक्ति ने 2 साल के बच्चे के साथ आत्महत्या करने की कोशिश की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के गुरुपुरा ब्रिज पर एक व्यक्ति ने अपने 2 वर्षीय बच्चे के साथ पारिवारिक विवाद के चलते आत्महत्या करने की कोशिश की।

कैकंबा निवासी संदीप नामक व्यक्ति ने आत्महत्या करने की कोशिश की। जब वह अपने बच्चे के साथ पुल के किनारे खड़ा था, तो मोटर चालकों ने उसे बचाया और ऐसा करने से रोका। प्रारंभिक जांच करने के बाद, यह पाया गया कि संदीप नामक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के चलते आत्महत्या करने की कोशिश की थी, जिसके चलते उसे यह कदम उठाना पड़ा। पुलिस कर्मियों की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच की।

पेट्रोल पंप के पास कार में लगी आग

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में रविवार दोपहर को लेडीहिल के नारायण गुरु सर्किल स्थित पेट्रोल पंप के पास मारुति 800 कार में आग लग गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। बाजपे से लेडी हिल पेट्रोल पंप पर ईंधन भरने के लिए आई कार जैसे ही पंप के पास रुकी, उसमें आग लग गई। आग की लपटें तेजी से पेट्रोल पंप को घेरने लगीं, जिसके बाद कर्मचारियों ने आग बुझाने के लिए पानी की बाल्टियाँ भरकर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। रिपोर्टों ने पुष्टि की कि आग की लपटें तेज होने के बावजूद, कोई हताहत नहीं हुआ। कर्मचारियों ने कहा कि अगर आग भूमिगत पेट्रोल टैंक तक फैल जाती, तो इससे बड़ी आपदा हो सकती थी।

आधुनिक उपकरणों के प्रचलन से पारंपरिक कांगड़ी शिल्प में गिरावट

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 10 नवम्बर।

कश्मीर में पारंपरिक कांगड़ी बनाने वाले कारीगर पीढ़ियों से चले आ रहे अपने व्यापार में धीरे-धीरे गिरावट देख रहे हैं। कभी कश्मीर में कठोर सर्दियों के दौरान हर घर के लिए एक आवश्यक वस्तु रही कांगड़ी धीरे-धीरे अपनी जगह खो रही है क्योंकि आधुनिक हीटिंग उपकरण इस क्षेत्र में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

कारीगरों के अनुसार, इस शिल्प को प्रत्येक अद्वितीय वस्तु को बनाने के लिए कौशल और धैर्य की आवश्यकता होती है। हालांकि, कांगड़ी बनाने की कला कम होती जा रही है क्योंकि सस्ती इलेक्ट्रिक और गैस हीटर अधिक सुलभ होते जा रहे हैं, जिससे सर्दियों की परंपराओं में बदलाव आ रहा है। कांगड़ी बनाने वाले कारीगर ज्यादातर अनंतनाग, कुलगाम जैसे ग्रामीण इलाकों में रहते हैं।

उनके लिए, इन छोटे हीटरों को बनाना जीवन का एक तरीका रहा है। बडगाम के 65 वर्षीय कांगड़ी निर्माता गुलाम नबी ने अपनी चिंता साझा करते हुए कहा कि यह शिल्प मेरे परिवार में पीढ़ियों से चला आ रहा है। मेरे पिता और उनसे पहले के पिता इसी से अपना जीवन यापन करते थे। लेकिन अब, कम लोग कांगड़ी खरीद रहे हैं और कम युवा लोग इसे बनाना सीखना चाहते हैं। उन्हें लगता है कि इससे जीवन यापन के लिए पर्याप्त धन नहीं मिलता।

घटती मांग के कारण, कारीगर खुद को कच्चे माल की बढ़ती लागत और घटते मुनाफे के कारण दबाव में पा रहे हैं। एक कांगड़ी, जिसे बनाने में कई घंटे लग सकते हैं, अक्सर 250-350 रुपए में बिकती है, जिससे मुश्किल से लागत निकल पाती है। इस बदलाव के कारण कारीगर, जो अपनी आजीविका के लिए इस शिल्प पर निर्भर हैं, अपना गुजारा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जबकि सांस्कृतिक इतिहासकारों का मानना है कि कांगड़ी का पतन इस क्षेत्र में बड़े सांस्कृतिक बदलावों का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि कांगड़ी सिर्फ हीटिंग डिवाइस से कहीं ज़्यादा है; यह कश्मीर की पहचान और इतिहास का हिस्सा है। इसका पतन दर्शाता है कि आधुनिक सुविधाएं किस तरह तेजी से हमारे जीने के तरीके और हमारी परंपराओं के साथ बातचीत को बदल रही हैं।

हालांकि, पर्याप्त समर्थन के बिना, गुलाम नबी जैसे कारीगरों के लिए भविष्य अनिश्चित बना हुआ है, जो सोचते हैं कि क्या अगली पीढ़ी को सर्द रात में कांगड़ी की गर्मी याद भी रहेगी। कश्मीर में कई लोगों के लिए, कांगड़ी के कला रूप का पतन सिर्फ़ एक शिल्प के लुप्त होने की कहानी नहीं है; यह एक युग का अंत है, उनकी सांस्कृतिक पहचान के एक छोटे लेकिन महत्वपूर्ण हिस्से का नुकसान है।

जैसे-जैसे ज्यादा से ज्यादा घर आधुनिक हीटिंग समाधानों की ओर रुख कर रहे हैं, कांगड़ी के निर्माता एक लंबी, ठंडी सर्दियों के लिए तैयार हैं, जहां उनकी प्राचीन कला अब पहले जैसी गर्मी नहीं रखती।

तमिल अभिनेता दिल्ली गणेश का निधन, 400 फिल्मों में किया काम

चेन्नई, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

करीब तीन दशक तक तमिल सिनेमा के सभी सितारों के साथ काम करने वाले दिल्ली गणेश का शनिवार रात 80 साल की उम्र में निधन हो गया।

इंस्टाग्राम पर खबर पोस्ट करते हुए उनके बेटे महादेवन ने पुष्टि की कि यह खराब स्वास्थ्य के कारण हुआ। उनके बेटे ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए खबर दी, जिसमें लिखा था, हमें यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि हमारे पिता श्री दिल्ली गणेश का 9 नवंबर को रात करीब 11 बजे निधन हो गया।

तमिल अभिनेता दिल्ली गणेश ने अपने करियर की शुरुआत दिग्गज निर्देशक के बालाचंदर के साथ पट्टिना प्रवेशम (1976) से की थी, दिल्ली से थे, जहां वे दक्षिण भारत नाटक सभा, एक थिएटर मंडली के सदस्य भी थे। अभिनेता ने एक दशक यानी 1964 से 1974 तक भारतीय वायु सेना में सेवा की थी। अभिनेता अपने करियर के दौरान 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। उन्हें आखिरी बार कमल हासन की इंडियन 2 में देखा गया था।

दिल्ली गणेश को कॉलीवुड में सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में से एक माना जाता था।

वह कमल हासन की ज्यादातर फिल्मों में नजर आ चुके हैं, जिसमें नायकन से लेकर इंडियन 2 तक शामिल है। यही नहीं, अभिनेता की व्वाई शानमुघी, तेनाली, माइकल मदना काम राजन और अपूर्व सगोधरगल भी दर्शकों को काफी पसंद आई थी। फिल्मों के अलावा उन्होंने टीवी धारावाहिकों और लघु फिल्मों में भी काम किया था।

उन्होंने पासी (1979) में अपने अभिनय के लिए तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार विशेष पुरस्कार जीता और 1994 में कलैमामणि पुरस्कार सहित कई राज्य सम्मान प्राप्त किए।

अभिनेता दिल्ली गणेश का अंतिम संस्कार 11 नवंबर को सुबह 10 बजे होगा।

मध्य रेलवे का भावनात्मक योगदान

861 खोए-भटके बच्चों को माता-पिता से मिलवाया

इनमें 272 लड़कियां शामिल

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय रेलवे यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचाने के साथ खोए और बच्चों को भी उनके माता-पिता से मिलाकर उन्हें भटकने से बचा रहा है। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत मध्य रेलवे ने अप्रैल से अक्टूबर के बीच अब तक 861 ऐसे बच्चों को अपने माता-पिता से मिलवाया है, जो या तो खो गए थे या भागने की फिराक में थे।

रेलवे के इस अभियान से जुड़ी कुछ कहानियां भी सामने आई हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के खंडवा स्टेशन में निगरानी के दौरान रेलवे सुरक्षा बल के कर्मी ईश्वर चंद जाट और आरके त्रिपाठी को एक अकेला बच्चा बैठा मिला। इस बच्चे के दाएं हाथ में मोबाइल नंबर गोदा हुआ मिला था. इस नंबर पर फोन करने में सामने आया कि वह मानसिक स्वास्थ्य समस्या से गुजर रहा है और बार-बार रास्ता भटक जाता है। बाद में आरपीएफ ने इस बच्चे- सुमित को उसके परिवार से मिलवाया।

सुमित की तरह ही 860 और कहानियां हैं, जिनमें मध्य रेलवे ने नन्हें फरिश्ते अभियान के तहत बच्चों को अभिभावकों के पास पहुंचाया। हालांकि, बच्चों के खोने का कारण हमेशा स्वास्थ्य नहीं होता। कई बार माता-पिता से लड़ाई, पढ़ाई को लेकर डांट या अच्छी जिंदगी की तलाश और मुंबई की ग्लैमर की दुनिया भी बच्चों के घरों से भागने का कारण होता है। रेलवे ने ऐसे बच्चों को भी निगरानी तंत्र के जरिए अपने परिवारों के पास पहुंचाया।

पार्टी कार्यालय में मिला भाजपा नेता पृथ्वीराज नस्कर का शव

कोलकाता, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगाना जिले के उस्थी में भाजपा नेता का शव पार्टी कार्यालय के अंदर मिला। पुलिस अधिकारी के मुताबिक भाजपा नेता पृथ्वीराज नस्कर जिले में भाजपा का सोशल मीडिया अकाउंट संभालते थे। मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया।

शुरुआती जांच में पुलिस ने व्यक्तिगत विवाद होने की आशंका जताई है। नस्कर का खून से सना हुआ शव शुक्रवार रात पार्टी कार्यालय में मिला था। उनके परिवार ने बताया कि वह 5 नवंबर से लापता थे।

मामले में पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार महिला ने स्वीकार किया है कि उसने धारदार हथियार से नस्कर पर हमला किया, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि जांच की जा रही है कि क्या मृतक और आरोपी महिला के बीच कोई व्यक्तिगत विवाद था। भाजपा ने नस्कर हत्या मामले में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर आरोप लगाया, जबकि पुलिस ने हत्या के सिलसिले में एक महिला को गिरफ्तार किया और कहा कि हत्या का कारण व्यक्तिगत विवाद हो सकता है।

पुलिस ने बताया कि हत्या मामले में महिला को मोबाइल फोन की ट्रैकिंग और प्रारंभिक जांच के बाद पास के इलाके से गिरफ्तार किया गया। शव को पार्टी कार्यालय से निकालने से पहले पुलिस को दरवाजे और गेट तोड़ने पड़े क्योंकि कार्यालय के भीतर से यह बंद थे। पुलिस का मानना है कि आरोपी महिला हमले के बाद पीछे के दरवाजे से भागी होगी। नस्कर के पिता ने आरोप लगाया कि उनके बेटे ने हाल ही में दुर्गा पूजा के दौरान एक अस्पताल में न्याय की मांग करते हुए प्रदर्शन किया था, जिसके बाद स्थानीय टीएमसी कार्यकर्ताओं और पुलिस का गुस्सा मोल लिया था। उन्होंने कहा कि टीएमसी नेताओं ने बेटे को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।

हत्या के बाद मामले में भाजपा और टीएमसी पर आरोप प्रत्यारोप की राजनीति तेज हो गई है। जहां भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने दावा किया कि स्थानीय टीएमसी कार्यकर्ताओं ने नस्कर की हत्या की है ताकि इलाके में भाजपा के समर्थकों को डराया जा सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा न्याय की लड़ाई जारी रखेगी और नस्कर के हत्यारों को सजा दिलवाएगी। भाजपा के आरोप पर टीएमसी नेता कुणाल घोष ने नकारते हुए कहा कि भाजपा जानबूझकर झूठ फैला रही है। उन्होंने दावा किया कि नस्कर की मौत के पीछे व्यक्तिगत दुश्मनी हो सकती है और पार्टी को फंसाने के लिए भाजपा झूठ बोल रही है।

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ रिटायर हुए

कई सार्थक तो कुछ निरर्थक फैसलों वाला रहा कार्यकाल

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ आज रिटायर हो गए। उनका कार्यकाल कई सार्थक फैसलों और कुछ विवादास्पद फैसलों वाला कार्यकाल रहा। उन्हें इन फैसलों की वजह से हमेशा याद किया जाएगा।

न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ ने 9 नवंबर 2022 को भारत के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ ली थी। उनके सेवानिवृत्त होने के बाद न्यायमूर्ति संजीव खन्ना देश के नए मुख्य न्यायाधीश होंगे। शुक्रवार को जस्टिस चंद्रचूड़ का सीजेआई के तौर पर अंतिम कार्य दिवस रहा, जिसमें उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक दर्जे से जुड़े 1967 के फैसले को पलट दिया। उनके कई निर्णय चर्चित रहे हैं।

निजता का अधिकार

2017 में नौ जजों की बेंच ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया, जिसमें निजता को मौलिक अधिकार माना गया। इसे न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ मामले के रूप में जाना जाता है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने खुद और तीन अन्य जजों की ओर से बोलते हुए बहुमत की राय लिखी। इसमें निजता को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का अभिन्न अंग बताया गया। इस फैसले में निजता के तमाम पहलुओं को भी मान्यता दी गई, जिसमें शारीरिक निजता, सूचनात्मक निजता और पसंद की निजता शामिल है। यह फैसला व्यक्तिगत स्वतंत्रता और गरिमा पर बाद के कई फैसलों का आधार बना। यह सब 2012 में तब शुरू हुआ जब सेवानिवृत्त न्यायाधीश केएस पुट्टस्वामी ने आधार अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी थी। आधार अधिनियम ने भारत के विशिष्ट पहचान संख्या कार्यक्रम को वैध बनाया।

दिल्ली का असली मालिक

दिल्ली सरकार बनाम भारत संघ (2018) हाल के वर्षों में एक चर्चित फैसला रहा है। मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल के बीच विवाद ने एनसीटी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) की स्थिति पर कानूनी विवाद को जन्म दिया। यह मुद्दा केंद्र शासित प्रदेश के रूप में दिल्ली की विशेष स्थिति के मद्देनजर दिल्ली के एलजी की प्रशासनिक शक्तियों को लेकर था। 4 जुलाई 2018 को संविधान पीठ ने फैसला दिया कि उपराज्यपाल मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से बंधे हैं। निर्णय ने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद को कार्यपालिका का नेतृत्व करना चाहिए।

समलैंगिकता पर फैसला

नवतेज जौहर बनाम भारत संघ (2018) मामले में समलैंगिकता को अपराध से मुक्त करने वाला फैसला नकारात्मक, निरर्थक और विवादास्पद रहा। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की सहमति वाली पीठ ने धारा 377 को असंवैधानिक घोषित किया। 158 साल पुराना कानून वयस्कों के बीच सहमति से समलैंगिक संबंधों को अपराध मानता था।

उन्होंने इसे एक ऐसा औपनिवेशिक कानून बताया जो समानता, अभिव्यक्ति, सम्मान और निजता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। फैसले में इस बात पर जोर दिया गया कि संवैधानिक नैतिकता को सामाजिक नैतिकता पर हावी होना चाहिए और माना गया कि समलैंगिकता को अपराध से मुक्त करना एलजीबीटीक्यू अधिकारों की पूर्ण मान्यता की दिशा में पहला कदम है।

केरल के सबरीमाला मंदिर का मुद्दा

सबरीमाला मंदिर में प्रवेश के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि 10-50 वर्ष की आयु की महिलाओं को प्रवेश से बाहर रखना संवैधानिक नैतिकता का उल्लंघन है। इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन बनाम केरल राज्य (2019) मामले में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि यह प्रथा अनुच्छेद 17 (अस्पृश्यता का निषेध) का भी उल्लंघन करती है। प्रथा महिलाओं को अशुद्धता की धारणा देती है और जैविक कारणों के आधार पर महिलाओं को प्रवेश से बाहर रखना असंवैधानिक है।

राम मंदिर पर फैसला

सबसे महत्वपूर्ण फैसले में पांच जजों की पीठ ने विवादित अयोध्या भूमि को राम मंदिर बनाने के लिए दिया और उत्तर प्रदेश सरकार को मस्जिद के निर्माण के लिए अयोध्या में एक वैकल्पिक स्थल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

डीवाई चंद्रचूड़ 2019 में ऐतिहासिक अयोध्या फैसला सुनाने वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा थे।

नवंबर 2019 में आए इस फैसले ने एक सदी से भी ज्यादा पुराने इस विवादास्पद मुद्दे का निपटारा कर दिया।

सर्वोच्च न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 2010 के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें विवादित भूमि को विभाजित कर उसे मंदिर और मस्जिद ट्रस्टों को निर्माण के लिए दे दिया गया था।

अनुच्छेद 370 पर निर्णय

2023 में संविधान पीठ ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र सरकार के 2019 के फैसले को बरकरार रखा। अपने ऐतिहासिक 476 पन्नों के फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि जम्मू-कश्मीर ने विलय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के बाद अपनी संप्रभुता खो दी थी।

चुनावी बॉन्ड का कानून

पांच जजों की बेंच ने अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत सूचना के अधिकार का उल्लंघन करने के लिए चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक घोषित किया। बेंच ने माना कि इस योजना ने संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) में निहित मतदाताओं के सूचना के अधिकार का उल्लंघन किया है। इसने यह भी निर्देश दिया कि चुनावी बॉन्ड की बिक्री तत्काल प्रभाव से रोक दी जाए और एसबीआई को 12 अप्रैल 2019 से खरीदे गए चुनावी बॉन्ड का विवरण चुनाव आयोग को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया और उसे एसबीआई द्वारा साझा की गई जानकारी को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करने का निर्देश दिया गया। इस महत्वपूर्ण फैसले ने राजनीतिक फंडिंग पारदर्शिता को प्रभावित किया, जिसके तहत चुनावी बॉन्ड के जरिए किए गए सभी राजनीतिक दान का खुलासा करना आवश्यक हो गया।

एससी-एसटी वर्ग आरक्षण में वर्गीकरण

इसी साल सितंबर में सात न्यायाधीशों की पीठ ने 6:1 बहुमत से ईवी चिन्नैया मामले को खारिज करते हुए एससी/एसटी श्रेणियों के भीतर उप-वर्गीकरण की अनुमति दी। 2024 के पंजाब राज्य बनाम दविंदर सिंह (एससी/एसटी का उप-वर्गीकरण) फैसले में क्रीमी लेयर के विचारों पर जोर दिया गया और विभिन्न एससी/एसटी उप-समूहों के बीच समान लाभ वितरण सुनिश्चित करने के लिए राज्यों की शक्ति की पुष्टि की गई। अदालत ने फैसला सुनाया कि अनुच्छेद 15 और 16 राज्य को किसी जाति को उप-वर्गीकृत करने से नहीं रोकते हैं।

सांसदों और विधायकों के लिए छूट

मार्च 2024 में मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने फैसला सुनाया था कि यदि किसी सांसद या विधायक पर विधायिका में वोट या भाषण के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया जाता है तो वह मुकदमे से बचने का दावा नहीं कर सकता। सीता सोरेन बनाम भारत संघ (2024) मामले में अदालत ने कहा कि रिश्वत लेना एक खुला अपराध है और इसका संसद या विधानसभा के अंदर विधायक द्वारा कही गई बातों या किए गए कार्यों से कोई संबंध नहीं है। सात न्यायाधीशों वाली पीठ ने सर्वसम्मति से पीवी नरसिम्हा राव मामले को खारिज करते हुए कहा कि सांसदों को अनुच्छेद 105(2) और 194(2) के तहत रिश्वतखोरी के लिए संसदीय छूट प्राप्त नहीं है।

बेमौसम बर्फबारी के डर से पहले ही शुरू कर दी सेब के पेड़ों की छंटाई

जम्मू, 10 नवंबर (ब्यूरो)।

बेमौसम बर्फबारी से अपने बागों को होने वाले संभावित नुकसान से बचाने के प्रयास में, कश्मीर के सेब उत्पादकों ने अपने पेड़ों की समय से पहले छंटाई शुरू कर दी है। हालांकि, कृषि विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं, इस कदम को अवैज्ञानिक बता रहे हैं और चेतावनी दे रहे हैं कि इससे पेड़ों के लंबे समय तक स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है।

कश्मीर के विभिन्न हिस्सों के सेब उत्पादकों ने कहा कि फसल के कई हिस्सों को अभी तक तोड़ा या पैक नहीं किया गया है, लेकिन उन्होंने आने वाली सर्दियों की प्रत्याशा में अपने सेब के पेड़ों की छंटाई शुरू कर दी है। शोपियां के एक फल उत्पादक अल्ताफ अहमद का कहना था कि हमें अभी अपनी आधी उपज पैक करनी है, लेकिन हमने पहले ही छंटाई पूरी कर ली है क्योंकि हाल के वर्षों में बेमौसम बर्फबारी के कारण हमें काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने बार-बार मौसम संबंधी नुकसान के कारण होने वाले वित्तीय तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अगर हमारे बागों का फिर से यही हश्र हुआ, तो हम आर्थिक रूप से टूट जाएंगे

अनंतनाग के एक अन्य सेब उत्पादक ने कहा कि आम तौर पर नवंबर के अंत तक छंटाई की जाती है।

हालांकि, जल्दी बर्फबारी के डर से, कई उत्पादकों ने सामान्य से पहले ही प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है। वे कहते थे कि हममें से अधिकांश ने छंटाई प्रक्रिया को प्राथमिकता देते हुए अपने सेब के उत्पादन को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया है। इस तरह, हम जल्दी बर्फबारी की स्थिति में पेड़ों को किसी भी तरह के नुकसान से बचने की उम्मीद करते हैं। इन सावधानियों के बावजूद, विशेषज्ञ छंटाई के अवैज्ञानिक समय को लेकर चिंतित हैं। बर्फबारी के दौरान बिना काटे गए पेड़ों को नुकसान पहुंचने की अधिक संभावना होती है, लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि इस समय, जब पत्ते अभी भी हरे होते हैं, छंटाई पेड़ों को नुकसान पहुंचा सकती है। छंटाई आदर्श रूप से पत्तियों के गिरने और पेड़ के निष्क्रिय अवस्था में प्रवेश करने के बाद की जानी चाहिए। कृषि विशेषज्ञों ने कहा कि जब पत्ते अभी भी हरे होते हैं, तब छंटाई करने से कई समस्याएं होती हैं, जिनमें आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान भी शामिल है। एक विशेषज्ञ का कहना था कि हरे पत्तों की छंटाई करने से पेड़ की प्रकाश संश्लेषण की क्षमता बाधित होती है, जिससे उसके ऊर्जा भंडार कम हो जाते हैं। इससे पानी की कमी, पुनर्वृद्धि में देरी और बीमारी का जोखिम बढ़ सकता है।

पौधा रोग विशेषज्ञ डॉ. बिलाल का कहना था कि इस अवधि के दौरान छंटाई करने से पेड़ों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि हरे पत्तों को काटकर, जो प्रकाश संश्लेषण के लिए आवश्यक हैं, उत्पादक अनिवार्य रूप से पेड़ की खाद्य आपूर्ति को काट रहे हैं, जिससे पेड़ द्वारा संग्रहीत ऊर्जा बर्बाद हो रही है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि छंटाई से पहले पत्तियों के प्राकृतिक रूप से पीले होने और गिरने तक प्रतीक्षा करें, क्योंकि यह वह समय होता है जब पेड़ सक्रिय रूप से पोषक तत्वों का उपयोग नहीं कर रहा होता है और छंटाई के लिए अधिक स्थिर अवस्था में होता है। वे कहते थे कि सही समय पर छंटाई करने से पेड़ की रिकवरी सुनिश्चित होती है और दीर्घकालिक क्षति का जोखिम कम होता है।

जहां दुर्दांत अपराधी, माफिया और दुष्कर्मी पैदा होते हैं

अखिलेश उस प्रोडक्शन हाउस के सीईओ और शिवपाल ट्रेनर हैं: योगी

सीएम योगी ने कटेहरी, मझवा और फूलपुर में की चुनावी जनसभा

अंबेडकरनगर/मीरजापुर/प्रयागराज, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपचुनाव प्रचार की रैलियों में रविवार को समाजवादी पार्टी के नेतृत्व व नेताओं को खूब धोया। सीएम ने पीडीए को घेरते हुए इसकी नई परिभाषा बताई। उन्होंने कहा कि इनका पीडीए (प्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधी) है। सपा माफिया व अपराधियों को पालने का प्रोडक्शन हाउस बन गया है। हर दुर्दांत अपराधी माफिया, दुष्कर्मी पैदा जिस प्रोडक्शन हाउस से पैदा होते हैं, उसके सीईओ अखिलेश यादव व ट्रेनर शिवपाल यादव हैं। प्रदेश का हर बड़ा अपराधी, माफिया व दंगाई सपा के इसी प्रोडक्शन हाउस का हिस्सा होगा। सपा माफिया का प्रोडक्शन हाउस बनकर जनता को तबाह कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कटेहरी, मझवा व फूलपुर उप-चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के लिए रविवार को जनसभा की। उन्होंने कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवा से सुचिस्मिता मौर्य व फूलपुर से दीपक पटेल को जिताने की अपील की। सीएम ने कहा कि अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, खान मुबारक सपा के प्रोडक्शन हाउस की उपज थे। यह लोग अपराध के लिए साथ बिजनेस करते थे। गाजीपुर में भाजपा विधायक कृष्णानंद राय, रमेश पटेल, रमेश यादव समेत सात लोग की निर्मम हत्या हुई थी। माफिया ने इन्हें भून डाला था। तब सपा सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन माफिया के मरने पर सपा मुखिया वहां फातिहा पढ़ने चले गए। सपा सरकार में अतीक अहमद के गुंडों ने प्रयागराज में बसपा विधायक राजू पाल की निर्मम हत्या कर दी। जब डबल इंजन सरकार आई, इस परिवार को न्याय तब मिला। डबल इंजन सरकार ने जब अपना वास्तविक रूप दिखाया तो इनका रामनाम सत्य होने में देर न लगी।

कटेहरी में सीएम योगी ने कहा कि एक साल पहले भाजपा 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में वल्लभ भाई पटेल की जयंती मना रही थी तो सपा और उसके मुखिया भारत के विभाजन के जिम्मेदार जिन्ना की जयंती मना रहे थे। इन्हें जिन्ना प्यारा है, क्योंकि उसने भारत का विभाजन कराया था। अनुसूचित जाति-जनजाति पर सर्वाधिक अत्याचार सपा शासन के दौरान हुआ। 2015-16 में इन लोगों ने अनुसूचित जाति-जनजाति के बच्चों की छात्रवृत्ति रोक दी थी, उसे भी हमने शुरू कराया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस व सपा का इंडी गठबंधन देश व समाज के लिए खतरनाक है, इसलिए हरियाणा में जनता ने उन्हें नहीं आने दिया और पीएम मोदी के आह्वान पर दो तिहाई से अधिक सीट देकर भाजपा की हैट्रिक लगाई। सीएम ने कहा कि वहां के लोग समझ गए कि बंटे थे तो कटे थे, इसलिए अयोध्या में 500 वर्ष तक इंतजार करना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ लोग सपा का प्रत्याशी बनकर कटेहरी को परिवारवाद का गढ़ बना देना चाहते हैं। जब रामलला विराजमान हो रहे थे तो यह लोग विरोध कर रहे थे। हर गरीब की श्रद्धा का केंद्र शिवबाबा धाम व श्रवण क्षेत्र के विकास के लिए इन्होंने कुछ नहीं किया, लेकिन भाजपा की डबल इंजन सरकार ने राम मंदिर निर्माण के साथ ही इन दोनों धाम का सुंदरीकरण कराया। सीएम ने अपील की कि अंबेडकरनगर के मेडिकल कॉलेज को तबाह करने के जिम्मेदार बैरियर को हटाइए।

सीएम योगी ने कहा कि यह क्षेत्र प्रखर समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की पावन भूमि है। एक समय जयप्रकाश नारायण, डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव, चंद्रशेखर, जनेश्वर मिश्र, मोहन सिंह जैसे लोग समाजवादी आंदोलन को नेतृत्व दे रहे थे। इस आंदोलन को आदर्श आंदोलन माना जाता था। लेकिन आज देख सपाई, बिटिया घबराई। अयोध्या में सपा नेता मोइद खान जैसे दुष्कर्मी को जेल भेजा गया तो सपा अंतिम समय तक उसे बचाकर क्लीन चिट दे रही थी। कन्नौज, लखनऊ व हरदोई में भी यही हुआ। लखनऊ में बारिश के दौरान एक बेटी मोटरसाइकिल से परिवार के साथ जा रही थी। एक सपाई के द्वारा उसे मोटरसाइकिल से गिरा दिया गया। जब हम लोगों ने आरोपी को जेल में डाला तो सपाई थाने घेर रहे थे, लेकिन पुलिस का डंडा था तो सपाई भाग गए। सीएम ने चेतावनी दी कि बेटियों की इज्जत से खेलोगे तो जहन्नुम पहुंचा देंगे।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा है तो महापुरुषों का सम्मान होता है। मोदी जी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के पंच तीर्थ का भी निर्माण कराया तो दुनिया में सरदार वल्लभ भाई पटेल की सबसे बड़ी प्रतिमा भी गुजरात में बनवाई। इन महापुरुषों को भारत रत्न तब मिला, जब भाजपा सरकार को समर्थन कर रही थी। महाराज सुहेलदेव ने आक्रांता सालार मसूद गाजी को मारकर वह हाल किया कि कोई विदेशी आक्रांता 150 वर्ष तक भारत पर हमले का दुस्साहस नहीं कर पाया था। उन्होंने हिंदू राजाओं की ताकत को एकजुट किया। मथुरा से लेकर बहराइच व नेपाल की सीमा के अंदर तक सुरक्षा का ऐसा जाल बनाया कि एक बार सालार समूद घुसा तो उसकी कब्र ही खोदी गई। हमने बहराइच में महाराजा सुहेलदेव का भव्य स्मारक बनाया। सपा को भय है कि वह सम्मान देगी तो मुस्लिम वोट न खिसक जाए।

सीएम योगी ने कहा कि विंध्य क्षेत्र कभी यह क्षेत्र खनन व भूमाफिया के लिए जाना जाता था। आज मिर्जापुर के पास मेडिकल कॉलेज, मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मां विंध्यवासिनी का भव्य कॉरिडोर है। पीएम मोदी इंटरनेशनल सोलर अलायंस के लिए फ्रांस के प्रधानमंत्री को लेकर यहां आए और सोलर के सबसे बड़े प्लांट का उद्घाटन किया था। सीएम ने कहा कि खटाखट के नाम पर सपा व कांग्रेस के झूठे इंडी गठबंधन से किसी को एक लाख रुपए नहीं मिला। कांग्रेस व सपा वालों से पूछना चाहिए कि यह पैसा कहां गया। चार-चार बार मुख्यमंत्री होने के बावजूद सपा ने मिर्जापुर में विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, हर घर नल और मां विंध्यवासिनी धाम को कॉरिडोर के रूप में नहीं बदला। इन्हें परिवार का विकास चाहिए, प्रदेश का नहीं।

सीएम योगी ने कहा कि 2025 में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में महाकुंभ होने जा रहा है। जिसे पीएम मोदी ने यूनेस्को की सूची में लेकर मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दिलाई है। उन्होंने कहा कि आज पैसा विकास में लगता है, लेकिन साढ़े सात साल पहले पैसा सैफई घराने और उनके कारिंदों के पास जाता था। सीएम ने आश्वस्त किया कि कछार क्षेत्र में हजारों बीघा जमीन जलमग्न होती थी, लेकिन अब इसका स्थायी समाधान भी होगा। सरकार का मतलब समाधान होता है, समस्या नहीं। जो सरकार गरीब, किसान व युवा की आवाज न सुनती हो, उसे डूब मरना चाहिए। कुंभ 2007 और 2013 में भी हुए थे, उस समय की अराजकता और दुर्व्यवस्था किसी से छिपी नहीं थी।

2019 कुंभ की भव्यता-दिव्यता, सुरक्षा, स्वच्छता व सुव्यवस्था का मानक गढ़ा गया था। हमारी टीम के हिस्से सभी जनप्रतिनिधियों ने प्रयागराज कुंभ को सफल बनाने में पूरी ताकत लगाई थी।

सीएम ने शहीदों-जवानों के लिए सरकार द्वारा किए जाने वाले कार्यों को गिनाया। चुनाव की तिथि परिवर्तित किए जाने पर भी सीएम ने सपा को घेरा। बोले कि सपा राम मंदिर, गंगा स्नान, हिंदू और राष्ट्रीय अस्मिता के साथ खिलवाड़ करती है। हाल में जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने धारा-370 फिर से बहाल करने का प्रस्ताव पारित किया है। मोदी जी के नेतृत्व में नया भारत इसे स्वीकार नहीं करेगा। एक देश में एक प्रधान, एक विधान, एक निशान चलेगा।

यूपी में ईवी चार्जिंग स्टेशनों का जाल बिछाएगी यूपी सरकार

लखनऊ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार राज्य में पर्यावरण के अनुकूल और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उपयोग को प्रोत्साहित करने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश नवीकरणीय और ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (यूप-ीआरईवी) की स्थापना की है। इसके तहत योगी सरकार प्रदेश में ईवी चार्जिंग स्टेशनों का जाल बिछाने जा रही है। यह पहल राज्य को एक हरित और ऊर्जा-कुशल भविष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

योगी सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग स्टेशनों के विकास के लिए व्यापक योजना बनाई है। यूपीआरईवी के तहत, राज्य के प्रमुख शहरों, राष्ट्रीय-राज्य राजमार्गों और शहरी क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की जाएगी।

इसके लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल का उपयोग किया जाएगा, जिससे निजी निवेश को आकर्षित करने में मदद मिलेगी और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में तेजी आएगी। सरकार ने अन्य सरकारी विभागों के साथ मिलकर राज्य की भूमि को चार्जिंग स्टेशनों के लिए राइट टू यूज के आधार पर उपयोग करने की अनुमति दी है। इस पहल से राज्य के डिस्कॉम कार्यालयों, सब स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर ईवी चार्जिंग पॉइंट्स स्थापित किए जा रहे हैं।

योगी सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग के लिए बिजली दरों में भी संशोधन किया है। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (यूपीईआरसी) के नए आदेश के अनुसार, अब सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए टैरिफ को औसत लागत से भी कम रखा गया है। इससे इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को किफायती दरों पर चार्जिंग की सुविधा मिलेगी, जिससे ईवी को अपनाने में तेजी आएगी। सरकार का लक्ष्य है कि ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए बेहतर दरें निर्धारित की जाएं ताकि परिवहन क्षेत्र में हरित ऊर्जा का अधिक उपयोग हो सके। इस कदम से राज्य में ईवी उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ योगी सरकार का उद्देश्य न केवल पर्यावरण को सुरक्षित रखना है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित करना है। चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों, इंजीनियरों और स्थानीय लोगों को काम पर लगाया जा रहा है। इससे राज्य के युवाओं को रोजगार मिलेगा और आर्थिक विकास को भी बल मिलेगा। इसके अलावा, यूपीईआरवी के माध्यम से योगी सरकार केंद्र सरकार के साथ मिलकर प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के तहत 2000 करोड़ रुपए की सब्सिडी का लाभ उठाने की योजना बना रही है, जिससे और अधिक चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की जा सके।

योगी सरकार की यह पहल न केवल राज्य के पर्यावरण को बेहतर बनाने में सहायक होगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को ईवी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करके राज्य न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम करेगा, बल्कि परिवहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भी बढ़ाएगा।

इस तरह की योजनाओं से यह स्पष्ट है कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आने वाले वर्षों में यह पहल राज्य को स्वच्छ, हरित और अधिक उन्नत बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

किसानों को लहसुन की खेती के लिए प्रोत्साहित कर रही यूपी सरकार

एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत बनी विशेष योजना

लखनऊ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में लहसुन की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत विशेष योजना बनाई है। यह मिशन भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। इसे प्रदेश के 45 जनपदों में लागू किया जा रहा है। यह जनपद सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बुलन्दशहर, गाजियाबाद, बरेली, मुरादाबाद, आगरा, मथुरा, मैनपुरी, हाथरस, कानपुर, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, उन्नाव, सीता-पुर, रायबरेली, बाराबंकी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बलिया, कुशीनगर, महराजगंज, बांदा, हमीरपुर, जालौन, चित्रकूट, महोबा, ललितपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही, गोरखपुर, झांसी, अयोध्या एवं फर्रूखाबाद हैं। इस मिशन के अंतर्गत केन्द्रांश 60 प्रतिशत तथा राज्यांश 40 प्रतिशत निर्धारित किया गया है।

योजना के तहत प्रदेश में उद्यान विभाग द्वारा प्रति हेक्टेयर 30 हजार रुपए की अनुमन्य इकाई लागत तय की गई है। इसमें किसानों को प्रति हेक्टेयर 40 प्रतिशत (अधिकतम 12 हजार रुपए) अनुदान दिया जाएगा। यह अनुदान प्रति किसान न्यूनतम 0.2 हेक्टेयर से अधिकतम 4.0 हेक्टेयर तक की भूमि पर उपलब्ध होगा।

लहसुन का बीज राष्ट्रीय बागव-ानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। बीज की कीमत 370 से 390 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच रखी गई है। किसान इस योजना का लाभ प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर प्राप्त कर सकते हैं।

उपचुनाव से पहले बसपा के तीन पदाधिकारी निष्कासित

मेरठ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। विधानसभा उपचुनाव प्रचार के दौरान बहुजन समाज पार्टी में उठापटक शुरू हो गई है। पार्टी हाईकमान ने अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी कार्य करने के आरोप में मेरठ मंडल के प्रभारी प्रशांत गौतम, जिला प्रभारी दिनेश काजीपुर और महावीर प्रधान को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इससे पहले भी तीनों पर कार्रवाई की जा चुकी है। इनके अलावा पश्चिम उप्र के तीन बड़े नेता भी पार्टी हाईकमान के रडार पर हैं। वहीं, प्रशांत गौतम का कहना है कि तीनों को पार्टी राष्ट्रीय महासचिव मुनकाद अली के बेटे की शादी में जाने पर पार्टी से निकाला गया है। यूपी की नौ विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को उपचुनाव होना है। बसपा ने उपचुनाव में इन सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर ने भी उपचुनाव में प्रत्याशी उतारे हैं। बसपा के कोर वोट बैंक माने जाने वाले दलित समाज में आसपा ने

भी सेंध लगानी शुरू कर दी है। बसपा के वोट बैंक को भाजपा, सपा ही नहीं बल्कि आसपा भी प्रभावित कर रही है। बसपा अपना कोर वोट बैंक बचाने का पूरा प्रयास कर रही है। ऐसी स्थिति में हाईकमान ने मीरापुर, गाजियाबाद समेत सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव प्रचार के लिए पार्टी के मंडल कोऑर्डिनेटर, जिला प्रभारी, जिलाध्यक्षों को लगाया हुआ है। पार्टी मुखिया सभी प्रत्याशी और पदाधिकारियों की गतिविधियों की निगरानी कर रही हैं। प्रतिदिन सभी की कार्यप्रणाली की रिपोर्ट ली जा रही है। कौन पदाधिकारी विधानसभा उपचुनाव में कितना कार्य कर रहा है। कहीं वह चुनाव प्रचार के बजाय, पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल तो नहीं है। इसकी पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। बसपा के जिलाध्यक्ष मोहित जाटव का कहना है कि हाईकमान के निर्देश पर पार्टी से निकाले गए तीनों पदाधिकारियों को अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर कई बार चेतावनी दी गई। इनकी कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ। इस कारण तीनों को पार्टी हित में निष्कासित किया गया है। प्रशांत गौतम का कहना है कि बसपा हाईकमान के पीए मेवालाल गौतम ने फोन कर हमें राष्ट्रीय महासचिव मुनकाद अली के बेटे की शादी समारोह में न जाने के निर्देश दिए थे। जिसकी ऑडियो हमारे पास है। मुनकाद अली से हमारे रिश्ते पार्टी से नहीं, बल्कि पारिवारिक हैं। इसलिए हम बृहस्पतिवार को शादी समारोह में शामिल हुए थे। जबकि समारोह में मुजफ्फरनगर से कोई समाजव-ादी पार्टी का कार्यकर्ता, पूर्व सांसद कादिर राणा, उनकी पुत्रवधू मोरना सपा प्रत्याशी सुम्बुल राणा (मुनकाद अली की बेटी) भी नहीं पहुंचीं थीं।

बेसिक और जूनियर हाई स्कूल के बच्चों को दिया जाएगा पौष्टिक भोजन

लखनऊ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार द्वारा प्रदेश के बेसिक और जूनियर हाई स्कूल के बच्चों के समग्र विकास के लिए पौष्टिक भोजन के साथ पौष्टिक स्नैक्स उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। यह पौष्टिक स्नैक्स बच्चों को विशेष साप्ताहिक पोषण कार्यक्रम के तहत दिये जाएंगे। इसमें मूंगफली की चिक्की, बाजरे के लड्डू और भुना चना आदि शामिल है। योगी सरकार ने मध्याह्न भोजन योजना को और अधिक प्रभावी संग लाभकारी बनाने के लिए पहल की है। यह पहल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को नवंबर से बेसिक और जूनियर हाई स्कूल के बच्चों को विशेष साप्ताहिक पोषण कार्यक्रम के तहत हर गुरुवार को पौष्टिक स्नैक्स उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पीएम पोषण योजना के तहत कक्षा 1 से 8 तक के 1.74 करोड़ छात्रों को पौष्टिक भोजन प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से बच्चों को हर दिन 100 से 150 ग्राम अनाज दिया जा रहा है।

इसी क्रम में उन्होंने बच्चों के पोषण को ध्यान में रखते हुए चक्की के लड्डू, बाजरे के लड्डू, मूंगफली की चिक्की, भुना चना जैसे खाद्य पदार्थ भी योजना में शामिल करने के निर्देश दिये हैं।

इसके लिए योगी सरकार करीब 95 करोड़ रुपए खर्च करेगी। छात्रों को पौष्टिक स्नैक्स का लाभ देने के लिए प्रदेश भर में 3.72 लाख रसोइयों को नियुक्त किया गया है। इन्हे प्रत्येक माह 2000 रुपए का मानदेय और साल में एक बार यूनिफॉर्म के लिए 500 रुपए की सुविधा दी जा रही है।

इसके अलावा रसोइयों को नियमित प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि वे बच्चों के लिए पोषण युक्त और स्वादिष्ट भोजन तैयार कर सकें। यह कदम योजना की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने और रसोइयों को बेहतर सेवाएं देने के लिए उठाया गया है।

बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने योजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए डिजिटल निगरानी और सोशल ऑडिट करने के निर्देश दिये हैं।

इससे खाद्यान्न की आपूर्ति और उपयोग की सही जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही योजना के निष्प-क्षता और प्रभावशीलता को सुनिश्चित किया जा सकेगा। बता दें कि वर्तमान में जिलों में नियमित निरीक्षणों के माध्यम से योजना की गुणवत्ता पर नजर रखी जा रही है, लेकिन यह काफी नहीं है। ऐसे में डिजिटल निगरानी और सोशल ऑडिट का निर्णय लिया गया है।

देव दीपावली पर गोबर से बने दीपों से दमकेंगे काशी के घाट

वाराणसी, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत की है। इन प्रयासों से न केवल महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है, बल्कि उनके आत्मसम्मान में भी वृद्धि हो रही है। खासकर वार-ाणसी जिले में देव दीपावली के मौके पर गाय के गोबर से बने दीपों का निर्माण कर रही महिलाओं की सफलता इस बात का गवाह है कि कैसे योगी सरकार ने उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत किया है।

देव दीपावली के मौके पर, वाराणसी के घाटों पर लाखों दीप जलाने की तैयारी हो रही है। खास बात यह है कि इन दीपों का निर्माण गाय के गोबर से किया जा रहा है और यह कार्य स्वयं सहायता समूह की महिलाएं कर रही हैं। 7 स्वयं सहायता समूहों की 25 परिवारों की महिलाएं इस कार्य में जुटी हुई हैं और उनका लक्ष्य 30,000 गोबर से बने दीप तैयार करना है। पहले जहां देव दीपावली पर महिलाएं मुश्किल से 400-500 रुपए कमाती थीं, अब उन्हें इस कार्य के लिए लगभग 4,000 से 5,000 रुपए की आय हो रही है।

स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं अब घर-घर जाकर दीपों की बिक्री नहीं करतीं, बल्कि उन्हें पहले से ही बड़े पैमाने पर आर्डर मिलने लगे हैं। ग्राम अहरक की राधिका ने बताया कि पहले उन्हें दीपों को बेचने के लिए घर-घर जाना पड़ता था, लेकिन अब योगी सरकार के प्रयासों से उन्हें पहले से ही आर्डर मिल जाते हैं, जिससे उनकी आय में जबरदस्त वृद्धि हुई है। महिलाएं अब आत्मनिर्भर बनी हैं और अपने पैरों पर खड़ी हैं, जिसका सीधा लाभ उनके परिवारों को मिल रहा है।

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को रोजगार और सशक्तिकरण के नए अवसर प्रदान किए हैं। इस मिशन से जुड़ी महिलाएं गाय के गोबर से बने दीपों का निर्माण कर रही हैं, और इन दीपों की बिक्री से उनकी आय में वृद्धि हो रही है। इसके अलावा, सरकार ने महिलाओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए गाय के गोबर का उपयोग करके उन्हें एक स्वच्छ और पर्यावरण फ्रेंडली रोजगार का अवसर दिया है।

संपादकीय

हरियाणा की विफलता

अतीत में भी हरियाणा का लिंग अनुपात असंतुलन राज्य के लिये असहज करने वाली स्थिति ही रही है। कालांतर सरकार के प्रयासों व जन जागरूकता के चलते स्थिति में कुछ सुधार आया था। लेकिन एक बार फिर परेशान करने वाली हकीकत सामने आई है। दरअसल, वर्ष 2023 की तुलना में इस साल के दस महीनों की अवधि यानी जनवरी से अक्तूबर के बीच जन्म के समय लिंग अनुपात में ग्यारह अंकों की गिरावट दर्ज की गई है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि जिस राज्य को लगभग एक दशक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रमुख रूप से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू करने के लिये चुना, वहां जन्म के समय लिंग अनुपात में फिर गिरावट दर्ज की गई है। लंबे समय से लिंग असंतुलन से जूझ रहे इस राज्य को एक बार फिर चिंताजनक स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में जब इस साल के सिर्फ दो महीने की बाकी हैं, स्थिति में अधिक बदलाव की उम्मीद करना बेमाने ही होगा। जैसे कि हालात हैं इतने कम समय में बड़ा बदलाव संभव नहीं है। तो इसे पिछले आठ वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट के रूप में देखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि हरियाणा में जन्म के समय का लिंगानुपात वर्ष 2015 में 876 से बढ़ने पर आशातीत परिवर्तन की शुरूआत हुई थी। इसी साल 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत भी की गई थी। कालांतर सरकारी प्रयास और जन भागीदारी से इस दिशा में आशातीत परिणाम सामने आए। जिसके चलते वर्ष 2019 में लिंगानुपात 923 के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक जा पहुंचा था। लेकिन हाल के वर्षों में इसमें फिर गिरावट देखी जा रही है। जो तंत्र को आत्ममंथन को बाध्य करती है कि इस गिरावट के तात्कालिक कारण क्या हो सकते हैं। यह भी एक हकीकत है कि सकारात्मक बदलाव सिर्फ सरकारी प्रयासों से ही संभव नहीं। इसके लिये समाज में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाना नितांत जरूरी हो गया है। यह भी एक हकीकत है कि हरियाणा में लिंग अनुपात में आई गिरावट कहीं न कहीं सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता की ओर इशारा करती है। ऐसे कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिये जरूरी है कि बालिकाओं के जन्म को लेकर समाज में प्रगति की सोच विकसित की जाए। जिसका मकसद हो कि समाज में बालिकाओं के जन्म और अधिकारों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन लाया जाए। लोग बेटियों को लेकर किसी तरह की असुरक्षा महसूस न करें। मौजूदा स्थितियों को देखकत तो ऐसा लगता है कि हमारा तंत्र कन्या भ्रूण हत्या संकट खत्म करने के लक्ष्यों से अभी भी काफी दूर है। वहीं दूसरी ओर लिंग निर्धारण परीक्षणों में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों की संख्या में इस साल आई चिंताजनक गिरावट कानून प्रवर्तन और स्वास्थ्य एजेंसियों की कार्यशैली पर एक सवालिया निशान भी है। निस्संदेह, भ्रूण हत्या जैसे कृत्य करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने से किसी भी स्तर पर चूक नहीं की जानी चाहिए। एक और बड़ी चुनौती समाज में गहरी जड़ें जमा चुकी पितृसत्तात्मक मानसिकता को बदलने की भी है। इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि लिंगानुपात में विषमता उस राज्य के लिये शर्मिंदगी की ही बात है, जिसकी तमाम महिला खिलाड़ी, विशेष रूप से महिला पहलवान, महिला निशानेबाज और महिला मुक्केबाज अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में धूम मचा रही हैं। ऐसे वक्त में जब हाल ही में डबल इंजन सरकार को राज्य के लोगों ने लगातार तीसरी बार सकारात्मक परिवर्तन के लिये चुना है, उसका भी दायित्व बनता है कि तंत्र की कारगुजारियां समाज में बदलाव की वाहक बनें। इन हालात में हरियाणा को हमेशा लैंगिक समता के क्षेत्र में पिछड़ने के बजाय बेटियों का जश्न मनाने में अग्रणी रहना चाहिए। तभी हम एक ऐसे समाज की स्थापना करने में सक्षम हो सकते हैं जहां बेटे व बेटी में किसी भी स्तर का भेदभाव न हो। जन जागरण इसमें रचनात्मक भूमिका का निर्वाह कर सकता है।

कालांतर सरकार के प्रयासों व जन जागरूकता के चलते स्थिति में कुछ सुधार आया था। लेकिन एक बार फिर परेशान करने वाली हकीकत सामने आई है। दरअसल, वर्ष 2023 की तुलना में इस साल के दस महीनों की अवधि यानी जनवरी से अक्तूबर के बीच जन्म के समय लिंग अनुपात में ग्यारह अंकों की गिरावट दर्ज की गई है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि जिस राज्य को लगभग एक दशक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रमुख रूप से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू करने के लिये चुना, वहां जन्म के समय लिंग अनुपात में फिर गिरावट दर्ज की गई है। लंबे समय से लिंग असंतुलन से जूझ रहे इस राज्य को एक बार फिर चिंताजनक स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में जब इस साल के सिर्फ दो महीने की बाकी हैं, स्थिति में अधिक बदलाव की उम्मीद करना बेमाने ही होगा। जैसे कि हालात हैं इतने कम समय में बड़ा बदलाव संभव नहीं है। तो इसे पिछले आठ वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट के रूप में देखा जाएगा।

भारत के लिए व्यावसायिक रूप से चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद रणनीतिक रूप से फायदेमंद है

ट्रंप की जीत के भारत के लिए मायने

डॉ. सत्यवान सौरभ

ट्रम्प की जीत भारत के लिए व्यावसायिक रूप से चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। ट्रम्प की उल्लेखनीय वापसी के वास्तविक महत्त्व को समझने के लिए, हमें भावनाओं से आगे बढ़कर निहितार्थों की ओर बढ़ना होगा। अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों में सिर्फ़ इतना ही काफ़ी नहीं होता। निजी रिश्तों के साथ ही साथ दोनों देशों के आपसी हितों का तालमेल या टकराव नीतियों की दिशा तय करता है। इस लिहाज से ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए कैसा रहेगा, यह तो उनके जनवरी में कार्यभार संभालने के बाद ही पता चलेगा। ट्रम्प को अब चीन या बहुपक्षवाद की तुलना में उनके उद्देश्यों के लिए अधिक गंभीर बाधा के रूप में फिर से स्थापित किया गया है। डीप स्टेट के लिए बदतर यह है कि इस बात की पूरी संभावना है कि यूक्रेन और गाजा में चल रहे दोनों युद्ध या तो संप्रभु बहुपक्षीय समन्वय द्वारा समाप्त कर दिए जाएंगे, या, उन्हें सामान्य रूप से व्यवसाय की वापसी सुनिश्चित करने के लिए कालीन के नीचे दबा दिया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान डेमोक्रेट तुलसी गबार्ड ने डेमोक्रेट के बीच कहर बरपाया है और लिज़ चेनी जैसे सच्चे रिपब्लिकन राजघराने ने डेमोक्रेट के लिए खुलकर प्रचार किया है। पहली नज़र में यह भ्रामक लग सकता है, यहाँ तक कि अजीब भी, लेकिन ऐसा तब होता है जब राजनीतिक विचारधारा उतनी ही तेज़ी से खरगोश के बिल में चली जाती है जितनी कि अमेरिका में। अगर पार्टियों को अब यह नहीं पता कि वे किस लिए खड़े हैं, तो कल्पना करें कि आम राजनेता, पार्टियों के कार्यकर्ता और मतदाता कितने भ्रमित होंगे? अमेरिका एक तरह से भारत की तरह है, जो इस सदी की शुरुआत में नई दिशा की तलाश में था; चीजों को हिलाने और एक नया रास्ता बनाने के लिए दो आम चुनाव, एक नीरस दशक और नरेंद्र मोदी के उग्र आगमन की ज़रूरत पड़ी। व्यवसायी ट्रम्प के लिए, खातों को संतुलित करना और व्यापार घाटे को कम करना एक स्वाभाविक कार्य है, जिसे वे 2016 से 2020 तक की तरह ही लगन से अपनाएंगे। ट्रम्प के पहले कार्यकाल की रणनीति से प्रेरणा लेते हुए, हम अमेरिका से चीन, भारत और यूरोप जैसे दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा बाजारों में तेल और गैस के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं। महामारी तक उन्होंने यही सफलतापूर्वक किया और विडंबना यह है कि जो बिडेन ने भी इसे दोहराने की

कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। पहले क्रम के प्रभाव अमेरिका के लिए अच्छे हैं क्योंकि अपस्ट्रीम हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में बढ़ी हुई गतिविधि का मतलब है अधिक नौकरियाँ, आर्थिक विकास, कम व्यापार घाटा और कम मुद्रास्फीति। तेल, विशेष रूप से 'शेल' तेल ने किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में अधिक योगदान दिया और ऐसा फिर से हो सकता है। दूसरा पहलू यह है कि ट्रम्प के भीतर की ओर देखने से भारत में कुछ नौकरियाँ ख़त्म हो सकती हैं और हम कुछ वीजा युद्ध देख सकते हैं। चीन और भारत को अमेरिकी कच्चे तेल की खरीद करने के लिए राजी करना कूटनीतिक मोर्चे पर एक ईमानदार समझौता है, जिसका सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए व्यापक रूप से मतलब होगा कि भारत और चीन को घरेलू मामलों में बहुत अधिक अमेरिकी हस्तक्षेप के बिना अपनी बढ़ती वैश्विक स्थिति को मज़बूत करने के लिए अकेला छोड़ दिया जाएगा। निश्चित रूप से, कुछ शोर-शराबा होगा। इसकी प्रतिक्रिया में, यह संभव है कि सऊदी अरब जैसे बड़े तेल और गैस निर्यातक बाज़ार हिस्सेदारी को बनाए रखने के लिए एकतरफा कीमतों में कटौती कर सकते हैं, जबकि अमेरिका कतर को निचोड़ने और ईरान को खेल से बाहर रखने के लिए अपने सभी शेष प्रभाव का उपयोग करता है। इस खेल की प्रगति का एक संकेतक यह है कि यह देखने के लिए प्रतीक्षा करें और देखें कि क्या भारत ईरान से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करता है या नहीं। यदि ऐसा होता है, तो वैश्विक गतिशीलता कैसे बदलेगी, इस पर सभी दांव बंद हो जाएंगे, क्योंकि इसका मतलब होगा कि अमेरिका ने बहुध्रुवीयता को नई वैश्विक वास्तविकता के रूप में स्वीकार कर लिया है। यूक्रेन और गाजा में चल रहे दो युद्धों पर अमेरिका की स्थिति में किसी तरह की वापसी होगी। दोनों युद्ध या तो बहुपक्षीय संप्रभुता के आदेश से समाप्त हो जाएंगे, या फिर सामान्य स्थिति में वापसी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें बेरहमी से दबा दिया जाएगा। अमेरिका और बाक़ी दुनिया के लिए जल्द से जल्द यह सामान्य हो जाना चाहिए, क्योंकि, हम भूल न जाएँ, महामारी के बाद एक रिकवरी वर्ष प्राप्त करने के बजाय, हमें दो बदसूरत छद्म युद्ध, बढ़ती मुद्रास्फीति और दुर्बल करने वाले व्यापार व्यवधान मिले, कुछ ऐसा जिससे भारत केवल इसलिए बच गया क्योंकि हमने रूस पर पश्चिम के प्रतिबंधों को चतुराई से दरकिनार कर दिया। अब आगे अमेरिकी चुनावी सुधारों पर अब गंभीरता से बहस शुरू होगी। व्यवस्था टूट चुकी है और इसे ठीक करने की ज़रूरत है। सुधार किस तरह की रूपरेखा अपनाएगा, यह केवल विस्तार का विषय है, लेकिन, सिद्धांत रूप में, इसकी आवश्यकता पर बातचीत शुरू होगी। यह एकमात्र तरीक़ा है जिससे अमेरिका सभ्यतागत पतन से बच सकता है जिसकी ओर वह वर्तमान में बढ़ रहा है और ट्रम्प यह जानते हैं। हालांकि, कड़े व्यापार रवैये के बावजूद ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के कार्यकाल में भारत पर अमेरिकी व्यापार सरप्लस की जांच और संभावित प्रतिबंध लगाने का दबाव रहेगा। इसके बावजूद, अमेरिका की 'चाइना प्लस वन' रणनीति भारत के लिए अवसर ला सकती है। 'चाइना प्लस वन' एक व्यापार रणनीति है, जिसमें कंपनियाँ चीन पर निर्भरता घटाने के लिए अन्य देशों, जैसे भारत में अपने संचालन को बढ़ा रही हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में चीन से आयातित सामान पर टैरिफ और मैन्युफैक्चरिंग को घरेलू स्तर पर लाने पर ज़ोर के चलते यह रणनीति तेजी से उभरी थी। इस बार भी ट्रंप की वापसी से यह रुख और मज़बूत हो सकता है, जिससे भारत जैसे देशों में निवेश और सप्लाई चेन विस्तार को बढ़ावा मिलेगा।

ट्रम्प की उल्लेखनीय वापसी के वास्तविक महत्त्व को समझने के लिए, हमें भावनाओं से आगे बढ़कर निहितार्थों की ओर बढ़ना होगा। अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों में सिर्फ़ इतना ही काफ़ी नहीं होता। निजी रिश्तों के साथ ही साथ दोनों देशों के आपसी हितों का तालमेल या टकराव नीतियों की दिशा तय करता है। इस लिहाज से ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए कैसा रहेगा, यह तो उनके जनवरी में कार्यभार संभालने के बाद ही पता चलेगा। ट्रम्प को अब चीन या बहुपक्षवाद की तुलना में उनके उद्देश्यों के लिए अधिक गंभीर बाधा के रूप में फिर से स्थापित किया गया है।

दृष्टि कोण

जनभागीदारी से ही सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

भारत एक विशाल देश है, जिसकी सांस्कृतिक विरासत भी उतनी ही अद्वितीय और विशाल है। हालांकि, यह विरासत प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम 1958 (2010 में संशोधित) के तहत कानूनन संरक्षित राष्ट्रीय और राज्य महत्व की कुछ चयनित इमारतों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें देश के प्राकृतिक संसाधन, कला, शिल्प और ज्ञान भी शामिल हैं, जो कानूनी रूप से असंरक्षित हैं। देश की प्रगति और शहरीकरण के कारण यह तेजी से नष्ट हो रही है, न कि प्राकृतिक आपदाओं या उम्र बढ़ने के कारण। इसलिए, इस सांस्कृतिक धरोहर को बचाने के लिए केवल सरकारी प्रयासों के बजाय लोगों की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। सर्वप्रथम, 'असुरक्षित' सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए लोगों का सहयोग आवश्यक है क्योंकि वे ही इसके वास्तविक उत्तराधिकारी और मालिक हैं। दूसरा, लोगों की भागीदारी से सांस्कृतिक विरासत उनके जीवन से जुड़ी रहती है और इसके उपयोग तथा सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों में एकीकृत होती है। तीसरा, यह रखरखाव और संरक्षण प्रयासों को लागत प्रभावी, किफायती और टिकाऊ बनती है। चौथा, यह भौगोलिक, सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक मतभेदों को देखते हुए विभिन्न ज्ञान स्रोतों को एकीकृत कर स्थानीय और प्रामाणिक शिल्प कौशल को प्रोत्साहित करता है। भारत की विशाल सांस्कृतिक विरासत, जो ऐतिहासिक और प्राकृतिक दृष्टि से अत्यधिक विविध है, को केवल ए.एम.एस.आर. अधिनियम, 1958 के तहत संरक्षित नहीं किया जा सकता। इस अधिनियम के तहत केवल 100 वर्ष या उससे पुरानी इमारतें और स्मारकीय स्थल संरक्षित किए जाते हैं, जिनमें से कई सरकारी स्वामित्व में हैं। हालांकि, संरक्षण की प्रक्रिया महंगी और सीमित है, और प्राकृतिक क्षय के अलावा अन्य दबावों के कारण देश की विशाल सांस्कृतिक धरोहर खतरे में है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों और स्थलों का संरक्षण करता है, जबकि राज्य पुरातत्व विभाग क्षेत्रीय महत्व के स्मारकों की देखभाल करता है। अन्य सांस्कृतिक धरोहरों को पुरावशेष और कला खजाना अधिनियम, 1972 के तहत विनियमित किया जाता है। हालांकि, इन प्रयासों का दायरा सीमित और महंगा है, इस स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता है। वर्ष 1972 के यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन के बाद, सांस्कृतिक विरासत की समझ में महत्वपूर्ण बदलाव आया। जिसमें महलों और स्मारकों के साथ-साथ आम घरों, दुकानों और दैनिक उपयोग की इमारतों को भी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा माना जाने लगा। ये संरचनाएं समुदायों की प्रचलित परंपराओं और जीवनशैली को दर्शाती हैं, और शहरी सड़कों, बाजारों तथा चौराहों के रूप में एक 'सांस्कृतिक परिदृश्य' भी बनाती हैं। सांस्कृतिक विरासत, चाहे वह आलीशान स्मारकों की तरह महत्वपूर्ण हो, फिर भी 'असुरक्षित' है और शहरीकरण, आधुनिकीकरण तथा विकास नीतियों के दबाव में लगातार खतरे में है। इसे संरक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान, मौजूदा नीतियों में संशोधन और स्थानीय सरकारों द्वारा 'विरासत नियमों' का निर्माण आवश्यक है। इसके अलावा, प्राचीन वास्तुकला या सांस्कृतिक विशेषताओं के आधार पर इमारतों और स्थलों की सूची तैयार करना और 'विरासत यात्रा' जैसे प्रयासों को बढ़ावा देना भी महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। विरासती इमारतों, स्थानों और कलाकृतियों की सूची 'असुरक्षित' सांस्कृतिक विरासत की पहचान, संरक्षण और वकालत के लिए एक महत्वपूर्ण डेटा संग्रह हो सकती है, जो अनुसंधान और राष्ट्रीय रजिस्टर का आधार बने। इन स्थलों को महत्व के अनुसार वर्गीकृत करना, राज्य और स्थानीय सरकारों द्वारा 'विरासत नियमों' के निर्माण में मददगार होगा। 'हेरिटेज वॉक' योजना से लोग सांस्कृतिक स्थलों से जुड़ सकते हैं, और विरासत पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है।

कुछ अलग

कनाडा में उपद्रव

यूं तो कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों की घटनाएं गाहे-बगाहे सामने आती रहती हैं। जिन्हें लेकर ट्रूडो सरकार मूक दर्शक बनी रहती है। लेकिन ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। अभिव्यक्ति व आस्था की आजादी की डींगें हांकने वाली ट्रूडो सरकार की, ब्रैम्पटन के मंदिर में हुई निंदनीय हिंसा से संवेदनशीलता से निबटने में अयोग्यता ही उजागर हुई है। लगातार खराब होते दोनों देशों के रिश्तों के बीच यह घटनाक्रम जस्टिन ट्रूडो सरकार की छवि पर दाग लगाता है। दरअसल, पिछले साल खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद ट्रूडो सरकार लगातार, भारत के साथ लापरवाही से रिश्ते खराब कर रही है। सतही तौर पर तो ट्रूडो ने ब्रैम्पटन के मंदिर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की निंदा की है। साथ ही कहा है कि उसके प्रत्येक कनाडाई नागरिक को स्वतंत्र तरीके और सुरक्षित रूप से अपनी आस्था की अभिव्यक्ति व पालन का अधिकार है। लेकिन दूसरी ओर राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये पृथकतावादियों को खुली छूट दी जा रही है। ऐसे में उन्हें भारत विरोधी तत्वों को मनमानी करने देने के लिये स्थिति को स्पष्ट करना होगा। यह आरोप दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा कि कनाडाई पुलिस ने हिंदू भक्तों को निशाना बनाया और खालिस्तान समर्थकों को बचाने की कोशिश की। निश्चित तौर पर ट्रूडो सरकार के इशारे पर यह घटनाक्रम सबसे बुरे दौर में पहुंचे भारत-कनाडा संबंधों के बीच आग में घी डालने जैसा कृत्य है। बहरहाल, यह तय है कि रह-रह कर सामने आ रही यह हिंदू-सिख संबंधों में तल्खी, भारत तथा कनाडा सरकारों के संबंधों में आ रही गिरावट से गहरे तक जुड़ती है। हाल के दिनों में कनाडा सरकार के मंत्रियों ने मर्यादा की सीमाएं लांघते हुए अनेक आक्षेप किये हैं। यहां तक कि कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने भारतीय गृह मंत्री पर आरोप लगाये कि उन्होंने कनाडा में भारत विरोधी अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये हिंसा व खुफिया जानकारी जुटाने के आदेश दिए। जैसा कि स्वाभाविक ही था इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप का भारत सरकार ने भी कड़ा प्रतिवाद किया है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। नई दिल्ली ने इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताकर नकार दिया है। आरोप है कि कनाडा सरकार खालिस्तान समर्थक कनाडाई नागरिकों को भारत सरकार के खिलाफ लड़ने के लिये उकसा रही है। इसके संरक्षण व उकसावे के चलते उनके भारत विरोधी प्रदर्शनों ने उन्हें भारतीय मूल के उन कनाडाई नागरिकों के साथ टकराव की राह पर ला खड़ा किया है, जो अपनी आस्तीन पर तिरंगा पहनते हैं। यह विडंबना ही है कि जो कनाडा गर्व के साथ अपने देश को अवसरों की शांतिप्रिय भूमि कहते हुए नहीं थकता है, उसे सांप्रदायिक सद्भाव और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा पैदा करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्ती से निबटने की जरूरत है। वास्तव में उपद्रव करने वाले तत्वों पर समय रहते नकेल कसने की जरूरत है, चाहे वे किसी भी समुदाय के हों। निश्चित रूप से जस्टिन ट्रूडो सरकार को वहां सक्रिय अलगाववादियों को भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिये कनाडाई क्षेत्र के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देनी चाहिए। निश्चित रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ट्रूडो सरकार द्वारा उपद्रवियों को संरक्षण देना उसकी राजनयिक और लोकतांत्रिक साख को कमजोर करने वाला कदम ही है। यह विडंबना ही है कि कानून का पालन करने वाले प्रवासी भारतीय सदस्यों की सुरक्षा और संरक्षा दांव पर है।

देश दुनिया से

डाना से स्पेन में हुई तबाही के सबक

क्या आपने डाना का नाम सुना है डाना का जलवायु परिवर्तन से क्या रिश्ता है। धरती के लगातार गर्म होने से बड़े पैमाने पर जो तबाही हो रही है उसका एक परिणाम है डाना। स्पेन ने इसकी विभीषिका को झेला। सैकड़ों जानें गई हैं, संपत्ति का भीषण नुकसान हुआ। भूमध्य सागर का एक सिस्टम है डाना। समुद्र के ऊपर की हवा गर्म है और उत्तर से ठंडी हवा आती है, जिससे चक्रवात सरीखा उठता है और आसपास के इलाके में भीषण तबाही फैलाता है। इसमें चूंकि जलवायु परिवर्तन की वजह से समुद्र के ऊपर की हवा जरूरत से ज्यादा गर्म हो जाती है, लिहाजा उत्तर से आने वाली ठंडी हवा पूरे इलाके में बड़ा डिस्टर्बेंस पैदा करती है। स्पेन इसी का शिकार हुआ। डाना की वजह से अचानक इतनी भीषण बारिश और बाढ़ आ गई—जिससे बचना किसी के बस में नहीं था। दुनिया के कई देश इसी तरह की चरम मौसमी घटनाओं को झेल चुके हैं। स्पेन में भीषण तबाही से जो डरावना मंजर देखने को मिला, उससे पूरा यूरोप सदमे में है। पलक झपकते जिस तरह से 200 से अधिक जानें काल के गाल में समा गईं, उसने जलवायु परिवर्तन से होने वाले खतरे की विभीषिका के बारे में सबको सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। पिछले एक दशक से जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनिया ने भीषण तबाही—कभी बाढ़, कभी सूखे, कभी प्रलयकारी चक्रवाती तूफानों को देखा है। इसके बाद जिस तरह से इराक में बाढ़ आई और सऊदी अरब में बर्फबारी हुई—उसने बता दिया है कि प्राकृतिक तबाही का यह सिलसिला अभी और बढ़ने जा रहा है। स्पेन के वेलेंसिया शहर में तीन घंटे के भीतर एक साल की बारिश हो गई। इसकी कल्पना बुरे से बुरे दुस्वप्न में भी कोई नहीं कर सकता था। विनाश आसमान से बारिश के रूप में आया—जिसने तुरंत ही सारी नदियों-नालों में उफान ला दिया और वे जीवन को बहा ले गए। इस तबाही का सीधा रिश्ता है जलवायु परिवर्तन यानी क्लाइमेट चेंज से। जलवायु परिवर्तन के लिए मनुष्य ही जिम्मेदार है। हम अपनी करतूतों से लगातार धरती का तापमान गरम कर रहे हैं और इसी के नतीजों के रूप में हमारे सामने स्पेन जैसी विभीषिका आ रही है। डाना कैसे बाकी जलवायु संबंधी गड़बड़ियों से अलग है, इसके बारे में यूनिवर्सिटी ऑफ एलिकांटे में क्लाइमेटोलॉजी के निदेशक डॉर्ज ऑलिसना का कहना है कि डाना में हवाएं हरिकेन (तूफान-चक्रवात) की तरह तेज नहीं होतीं, लेकिन तबाही उससे ज्यादा मचा सकती हैं क्योंकि इसमें भयानक तीव्रता के साथ बारिश होती है, जो कुछ ही घंटों में नदी-नाले-तालाब में उबाल ला देती है। फ्लैश फ्लड यानी अचानक आई बाढ़ से किसी को भी संभलने का मौका नहीं मिला। इंफ्रास्ट्रक्चर मिनटों में बैठ जाता है और बचाव के लिए समय नहीं मिलता। डाना का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है और ऐसा जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा है। भूमध्य सागर लगातार गर्म हो रहा है। अगस्त में यहां अब तक का सबसे अधिक तापमान रिकार्ड किया गया था। स्पेन की सरकार ने इसे यूरोप की दूसरी सबसे जानलेवा बाढ़ कहा है। इससे पहले 1967 में पुर्तगाल में भीषण बाढ़ आई थी, जिसमें 500 से अधिक लोग मारे गये थे। स्पेन में 1967 के बाद इस तरह की बाढ़ आई है। कम समय में पूरे साल भर की बारिश ने लोगों को बचाव का मौका ही नहीं दिया। स्थिति की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वेलेंसिया में तो पूरे साल भर की बारिश आधे दिन में ही हो गई। चीवा इलाके में आठ घंटे के अंदर ही 20 इंच की बारिश हुई। जलस्तर इतनी तेजी से बढ़ा कि तूरिया नदी में बाढ़ आ गई और पानी वेलेंसिया शहर में पूरे वेग के साथ घुस गया। इस बाढ़ में पुल नष्ट हो गए, लोग संपर्क से कट गए और भोजन, पानी या बिजली के बिना रह गए। हाहाकार मच गया। जो जहां था वहीं फंस गया। ऐसा लग रहा था कि शहर से ही नदी गुजर रही हो। सैकड़ों लोगों की जानें गई और संपत्ति तबाह हुई। कारों के तैरने और उसमें लोगों के फंसे होने का नजारा दिल-दहलाने वाला था। फंसे हुए लोग मदद की गुहार लगाते रहे, लेकिन पानी का वेग इतना तेज था कि कोई कुछ नहीं कर पाया। मदद के लिए सेना के जवानों को उतारा गया है। शांतिकाल में सेना को इतने बड़े ऑपरेशन में लगाना बहुत कम ही होता है। पूरी तरह से तबाह बर्बाद शहर को कीचड़-गंदगी-लाशों से मुक्त करने के लिए स्पेन के इतिहास का सबसे बड़ा पीसटाइम मिलिट्री ऑपरेशन चलाया गया,

जिसमें 7500 सैनिकों को उतारा गया। बाढ़ से प्रभावित इलाक़ों में हज़ारों सुरक्षा और आपातकालीन सेवाकर्मी मृतकों की तलाश में मलबे और कीचड़ को हटाने में लगे। दुख की इस घड़ी में लोग एक-दूसरे के साथ खड़े नजर आए। पीड़ितों की मदद करने के लिए स्पेन के नागरिकों ने अभूतपूर्व मानवता का परिचय दिया। वे लाइनों में लग कर वेलेंसिया जाने और राहत सामग्री बांटने, सफाई करने के लिए मुस्तैद दिखाई दिये। ये तस्वीरें बेहद राहत देने वाली थी। वेलेंसिया शहर के संग्रहालय की इमारत में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक बाल्टियां, पोछा, भोजन और पानी लेने के लिए लाइन में खड़े थे। जितनी तेजी से स्पेन के नागरिकों ने खुद को मदद के लिए पेश किया वह भारत जैसे बाकी देशों के लिए सबक होना चाहिए। यहां वे सारे काम कर रहे थे—कचरा साफ करने से लेकर सड़कों-मकानों की मरम्मत तक। खाना-पानी लाइट का इंतजाम करने में भी स्पेन के नागरिक पीछे नहीं रहे। पहले ही दिन 15 हजार वॉलेंटियर तैनात हो गए थे। बड़ा सवाल यह है कि स्पेन के वेलेंसिया और उसके आसपास के इलाके को अचानक जिस तबाही ने बर्बाद किया, क्या उससे बचा जा सकता था। क्या यह इस शहर का, इस शहर में हुए निर्माण या विकास कार्यों का दोष था कि इतनी बड़ी तबाही का शिकार होना पड़ा। बिल्कुल भी नहीं। इस तबाही की वजह स्पेन और उसका शहर वेलेंसिया नहीं थे। धरती लगातार गर्म हो रही है और इसका नुकसान सबको उठाना ही पड़ रहा है। स्पेन के बाद साइप्रस, सऊदी अरब आदि जगहों पर ही मौसम की मार झेलनी पड़ी। असमय बारिश, बर्फबारी ने जीवन को तबाह करने में कोई कसर नही छोड़ी है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन की जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनदेखी हो रही है—वह खतरनाक है।

आप का नजरिया

एक बार फिर ट्रंप

अपनी दूसरी पारी के लिये डोनाल्ड ट्रंप फिर अमेरिका के राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। हालांकि, अमेरिका फर्स्ट को प्राथमिकता देने वाले ट्रंप की नीतियां व्यापार व आव्रजन के मुद्दे पर भारत के लिये परेशानियां खड़ी कर सकती हैं। वर्ष 2017 से 2021 के बीच राष्ट्रपति के रूप में उनकी पहली पारी के दौरान कई मोर्चों पर निबटने का अनुभव जरूर मोदी सरकार के पास है। गाहे-बगाहे मोदी ट्रंप को अपने दोस्त के रूप में संबोधित करते रहे हैं। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि हाल के दिनों में भारत के खिलाफ तल्ख रवैया अपनाने वाले बाइडन प्रशासन की नीतियों में ट्रंप आमूल-चूल परिवर्तन कर देंगे। सारी दुनिया जानती है कि अमेरिकी नीतियां अमेरिका पर शुरू होकर अमेरिका पर भी खत्म हो जाती हैं। अपने चुनाव अभियान में भी ट्रंप भारत की आर्थिक संरक्षण की नीतियों की आलोचना कर चुके हैं। अमेरिका फर्स्ट की नीतियों के पैरोकार ट्रंप विगत में अमेरिका से आयात होने वाली हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल पर टैरिफ घटाने को लेकर भारत के प्रति नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। मूल रूप से व्यवसायी से राजनेता बने ट्रंप ने पहले कार्यकाल के दौरान भी अमेरिकी उद्योगों को संरक्षण देने को अपनी प्राथमिकता बनाया था। ऐसे में संभव है कि वे अमेरिकी उत्पादों व सेवाओं के संरक्षण को लेकर भारत के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाएं। वे अपने कई उत्पादों पर अपनी सुविधा के अनुरूप टैरिफ बढ़ाने के लिये भारत पर दबाव बना सकते हैं। साथ ही आशंका है कि वे भारतीय निर्यात पर टैरिफ बढ़ाकर हमारे लिये आर्थिक मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। जिससे भारत द्वारा अमेरिका से किया जाने वाला आयात भी महंगा हो सकता है। फलतः भारतीय उपभोक्ताओं की मुश्किलें महंगाई वृद्धि से बढ़ सकती हैं। बहरहाल, ट्रंप की सफलता से अमेरिकी कारोबार जगत खासा उत्साहित है, जिसके चलते अमेरिकी शेयर बाजार खुशी से झूमा है। लेकिन इसके बावजूद हिंद प्रशांत में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका दोनों देशों के रक्षा संबंधों को मजबूती देगी। बहरहाल, यह एक हकीकत है कि ट्रंप एक बार फिर सत्ता में लौटे हैं और भारत तथा दुनिया को इस अप्रत्याशित चरित्र से निपटने के लिये तैयार रहना होगा। यह व्यक्ति एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताता है, वहीं भारत को अमेरिका के व्यापारिक हितों के विरुद्ध नीतियां बनाने वाला बताता है। यहां तक कि अपने चुनाव अभियान के दौरान भी ट्रंप अमेरिकी वस्तुओं पर भारी कर लगाने के लिये भारत की आलोचना कर चुके हैं। साथ ही अमेरिका को फिर से असाधारण रूप से संपन्न बनाने के लिये द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में 'जैसे को तैसा' की नीति अपनाने का आह्वान किया था। ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि रिपब्लिकन प्रशासन अमेरिका को भारत से होने वाले 75 अरब डॉलर से अधिक के निर्यात पर अधिक टैरिफ लगा सकता है। बहुत संभव है कि मोदी के मेक इन इंडिया अभियान तथा ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट नजरिये के साथ टकराव पैदा हो। अपने पहले कार्यकाल में एच-1बी वीजा में कटौती के प्रयास करने वाले ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में रोजगार आधारित आव्रजन पर प्रतिकूल असर हो सकता है।

बांग्लादेश : हसीना की पार्टी की छात्र इकाई के कार्यकर्ताओं का ढाका में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

ढाका, 10 नवंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के करीब तीन महीने बाद अवामी लीग की छात्र इकाई ने रविवार को राजधानी ढाका में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। हालांकि, मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने विरोध प्रदर्शन करने के खिलाफ अवामी लीग को सख्त चेतावनी जारी की है।

शनिवार को यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने अवामी लीग को फासिस्ट पार्टी बताते हुए कहा कि इसे बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी जाएगी। उनका कहना है कि शेख हसीना के आदेश पर रैलियां निकालने वालों के खिलाफ कानूनी एजेंसियां कठोर कार्रवाई करेंगी। अंतरिम सरकार देश में किसी भी हिंसा या कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने के प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी।

उल्लेखनीय है कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने पिछले महीने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग की छात्र इकाई स्टूडेंट लीग पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। दावा किया गया कि संगठन की गतिविधियां सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं। अंतरिम सरकार ने आवामी लीग को भी फासिस्ट बताते हुए उसपर प्रतिबंध लगाने की हिमायत की। सरकार के इस फैसले के खिलाफ आवामी लीग की छात्र इकाई ने ढाका में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

गौरतलब है कि इसी साल जून में बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में हुए कोटा सुधार आंदोलन के बाद बनाए गए सरकारी फैसले को पलटते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के लिए 30 प्रतिशत कोटा दोबारा बहाल कर दिया। इससे आम छात्रों में इस कदर नाराजगी फैली कि उसने हिंसक रूप ले लिया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि 5 अगस्त को देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ कर जाना पड़ा। उसके बाद से अवामी लीग के नेताओं व कार्यकर्ताओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। पार्टी के अधिकतर नेता या तो जेल में हैं या निर्वासन में।

न्यूज़ ब्रीफ

व्हाइट हाउस में 13 नवंबर को बाइडेन और ट्रंप की मुलाकात

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बुधवार को व्हाइट हाउस में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस की तरफ से शनिवार को दी गई जानकारी के मुताबिक 13 नवंबर को सुबह 11 बजे बाइडेन और ट्रम्प ओवल ऑफिस में मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब ट्रम्प की व्हाइट हाउस में वापसी होने तारीख नजदीक आ रही है। अमेरिका में 5 नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में ऐतिहासिक वापसी की। इस चुनाव में ट्रम्प ने अपनी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराया। इसके साथ ही वह अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति चुने गए। ट्रम्प की इस जबर्दस्त जीत के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने सत्ता के व्यवस्थित हस्तांतरण का वायदा करते हुए ट्रम्प को फोन कर उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी थी।

कतर ने गाजा संघर्ष में मिडिएटर की भूमिका से हटने का किया ऐलान हमास को दी चेतावनी

दुबई। गाजा में इजरायल के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, और इस बीच कतर का एक अहम ऐलान सामने आया है, जिसने इस संघर्ष को और जटिल बना दिया है। कतर ने घोषणा की है कि उसने गाजा में सीजफायर और इजरायली बंधकों की रिहाई के लिए चल रही बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका से हटने का फैसला लिया है। साथ ही, कतर ने हमास को चेतावनी दी है कि दोहा में स्थित उसका पॉलिटिकल ऑफिस अब अपने मकसद को पूरा नहीं करता। एक राजनयिक सूत्र ने इस जानकारी को शनिवार को एएफपी से साझा किया। कतर का यह कदम एक ओर जहां हमास और उसके समर्थक देशों के लिए बड़ा झटका है, वहीं यह इजरायल-गाजा संघर्ष की और भी लंबी खींचने की चिंता को बढ़ाता है। कतर के इस फैसले से यह भी सवाल उठ रहा है कि इजरायली नागरिकों, जो अब भी हमास के कब्जे में हैं, उनका भविष्य क्या होगा। सूत्रों के मुताबिक, कतर के अधिकारियों ने इजरायल और हमास दोनों को सूचित किया है कि जब तक दोनों पक्ष अच्छे विश्वास के साथ बातचीत करने के लिए तैयार नहीं होते, तब तक वह मध्यस्थता जारी नहीं रख सकते। कतर, संयुक्त राज्य अमेरिका और मिस्र के साथ मिलकर लंबे समय से बंधकों की रिहाई और संघर्षविराम की बातचीत में लगा हुआ था, लेकिन अब तक इन प्रयासों में कोई सफलता नहीं मिली थी। सूत्रों ने बताया कि कतर ने पहले ही अपनी इस स्थिति से इजरायल, हमास और अमेरिकी प्रशासन को अवगत करवा दिया है। कतर ने स्पष्ट किया कि वह तब तक मध्यस्थता नहीं करेगा जब तक दोनों पक्ष वार्ता की मेज पर वापस आने की सच्ची इच्छा नहीं दिखाते। पिछले एक साल से कतर इजरायल-हमास युद्ध में सीजफायर स्थापित करने की कोशिशों में एक प्रमुख खिलाड़ी बना हुआ था। इसका एक कारण यह भी है कि हमास के सीनियर सदस्य कतर में रहते हैं और इसलिए कतर की राजधानी दोहा में महत्वपूर्ण वार्ताएं होती रही हैं।

77 साल पुराना केक का टुकड़ा 2.36 लाख में बिका..., शाही परिवार से कनेक्शन

लंदन । इंग्लैंड की शाही परिवार से जुड़े ऐतिहासिक सामानों की नीलामी फिर चर्चा में आ गई है। इंग्लैंड की

महारानी क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय और प्रिंस फिलिप की शादी से जुड़ा केक का टुकड़ा स्कॉटलैंड में नीलाम हुआ और इस टुकड़े को 2.36 लाख (लगभग 2,800 डॉलर) में खरीदा गया। यह केक का टुकड़ा 1947 में हुई शाही शादी का हिस्सा था, जो करीब 77 साल पुराना है। ऐतिहासिक केक के बारे में बताया गया कि इस केक को 20 नवंबर 1947 को बकिंघम पैलेस में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय और प्रिंस फिलिप की शादी के मौके पर परोसा गया था। हालांकि, यह केक अब खाने के लायक नहीं है, लेकिन केक को बहुत सावधानी से एक सजावटी बॉक्स में रखा गया था, जो अब एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक वस्तु बन चुका है।

जनकपुरधाम में विवाह पंचमी की तैयारी, बारात में श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के शीर्ष पदाधिकारी होंगे शामिल

काठमांडू, 10 नवंबर (एजेंसियां) ।

इस वर्ष 06 दिसंबर को होने वाले विवाह पंचमी महोत्सव की तैयारी शुरू हो गई है। जनकपुरधाम के जानकी मंदिर में होने वाले विवाह महोत्सव में अयोध्या से बारात लाने का निमंत्रण देने के लिए जल्द ही अयोध्या में प्रदेश के मुख्यमंत्री के स्वयं जाने की तैयारी है।

जनकपुरधाम के जानकी मंदिर परिसर में विवाह पंचमी की तैयारी को लेकर सर्वपक्षीय बैठक बुलाई गई। इस बैठक में मधेश प्रदेश सरकार, जानकी मंदिर के महंथ, जिला प्रशासन, स्थानीय सुरक्षा अधिकारी, उद्योग व्यापार संघ, विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संघ संस्थाओं के प्रतिनिधि की उपस्थिति रही। इस बैठक में विवाह पंचमी को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए सभी के साथ समन्वय करने के लिए कई समितियों का गठन किया गया।

जानकी मंदिर के महंथ राम तपेश्वर दास ने बताया कि इस बार विवाह पंचमी में श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय महासचिव राजेंद्र पंकज, ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी सहित अयोध्या से करीब 500 की संख्या में बारात अयोध्या से जनकपुरधाम आने की सूचना मिली है। इसमें भारत के कई जाने माने संतों के आने की बात भी कही गई है। इनमें मनीराम छावनी के उत्तराधिकारी महंथ कमल नयन दास, ऋषिकेश के महंथ डा रामेश्वर दास, दिगम्बर अखाड़ा के महंथ प्रमुख हैं।

बारात आने से पहले जनकपुरधाम से जानकी मंदिर के महंथ तिलक चढ़ाने के लिए अयोध्या जाने वाले हैं। महंथ राम तपेश्वर दास ने कहा कि 16 नवंबर को अयोध्या में तिलक चढ़ाया जाएगा। तिलक लेकर जानकी मंदिर के उत्तराधिकारी महंथ राम रोशन दास अयोध्या जाएंगे जिनके साथ विश्व हिंदू परिषद नेपाल से जुड़े दर्जनों संत भी सहभागी होने वाले हैं। इस पूरे विवाह पंचमी कार्यक्रम में नेपाल सरकार, मधेश प्रदेश सरकार, जनकपुरधाम उप महानगरपालिका संयुक्त रूप से आयोजक है जबकि विश्व हिंदू परिषद नेपाल पूरे कार्यक्रम का समन्वय कर रहा है।

जनकपुर में आने वाले बारात को निमंत्रण देने के लिए मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री को भेजे जाने का निर्णय किया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री सतीश कुमार सिंह ने कहा कि बारात को निमंत्रण देने जाना मेरे लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने बताया कि भारतीय दूतावास से समन्वय कर एक दो दिनों में ही अयोध्या जाने की तारीख तय हो जाएगी।

अयोध्या के कारसेवकपुरम से 26 नवंबर को सुबह 8 बजे बारात जनकपुर के लिए प्रस्थान करेगी। बारात आने वाले मार्ग, रात्रि विश्राम का समय एवं वहां होने वाले अन्य कार्यक्रम भी तय कर लिए गए हैं। पहला दिन अयोध्या से चली बारात गोसाईकुंड, आंबेडकर नगर, बसखारी होते हुए आजमगढ़ में रात्रि विश्राम करेगी।इसी तरह दूसरे दिन मऊ, रसड़ा होते हुए बिहार के बक्सर में रात्रि विश्राम करेगी। तीसरे दिन बक्सर से आरा, बिहटा,दानापुर होते हुए रात्रि विश्राम पाटलिपुत्र में होने का कार्यक्रम तय है।

चौथे दिन हाजीपुर, वैशाली होते हुए कांटी के रात्रि विश्राम का कार्यक्रम है। पांचवे दिन यह बारात रूनी सैदपुर होते हुए सीतामढ़ी के पुनौराधाम में रात्रि विश्राम होने वाला है। छठे दिन बेनी पट्टी, बासोपट्टी होते हुए मधवापुर मटिहानी में रात्रि विश्राम होगा। आठवें दिन बारात मटिहानी से नेपाल में प्रवेश करते हुए जलेश्वर, पिपरा होते हुए मिथिला नगर की परिक्रमा कराई जाएगी। इसी दिन रात्रि विश्राम जनकपुरधाम में होगा। नौवे दिन जानकी मंदिर में तिलकोत्सव का कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। दसवें दिन जनकपुरधाम का भ्रमण और गंगासागर में पूजा तथा मटकोर का कार्यक्रम होगा।

ग्यारहवें दिन 6 दिसंबर को विवाह का मूल समारोह का आयोजन रंगभूमि में किया जाएगा जबकि रात्रिकालीन विवाह महोत्सव जानकी मंदिर के प्रांगण में किया जाएगा। बारहवें दिन राम कलेवा और बारात के सम्मान में भोज का कार्यक्रम होना तय हुआ है। तेरहवें दिन बारात की जनकपुरधाम से औपचारिक विदाई होगी।

यह बारात जनकपुर से बीरगंज में रात्रिविश्रम करने के पश्चात वहां से मोतिहारी, गोपालगंज, कुशीनगर, गोरखपुर होते हुए अयोध्या वापस पहुंचेगी।

चमगादड़ चट्टानों की संकरी दरारों या गुफाओं में करते हैं आराम

बर्नाबी(कनाडा), 10 नवंबर (एजेंसियां) ।

सिमोन फ्रेसर यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर कायली बायर्स का कहना है कि आने वाले कुछ महीनों में शाम के समय आसमान में केवल कुछ चमगादड़ ही घूमते दिखेंगे। यही वह समय होता है जब चमगादड़ों की कुछ प्रजातियां नजरों से ओझल हो जाती हैं। प्रोफेसर ने कहा, सर्दी के मौसम में वे चट्टानों की संकरी दरारों या गुफाओं में आराम करते हैं। अच्छी बात यह है कि चमगादड़ों का इस तरह गायब होना कुछ समय के लिए होता है। चमगादड़ स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। वे पर्यावरण में पोषक तत्वों के प्रसार और पौधों के परागण में मददगार साबित होते हैं। वे कीटों को भी खाते हैं, जिससे खेती में कीटनाशकों की आवश्यकता कम हो जाती है। हमारे पारिस्थितिक तंत्र को बहुत अधिक फायदा पहुंचाते हैं, चूंकि वे अंधेरे में अपनी गतिविधियां करते हैं, इसलिए हम उनकी तरफ से मिलने वाली मदद से अकसर अवगत नहीं होते। मौसमी तौर पर चमगादड़ों के गायब होने से ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि दशकों से उत्तरी अमेरिका में चमगादड़ों की आबादी में गिरावट देखी जा रही है। जंगलों की कटाई से उनका आश्रय स्थल घटना, शहरीकरण और कृषि भूमि के विस्तार से चमगादड़ों के लिए उपयुक्त जगह की कमी होती जा रही है। साथ ही फसलों पर कीटनाशकों के छिड़काव के कारण बड़ी संख्या में चमगादड़ों की मौत भी हो जाती है। हालांकि, चमगादड़ों की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होती, बल्कि फंगस और 'स्यूडोगाइमनोस्कस' के कारण 'व्हाइट नोज सिंड्रोम' फैलता है। इस घातक फंगस के कारण उत्तर अमेरिका में 60 लाख से अधिक चमगादड़ों की जान जा चुकी है।

पूर्वी कनाडा में 'व्हाइट नोज सिंड्रोम' विशेष रूप से विनाशकारी साबित हुआ है, जहां इसके कारण भूरे रंग के छोटे मायोटिस (मायोटिस ल्यूसिफुगस) और नॉर्दर्न मायोटिस (मायोटिस सेप्टेंट्रियोनालिस) की आबादी में 90 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। फंगस का प्रकोप पश्चिमी देशों में भी बढ़ रहा है, जहां जुलाई में सस्केचेवान में इसका पहला मामला सामने आया था।

'व्हाइट नोज सिंड्रोम' ब्रिटिश कोलंबिया में नहीं पाया गया है, लेकिन इसका खतरा मंडरा रहा है। कायली बायर्स का कहना है कि हमारी शोध टीम कनाडाई वन्यजीव स्वास्थ्य सहकारी विभाग की ब्रिटिश कोलंबिया इकाई में एक दशक से अधिक समय से वन्यजीव स्वास्थ्य पर काम कर रही है।

कनाडाः हिंदू मंदिर में हमला मामले में एक और आरोपित गिरफ्तार

ब्रैम्पटन, 10 नवंबर (एजेंसियां) ।

कनाडा के ब्रैम्पटन में पिछले दिनों एक हिंदू मंदिर में किए गए उपद्रव को लेकर पुलिस ने एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान खालिस्तान समर्थक इंद्रजीत गोसाल (35) के रूप में हुई है। हथियार से हमले के आरोपित इंद्रजीत गोसाल को 8 नवंबर को गिरफ्तार किया था। हालांकि उसे बाद में कुछ शर्तों पर रिहा कर दिया गया।

उसे बाद में ब्रैम्पटन में ओन्टारियो कोर्ट ऑफ जस्टिस में पेश होना है। कनाडा की पील पुलिस ने अपने बयान में कहा कि इस अपराध में शामिल और संदिग्धों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए घटना के करीब एक सौ वीडियो की जांच की जा रही है। इन वीडियो में लोग झंडे और डंडों का इस्तेमाल कर दूसरे लोगों पर हमला करते दिख रहे थे।उल्लेखनीय है कि 3 नवंबर को खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों ने ओंटारियो के ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र के ब्रैम्पटन शहर स्थित हिंदू सभा मंदिर में लोगों पर हमला कर दिया था।

ईरान ने साफ कर दिया- ट्रंप की हत्या की साजिश से उसका कोई लेना देना नहीं

तेहरान, 10 नवंबर (एजेंसियां) ।

हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव जीते डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश की खबरे आई थी। इसमें ईरान का भी नाम आया था। कहा जा रहा था कि ट्रंप की हत्या की साजिश में ईरान भी शामिल है। इस पर ईरान ने साफ कर दिया कि इससे उसका कोई लेना देना नहीं है। सभी खबरें निराधार हैं।

दावा किया गया था कि तेहरान ने डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रची थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इन खबरों को इजरायल की साजिश बताया। ईरान की सरकारी खबरों के मुताबिक इस्माइल बाघई हमानेह ने शनिवार को कहा कि मौजूदा दौर में इस तरह के दावों को दोहराना ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच मुद्दों को और अधिक जटिल बनाने की एक घृणित साजिश है।

प्रवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान के खिलाफ इस तरह के दावों को पहले भी खारिज कर चुका है और ऐसे दावों का झूठ भी उजागर हुआ है। बाघई ने जोर देकर कहा कि तेहरान राष्ट्र के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी कानूनी और वैध साधनों का इस्तेमाल करेगा। कुछ मीडिया रिपोट्स के मुताबिक अमेरिकी सरकार ने डोनाल्ड ट्रंप के अगले राष्ट्रपति चुने जाने से पहले उनकी हत्या की साजिश के सिलसिले में एक अफगान नागरिक के खिलाफ आरोप लगाए हैं। न्याय विभाग ने शुक्रवार को 51 वर्षीय फरहाद शकेरी के खिलाफ अभियोग पत्र जारी किया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उसे ट्रंप की हत्या के लिए योजना बनाने का काम सौंपा गया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी सरकार ने कहा कि शकेरी को गिरफ्तार नहीं किया गया है और माना जाता है कि वे ईरान में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मैनहट्टन कोर्ट में दायर एक आपराधिक शिकायत में, अभियोजकों ने आरोप लगाया कि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक अधिकारी ने सितंबर में शकेरी को ट्रंप की निगरानी और हत्या की योजना तैयार करने का निर्देश दिया था।

ट्रंप ने कमला हैरिस पर कसा तंज कहा- कर्ज बढ़ गया है, बोलो तो कुछ पैसे भेज दूं

वाशिंगटन, 10 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी ऐतिहासिक जीत से बेहद उत्साहित हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए डेमोक्रेट पार्टी की उपराष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस पर तंज कसा है।

ट्रंप ने लिखा, मैं हैरान हूं कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में जिन्होंने जमकर प्रचार किया और रिकॉर्ड चुनावी चंदा जुटाया, उनके पास कुछ भी नहीं बचा है। वह कंगाल हो गई हैं। ट्रंप के इस बयान से उनके विरोधी डेमोक्रेट पार्टी और कमला हैरिस पर निशाना साधा गया है। कमला हैरिस ने 2020 के चुनाव प्रचार के लिए लगभग एक अरब डॉलर का फंड जुटाया था। रिपोर्टों के मुताबिक, चुनावी अभियान के दौरान डेमोक्रेट पार्टी ने इस फंड को बेतहाशा खर्च किया, लेकिन हार के बाद पार्टी के भीतर वित्तीय संकट उभरने लगा है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कमला हैरिस और डेमोक्रेट पार्टी पर करीब दो करोड़ डॉलर का कर्ज चढ़ गया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने इस मुद्दे पर कमला हैरिस की मदद करने का दावा करते हुए पोस्ट में कहा, हमारे पास पर्याप्त पैसा है और हम इस कठिन समय में कमला की सहायता करना चाहते हैं। ट्रंप ने अपनी पार्टी की वित्तीय स्थिति पर भी जोर देते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उनकी सबसे बड़ी संपत्ति 'अर्न मीडिया' थी, जिस पर उन्हें बहुत ज्यादा खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ी। इसके अलावा, ट्रंप ने आरोप लगाया कि डेमोक्रेट पार्टी ने अपने चुनावी अभियान में कोई ठोस रणनीति नहीं बनाई और पैसे बेतहाशा खर्च किए। एक पूर्व डेमोक्रेट नेता ने कहा, हमने बेवकूफों की तरह पैसे खर्च किए और हमारे पास कोई रणनीति नहीं थी।

वहीं, हार के बाद डेमोक्रेट पार्टी में फंड के इस्तेमाल को लेकर आलोचनाओं का दौर जारी है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 16 अक्टूबर तक कमला हैरिस के पास 11.8 करोड़ डॉलर का फंड बचा था, लेकिन यह भी बताया गया कि उनके पास कर्ज के अलावा और कोई स्पष्ट आर्थिक स्थिति नहीं थी। डोनाल्ड ट्रंप का यह पोस्ट डेमोक्रेट पार्टी की वित्तीय असमंजस और चुनावी रणनीति की विफलता को उजागर करता है, वहीं उन्होंने अपनी पार्टी के धन की स्थिति को बेहतर तरीके से प्रस्तुत किया।

सभी स्विंग स्टेट्स को जीतकर ट्रंप रचने जा रहे इतिहास, अप्रवासियों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला के पक्ष में किया मतदान

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प दूसरे विश्व युद्ध के बाद वे पहले ऐसे राष्ट्रपति हैं, जो चार साल के अंतर के बाद दोबारा सत्ता में लौटे हैं। ट्रम्प ने जीत के बाद कहा कि वे अमेरिका में सभी स्विंग स्टेट्स को जीतकर इतिहास बनाने जा रहे हैं। स्विंग स्टेट्स उन राज्यों को कहा जाता है जहां दोनों उम्मीदवारों के बीच वोटों का अंतर काफी कम रहता है और ये किसी के ओर जा सकते हैं। ब्लू स्टेट वो राज्य हैं, जहां कमला हैरिस की डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रभाव है। वहीं ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को वोट करने वाले राज्यों को रेड स्टेट कहा जाता है। ट्रम्प ने इन चुनावों में 7 स्विंग स्टेट्स में 5 में जीत हासिल की है और बाकी 2 राज्यों नेवादा और एरिजोना में मजबूत बढ़त बनाए हुए हैं। अवैध अप्रवासियों के चलते ट्रम्प एक भी ब्लू स्टेट नहीं जीत पाए इतनी बड़ी जीत के बावजूद ट्रम्प एक भी ब्लू स्टेट नहीं जीत पाए हैं। कमला हैरिस ने जिन 20 राज्यों में जीत हासिल की है, उनमें 4 ऐसे राज्य शामिल हैं जहां सबसे ज्यादा अवैध अप्रवासियों की आबादी है। सबसे ज्यादा अवैध अप्रवासियों की आबादी वाले कुल 6 राज्यों में से ट्रम्प केवल 2 राज्य जीत पाए।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

कैनबेरा, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज यानी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। दोनों टीमों के बीच सीरीज की शुरुआत 22 नवंबर से हो रही है। पहला मैच पर्थ में खेला जाएगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को पहले टेस्ट के लिए 13 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान किया। दल में युवा नाथन मैकस्वीनी को शामिल किया गया है। मैकस्वीनी ने हाल ही में भारत-ए के खिलाफ अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। इसके अलावा विकेटकीपर जोश इंगलिस को भी पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। इनके अलावा बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ टीम को मजबूती प्रदान करेंगे। इनके अलावा ट्रैविस हेड और मिचेल मार्श तथा विकेटकीपर एलेक्स कैरी शामिल हैं। तेज गेंदबाजों में कप्तान पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के साथ स्कॉट बोलैंड शामिल हैं। स्पिन गेंदाबाजी में अनुभवी नाथन लियोन दिखेंगे।

चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली का मानना है कि टीम अच्छी तरह से संतुलित है और उनका अनुमान है कि यदि मैकस्वीनी को पदार्पण का मौका मिलता है तो वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बेली ने कहा कि मैकस्वीनी ने वे गुण प्रदर्शित किए हैं जिनके बारे में हमारा मानना है कि वे टेस्ट क्रिकेट के लिए उन्हें अच्छी तरह तैयार करेंगे। साथ ही घरेलू क्रिकेट में उनका हालिया रिकॉर्ड अच्छा है। उन्होंने कहा, ''इसी तरह, जोश शेफील्ड शील्ड प्रतियोगिता में शानदार फॉर्म में रहे और वह टेस्ट टीम में जगह पाने का हकदार है। उन्होंने कहा कि टीम संतुलित है और एंड्रयू तथा पैट को एक रोमांचक श्रृंखला के लिए आवश्यक विकल्प प्रदान करती है।

पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमः पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ जुरैल और मुकेश का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा

पर्थ। भातर ए के खिलाड़ियों का प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। बल्लेबाजी में केवल ध्रुव जुरैल ही सफल रहे। वहीं अन्य बल्लेबाजों ने निराश किया। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के अलावा अभिमन्यू ईश्वरन, साई सुदर्शन, केएल राहुल, देवदत्त पडीक्कल, इशान किशन जैसे बल्लेबाजों भी विफल रहे। इस सीरीज के दूसरे मैच में जुरैल को अवसर मिला और सबसे अधिक रन बनाकर उन्होंने अपने को साबित कर दिया। वहीं गेंदबाजी में भारत की ओर से मुकेश कुमार का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। इंडिया ए को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दोनो ही मैचों की अनाधिकारिक टेस्ट सीरीज में हार मिली।। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को 7 विकेट से हराया जबकि दूसरी मैच में 6 विकेट से हराया बल्लेबाजी में ईशान किशन की जगह पर शामिल जुरेल ने दसरे मैच की दोनों पारियों में भारत ए की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाये। ध्रुव ने पहली पारी में 80 जबकि दूसरी पारी में भी 68 रन बनाए। इन दो पारियों को मिलाकर उन्होंने कुल 148 रन बनाए और इस टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज रहे। ध्रुव के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर देवदत्त पडीक्कल रहे जिन्होंने 4 पारियों में 151 रन बनाए जबकि वहीं साई सुदर्शन ने 4 पारियों में 127 रन बनाए और तीसरे स्थान पर रहे। भारत की तरफ से इस टेस्ट सीरीज में सबसे सफल गेंदबाज मुकेश कुमार रहे जिन्होंने 11 विकेट अपने नाम किए।

हरियाणा के यशवर्धन ने सीके नायडू टूर्नामेंट में 426 रन बनाये, सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। हरियाणा के एक नये बल्लेबाज यशवर्धन दलाल ने कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी मैच में मुंबई के खिलाफ 426 रनों की रिकार्ड पारी खेलकर सभी को हैरान कर दिया। यशवर्धन ने नाबाद 426 रन की अपनी इस पारी के साथ ही उत्तर प्रदेश के समीर रिजवी के 312 रन के सबसे अधिक स्कोर के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। वह अब सीके नायडू टूर्नामेंट के इतिहास में एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। यशवर्धन ने अपनी इस लंबी पारी में 44 चौकों और 10 छक्के भी लगाए। यशवर्धन पारी की शुरुआत के लिए अर्श के साथ आये। अर्श ने भी 151 रनों की पारी खेली। अर्श की इस पारी में 18 चौके और 1 छक्का शामिल था। इस दौरान दोनों के बीच 410 रनों की साझेदारी हुई। जब ये साझेदारी टूटी तब यशवर्धन 243 रन पर खेल रहे थे पर बाद में लगातार विकेट लगातार गिरते चले गये। इसी बीच यशवर्धन जमे रहे। उन्होंने पार्थ नागिल 2) और कप्तान सर्वेश रोहिल्ला(4) के साथ अहम अर्धशतकीय साझेदारियां बनायी। यशवर्धन दूसरे दिन शाम के सत्र में, उन्होंने 400 रन का आंकड़ा पार किया। इसके बाद उन्होंने तेजी से रन बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय वह 463 गेंदों पर 426 रन बनाकर खेल हरे यशवर्धन का रिकॉर्ड कई मायनों में जबरदस्त है।

विराट ने बच्चों की तस्वीरें लेने से मना किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आज उस समय फोटोग्राफरों पर भड़ गये जब वे उनके बच्चों की तस्वीरें लेने का प्रयास कर रहे थे। ये मामला शनिवार को मुंबई एयरपोर्ट का है। विराट अपने परिवार के साथ विमान में सवार हो रहे थे। इस दौरान विराट कोहली ने फोटो खींचने वालों को ऐसा करने से मना किया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। सोशल मीडिया पर छाए वीडियो में विराट अपना सामान निकालते दिख रहे हैं। वो बच्चों की तस्वीरें खींचने से मना करते हुए कहते हैं, 'उधर कैमरा नहीं करने का' विराट की बात मानते हुए पैपराजी ने उनकी पत्नी अनुष्का और बच्चों वामिका-अकाय की तस्वीरें नहीं खींची।

पोंटिंग ने न्यूजीलैंड की जमकर प्रशंसा की

सिडनी, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

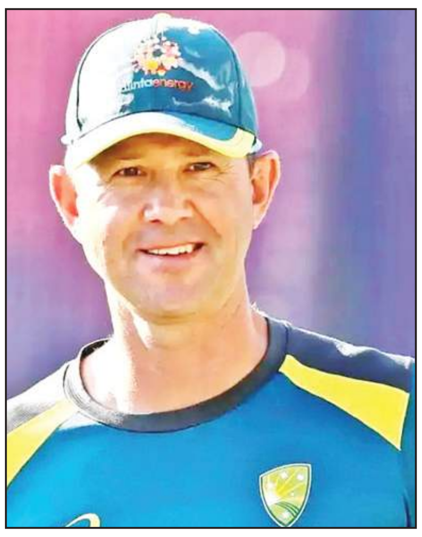

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने हाल में भारतीय टीम को टेस्ट सीरीज में 3-0 से हराने वाली न्यूजीलैंड टीम की जमकर प्रशंसा की है। पोंटिंग ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन के नहीं होने के बाद भी टीम ने जिस प्रकार से खेला है उसकी प्रशंसा करनी ही होगी। पोंटिंग ने कहा, यह एक बहुत बड़ी जीत है जबकि मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी, खासकर तब जब आप विलियमसन जैसे बल्लेबजा के बिना जीते हों। विलियमसन ने टीम के लिए हमेशा ही बेहतर खेला है। न्यूजीलैंड की कप्तानी इस सीरीज में टॉम लेमम ने की थी। सीरीज में जहां कीवी स्पिनर छाये रहे। वहीं भारतीय बल्लेबाजी असफल रही। यहां तक कि अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली भी रन नहीं बना पाये। वहीं इस इस पूर्व कप्तान का माननाहै कि विराट कोहली को लेकर जो आंकड़े सामने आये हैं वह परेशान करने वाले हैं क्योंकि उन्होंने पिछले पांच सालों में केवल दो-तीन टेस्ट शतक बनाए हैं।

2016 से 2019 तक टेस्ट क्रिकेट में 50 से ऊपर का औसत रखने वाले कोहली ने इसके बाद से ही टेस्ट प्रारूप में खराब प्रदर्शन किया है। उन्होंने 34 टेस्ट में 31.68 की औसत से 1838 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक शामिल हैं। इस साल विराट का अपने करियर के सबसे कम टेस्ट औसत रहा है और वह छह मैचों में 22.72 है।

आईसीसी की नई पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में कोहली 10 वर्षों में पहली बार शीर्ष-20 सूची से बाहर हुए हैं। पोंटिंग ने कहा, ई भी ऐसा शीर्ष क्रम का बल्लेबाज नहीं होगा जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहा हो और जिसने पांच वर्षों में केवल दो टेस्ट मैच शतक बनाए हों। अपने खराब वजूद पोंटिंग अभी भी कोहली के प्रदर्शन का समर्थन करते हैं क्योंकि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 के लिए क्वालीफिकेशन के मामले में भारत के लिए अब दांव बढ़ गए हैं। पोंटिंग ने कहा, मैंने विराट के बारे में पहले भी कहा है, आप खेल के महान खिलाड़ियों पर कभी सवाल नहीं उठाते। इसमें कोई संदेह नहीं है, वह खेल के महान खिलाड़ी हैं। उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना बहुत पसंद है। वास्तव में, मुझे पता है कि उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना बहुत पसंद है। और जैसा कि मैंने कहा, ऑस्ट्रेलिया में उसका रिकॉर्ड बहुत अच्छा है। अगर उसके लिए इसे बदलने का कोई समय है, तो वह यह सीरीज होगी। इसलिए मुझे पहले गेम में विराट को रन बनाते देखकर हैरानी नहीं होगी।

भारतीय बल्लेबाजों के संघर्ष पर पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि यह शायद अच्छी गुणवत्ता वाली स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत की कमजोरी दिखाता है। ऐसा लगता है कि आधुनिक भारतीय बल्लेबाजों का स्पिन खेलने का कौशल शायद पहले जैसा नहीं रहा। शायद इसलिए क्योंकि वे भारत में अलग-अलग विकेटों पर खेल रहे हैं जो शायद तेज गेंदबाजों के लिए हैं, शायद इसलिए क्योंकि भारत में अब ज़्यादा उच्च-गुणवत्ता वाले तेज गेंदबाज़ हैं क्योंकि वे पहले की तरह ज़्यादा स्पिन गेंदबाजी नहीं खेल रहे हैं।

पोंटिंग ने आधुनिक भारतीय बल्लेबाजी शैलियों पर इंडियन प्रीमियर लीग के प्रभाव को लेकर किा कि आईपीएल ने निस्संदेह भारतीय क्रिकेट को मजबूत किया है। पोंटिंग ने सुझाव दिया कि इसने खिलाड़ियों की प्राथमिकताओं को भी बदल दिया है खास तौर पर युवा पीढ़ी का। अब वे अधिक से अधिक सीमित ओवरों के क्रिकेट को खेलना चाहते हैं।

आईसीसी ने पाक में होने वाला चैंपियंस ट्रॉफी से जुड़ा इवेंट रद्द किया, पीसीबी को लगा एक और झटका

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से जुड़ा अपना एक इवेंट (कार्यक्रम) रद्द कर किया है। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को करारा झटका लगा है। प्राप्त जानकार के अनुसार आईसीसी को 11 नवंबर को लाहौर में चैम्पियंस ट्राफी से जुड़ा एक क कार्यक्रम आयोजित करना था पर अब ये नहीं होगा। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के चैम्पियंस ट्राफी के लिए पाक जाने से इंकार करने के बाद पीसीबी कार्यक्रम में बदलाव के लिए तैयार हो गया था। दूसरी ओर एक अधिकारी ने कहा, कार्यक्रम की पुष्टि नहीं हुई है, हम अभी भी चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम पर मेजबान और भाग लेने वाले देशों के साथ चर्चा कर रहे हैं। एक बार पुष्टि हो जाने पर हम इसकी घोषणा करेंगे। आईसीसी ने इस कार्यक्रम के लिए बड़े इंतजाम कर रखे थे, क्योंकि 19 फरवरी से शुरू होने वाले इस इवेंट से पहले 100 दिन का काउंटडाउन शुरू होना था। इसी को लेकर ये लाहौर में रखा गया था। आमतौर पर ऐसा आईसीसी हर बड़े कार्यक्रम से पहले करती है। पूरी तरह से संभव है कि आईसीसी लाहौर शहर के ऊपर छाए टॉक्सिक स्मॉग को इस इवेंट के रद्द होने का एक कारण बता सकता है। वहीं एक अन्य अधिकारी ने कहा, यह केवल ट्रॉफी टूर फ्लैग ऑफ और टूर्नामेंट की ब्रांडिंग और लॉन्च को लेकर रखा गया था। इसलिए ये अभी भी हो सकता है। लाहौर में हालांकि स्मॉग के कारण इसे फिर से तैयार किया जा रहा हहै। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने किा कि अभी कोई इवेंट तय नहीं है। अब यह लगभग स्पष्ट है कि आईसीसी और मेजबान पीसीबी को इस टूर्नामेंट के लिए हाइब्रिड मॉडल अपनाने की आवश्यकता होगी क्योंकि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से पाक नहीं जाएगी। ऐसे में भारतीय टीम के मैच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रखे जा सकते हैं।

पृथ्वी शॉ डांस करते दिखे

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का एक डांस वीडियो सामने आया है। इसमें पृथ्वी अपने जन्मदिन पर डांस करते नजर आये हैं। पृथ्वी का जन्मदिन 9 नवंबर था। इसी दिन उन्हें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए मुंबई की 28 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किसे जाने की जानकारी भी मिली थी जिससे भी वह उत्याहित थे। मुश्ताक अली ट्रॉफी 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेली जाएगी।

इस वीडियो में पृथ्वीको नाचते और पार्टी का आनंद लेते देखा जा सकता है। इसे इस क्रिकेटर ने अपने सोशल मीडिया में भी जारी किया। उन्हें त्रिपुरा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के लिए मुंबई की टीम से बाहर कर दिया गया था। इसका कारण है कि वह नियमित रूप से मुंबई के प्रशिक्षण सत्रों में भाग नहीं ले रहे थे और उनका वजन भी थोड़ा अधिक दिखाई दे रहा था, जिसके कारण चयनकर्ताओं ने उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को जगह देना बेहतर समझा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक अधिकारी ने कहा, आपको उनकी फिटनेस और मैदान पर उनकी दौड़ को देखना होगा। एमसीए का इतिहास समृद्ध है और किसी एक खिलाड़ी के लिए उसमें बदलाव नहीं हो सकता। इस घटना से सबक लेते हुए इस क्रिकेटर ने फिटनेस पर ध्यान देते हुए जमकर अभ्यास किया जिसका लाभ भी उन्हें मिला है। पृथ्वी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से अब तक भारत की ओर से पांच टेस्ट, छह एकदिवसीय और एक टी20 मैच खेला है।

गांगुली के कहने पर बदला था फैसला : साहा

कोलकाता, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

इसी माह की शुरुआत में रणजी ट्राफी से संन्यास की घोषण करने वाले अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धीमान साहा ने अब खुलासा किया है कि वह पहले ही संन्यास ले लेते पर उन्होंने इससे पहले भारतीय टीमके पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के कहने पर अपना फैसला बदल दिया था। साहा ने काहा कि वह पिछले दो साल से त्रिपुरा के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेल रहे थे और उसी की ओर से खेलते हुए पिछली बार ही संन्यास लेना चाहते थे पर गांगुली के कहने पर वह रुक गये थे। इसके आद वह एक बार फिर बंगाल की ओर से खेलने के बाद संनयास लेने पर सहमत हुए थे। तब रिद्धीमान ने साफ कह दिया था कि वह घरेलू क्रिकेट में केवल लाल गेंद वाले प्रारुप में ही भाग लेंगे। शाह ने कहा कि उन्होंने खेल का अलविदा कहने का फैसला अपनी फिटनेस के कमजोर होने और युवा खिलाड़ियों को अवसर देने के देने के लिए किया था। शाह ने गुजरात टाइटंस को ये भी कह दिया था कि वह रणजी ट्रॉफी के कारण आईपीएल नहीं खेलेंगे। साहा शुरुआत से ही बंगाल के साथ रहे हैं पर दो साल पहली बांग्लाक्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों से विवाद के बाद वह त्रिपुरा से खेलने लगे थे पर गांगुल ने उन्हें इस बात के लिए मनाया कि उन्हें अपने करियर का अंतिम मैच बंगाल की ओर से ही खेलना चाहिये।

पाक ने तीसरे एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हराकर 2-1 से सीरीज जीती

नसीम और शाहीन ने लिए तीन-तीन विकेट

पर्थ, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-1 से जीत दर्ज की है। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम पहला मैच जीती थी पर दूसरे और तीसरे मैच में उसे पाक टीम ने हरा दिया। इस सीरीज में पाक टीम की जीत में उसके गेंदबाजों की अहम भूमिका रही जिसके सामने मेजबान बल्लेबाज नहीं टिक पाये। इस मैच में पाक ने टॉस जीतकर मेजबानों को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया की टीम 5 बदलाव के साथ ही लांस मॉरिस, कूपर कोनोली, मार्कस स्टोइनिस, सीन एबॉट और स्पेंसर जॉनसन के साथ उतरी पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी। ऑस्ट्रेलिया की टीम 31.5 ओवर में 9 विकेट पर 140 रन ही बना पायी अंतिम बल्लेबाज कूपर कोनोली को चोटिल होने के कारण रिटायर होना पड़ा। वहीं पाक की ओर से नसीम शाह और शाहीन अफरीदी ने 3-3 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू शॉर्ट 22, जेक फ्रेजर मैकगर्क 7, आरोन हार्डी 12 और जोश इंग्लिस 7रन बनाये। कूपर कोनोली 7 बनाकर रिटाय हर्ट हुए। मार्कस स्टोइनिस ने 8, ग्लेन मैक्सवेल 0, सीन एबट 30, एडम जम्पा 13, स्पेंसर जॉनसन 12 और लांस मॉरिस शून्य पर आउट हुए। पाक की ओर से शाहीन अफरीदी और नसीम शाह ने 3-3 विकेट लिए। मोहम्मद हसनैन ने 1 विकेट लिए। हारिस रऊफ ने 2 विकेट लिए। इसके बाद पाक टीम ने दो विकेट के नुकसान पर ही 141 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। सैम अयूब और अब्दुल्लाह शफीक के बीच पहले विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी के साथ ही पाक ने अच्छी शुरुआत की। अयूब ने 42 और अब्दुल्लाह शफीक ने 37 रन बनाए। इनके आउट होने के बाद बाबर आजम ने नाबाद 28 और मोहम्मद रिजवान ने नाबाद 30 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। मेजबानों की ओर से पाकिस्तान ने तीसरे वनडे में शानदार शुरुआत की। मेजबानों की ओर से दोनो ही विकेट लांस मॉरिस ने लिए।

वर्ल्ड पैराग्लाइडिंग कप के बाद अब धर्मशाला के नरवाना में दिखेगा मानवीय परिंदों का रोमांच

धर्मशाला, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

विश्व विख्यात बीड़ बिलिंग घाटी के बाद अब धर्मशाला की नरवाना साइट में 16 नवंबर से मानवीय परिंदों का रोमांच देखने को मिलेगा। धौलाधार पैराग्लाइडिंग एक्यूरेसी प्री वर्ल्ड कप प्रतियोगिता 16 नवंबर से नरवाना में शुरू हो रही है जो कि 20 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। प्री वर्ल्ड कप स्तर की इस प्रतियोगिता में अभी तक 13 देशों के 87 पैरापायलट पंजीकरण करवा चुके हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में कुछ और पायलट भी इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनने वाले हैं।

गौरतलब है कि अभी बीते दिन शनिवार को बीड़ बिलिंग साइट में आठ दिवसीय पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता का समापन हुआ है जिसमें अमेरिका के ऑस्टिन कॉक्स ऑल ओवर कैटेगरी में वर्ल्ड कप विजेता बने हैं। जबकि पोलैंड की जोआना कोकेट महिला वर्ग में विजेता रही हैं। बीड़ बिलिंग में पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप का समापन होने के बाद अब धर्मशाला के नरवाना साइट में एक्यूरेसी प्री पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप का रोमांच शुरू होने वाला है, इसके लिए नरवाना पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

एडवेंचर स्पोर्ट्स फेडरेशन हिमाचल प्रदेश एवं नरवाना एडवेंचर क्लब के अध्यक्ष एवं धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए कुल 120 पायलट हिस्सा ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह दूसरा मौका है जब धर्मशाला के साथ लगते नरवाना साइट में एक्यूरेसी प्री वर्ल्ड कप का आयोजन किया जा रहा है। पिछले साल भी इस प्रतियोगिता का सफल आयोजन यहां किया गया था।

सुधीर शर्मा ने बताया कि विश्व के 13 देशों के पायलट अभी तक प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए अपना पंजीकरण करवा चुके हैं जिनमें भारत सहित नेपाल, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, अमेरिका, फ्रांस, आयरलैंड, स्पेन मंगोलिया, सऊदी अरब, मेक्सिको और कजाकिस्तान के प्रतिभागी शामिल हैं। बीड़ बिलिंग में वर्ल्ड कप का समापन होने के बाद अब इस प्रतियोगिता के लिए और भी पायलटों के पंजीकरण की उम्मीद है।

सैमसन की बल्लेबाजी देखने लायक होती है: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में शानदार बल्लेबाजी करने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की है। सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में 107 रनों की पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। इस दौरान सैमसन ने जमकर चौक, छक्के लगाये। चोपड़ा ने कहा कि उसने 10 छक्के लगाए वो भी ऐसी टाइमिंग के साथ कि जितनी प्रशंसा की जाय वह कम है। लय में रहने पर वह गेंदबाजों के प्रति बेहद निर्मम होतो है। वह बल्लेबाजी को बेहद आसान बना देता है। सैमसन ने जिस तरह से खेला वह बिल्कुल शानदार है और उन्होंने मैच में भारतीय टीम को शानदार जीत दिलायी। सैमसन की इस पारी से भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को पहले टी20 मुकाबले में 61 रन से हराया। इस मैच में पहले गेंदबाजी करते हुए सैमसन ने गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। पूरे मैच में सैमसन की शतकीय पारी सबके आकर्षण का केंद्र रही।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह का मार्केट कैप 1.55 लाख करोड़ घटा

मुंबई,10 नवंबर (एजेंसियां) ।

पिछले सप्ताह बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के लिहाज से देश की शीर्ष 10 कंपनियों में छह का बाजार पूंजीकण 1,55,721.12 करोड़ रुपये घट गया। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार मूल्यांकन घट गया। दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और भारतीय स्टेट बैंक को फायदा हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 74,563.37 करोड़ रुपये घटकर 17,37,556.68 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 26,274.75 करोड़ रुपये घटकर 8,94,024.60 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 22,254.79 करोड़ रुपये घटकर 8,88,432.06 करोड़ रुपये और आईटीसी का मूल्यांकन 15,449.47 करोड़ रुपये घटकर 5,98,213.49 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में 9,930.25 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 7,248.49 करोड़ रुपये की कमी हुई। दूसरी ओर टीसीएस का मूल्यांकन 57,744.68 करोड़ रुपये बढ़कर 14,99,697.28 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन 28,838.95 करोड़ रुपये बढ़कर 7,60,281.13 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 19,812.65 करोड़ रुपये बढ़कर 7,52,568.58 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बरकरार

न्यूज़ ब्रीफ

अप्रैल-सितंबर में कोयला आयात आठ फीसदी बढ़कर 14.06 करोड़ टन, एक साल पहले आयात 13.03 करोड़ टन था

नई दिल्ली। देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर में 7.8 प्रतिशत बढ़कर 14.06 करोड़ टन हो गया। एक ई-कॉमर्स कंपनी के आंकड़ों के अनुसार एक साल पहले इसी अवधि में देश का कोयला आयात 13.03 करोड़ टन था। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि स्टॉक की अच्छी स्थिति और घरेलू बाजार में हाजिर ई-नीलामी के जरिये अधिक मात्रा की पेशकश के कारण कोयला आयात की मांग सामान्य रहने की संभावना है। सितंबर में कोयला आयात सालाना आधार पर 2.16 करोड़ टन से 10.09 प्रतिशत घटकर 1.94 करोड़ टन रह गया। सितंबर के कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले की मात्रा 1.32 करोड़ टन थी, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 1.48 करोड़ टन था। कोकिंग कोयले का आयात 33.9 लाख टन रहा।

रिपोर्ट : कई फूड कंपनियां गरीब देशों में बेच रही घटिया माल, उच्च आय वाले देशों में इनकी हेल्थ स्टार रेटिंग अच्छी है

नई दिल्ली। एक अमेरिकी एनजीओ ने जारी की गंभीर रिपोर्ट, जिसमें दुनिया की बड़ी खाद्य और पेय कंपनियों को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई नामी पैकेज्ड फूड कंपनियां भारत और अन्य कम आय वाले देशों में अधिकांश घटिया माल बेच रही हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। इसके विपरीत, उच्च आय वाले देशों में इन कंपनियों की हेल्थ स्टार रेटिंग काफी अच्छी है। इस रिपोर्ट में भारत के साथ इथियोपिया, घाना, केन्या, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस, तंजानिया और वियतनाम जैसे गरीब देश शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में तैयार रेटिंग प्रणाली से पता चला कि निम्न आय वाले देशों में उत्पादों की स्वास्थ्यक स्कोर 5 से 1.8 है, जबकि उच्च आय वाले देशों के लिए 23. है। इस प्रणाली के अनुसार 3.5 से अधिक स्कोर वाले उत्पाद स्वास्थ्य के लिए ठीक माने जाते हैं। इस चौंकाने वाले खुलासे ने गहरी चिंता में डाल दिया है और सरकारों से इस मुद्दे पर कार्रवाई करने की मांग की है। यह सामग्री सभी लोगों के स्वास्थ्य को खतरे में डाल सकती है, खासकर उन्हें जिनकी आर्थिक स्थिति परेशानी में है।

कनाडा ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम वीजा बंद किया

नई दिल्ली। कनाडा ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम (एसडीएस) वीजा प्रोग्राम को बंद कर दिया है।

इमिग्रेशन, रिफ्यूजी, और सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए स्टडी परमिट आवेदनों में तेजी लाने के लिए 2018 में यह वीजा कार्यक्रम लागू किया था। इस क्रार्यक्रम को ब्राजील, चीन, कोलंबिया, कोस्टा रिका, भारत, मोरक्को, पाकिस्तान, पेरू, फिलीपींस और वियतनाम सहित 14 देशों के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए लागू किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक कनाडा सरकार ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि इस प्रयास को सभी छात्रों को आवेदन प्रक्रिया में समान और निष्पक्ष पहुंच प्रदान करने के लिए बंद किया जा रहा है। एसडीएस में अप्रूवल रेट अधिक थी और प्रोसेसिंग टाइम भी तेज था। इस प्रोग्राम के बंद होने से भारत और 13 अन्य देशों के छात्रों को अधिक लंबी वीजा प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। कनाडा कई वर्षों में पहली बार देश में आने वाले आप्रवासियों की संख्या में भारी कमी करने पर विचार कर रहा है। यह सत्ता में बने रहने की कोशिश कर रही एक अलोकप्रिय सरकार एक नाटकीय नीतिगत परिवर्तन है। कनाडा एक ऐसा देश रहा है जो लंबे समय से नए लोगों का स्वागत करने में गर्व महसूस करता रहा है, लेकिन अब यह प्रवासियों के प्रति अपनी नीति बदल रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जलेबी-टाइप...

इसके सामने राहुल गांधी की बयानबाजी गलत साबित हो जाती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले पाँच वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखा गया है। भारत के बाजार पूंजीकरण में तेज वृद्धि, कई क्षेत्रों और छोटी कंपनियों की व्यापक भागीदारी के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में नए प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की लहर ने प्रभावी रूप से इनमें से कई चिंताओं को दूर कर दिया है।

भारत में अब 11 मेगा आकार की कंपनियां हैं। इनमें से हर एक की बाजार पूंजी पांच लाख करोड़ रुपए से अधिक है। 2014 में एक भी कंपनी इस आकार की नहीं थी। मिड-और लार्ज-कैप फर्मों में उछाल के साथ इक्विटी बाजार रिकॉर्ड स्तर पर कारोबार कर रहा है। बाजार पूंजी के मामले में भारत अब दूसरा सबसे बड़ा उभरता हुआ बाजार है। 2014 में 1.2 लाख करोड़ डॉलर की पूंजी अब बढ़कर पांच लाख करोड़ डॉलर से ज्यादा हो गई है।

निफ्टी 500 का फायदा जीडीपी के अनुपात में 15 साल के उच्च स्तर पर...पिछले एक, तीन, पांच और दस वर्षों में निफ्टी50 ने 27 फीसदी, 11 फीसदी,15 फीसदी, और 11 फीसदी चक्रवृद्धि दर से रिटर्न दिया है। इसके अतिरिक्त एनएसई 500 का जीडीपी के अनुपात में 20 फीसदी, 21 फीसदी 16 फीसदी और 11 फीसदी चक्रवृद्धि दर से मुनाफा बढ़ा है। वित्त वर्ष 2024 में इनका फायदा जीडीपी के अनुपात में 15 साल के उच्च स्तर पर है।

कांग्रेस समाज...

ऐसे ही हाइवे, रेलवे और एयरपोर्ट के कितने ही काम होते हैं, जिसपर केंद्र सरकार सीधे खर्च करती है, किसी को बीच में से कट करने का मौका ही नहीं मिलता। झारखंड में भी हमारी सरकार ने लाखों करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा-एनडीए सरकार नए उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। हम झारखंड में बंद पड़े पुराने कारखाने भी खुलवा रहे हैं। सिंदरी का खाद कारखाना भी तो पहले की सरकारों की कुनीति की वजह से बंद हो गया था। हमने सिंदरी खाद कारखाने को शुरू करवाया। इससे झारखंड के हजारों युवाओं को रोजगार मिला है। हमने हरियाणा में खर्ची और पर्ची दोनों को दफना दिया है। हम झारखंड में भी यहीं करेंगे। यहां जेएमएम-कांग्रेस ने जो पेपर लीक और भर्ती माफिया पैदा कर दिया है, उन सब पर प्रहार किया जाएगा। ऐसे सभी लोगों को पाताल में से भी ढूंढ़कर जेल भेज दिया जाएगा। झारखंड की हमारी बहन-बेटियों का जीवन आसान हो, ये मेरी प्राथमिकता है। हमारी सरकार की योजनाओं से बहनों को शौचालय मिले, बैंक में खाते खुले, गर्भावस्था के दौरान सीधे उनके खाते में पैसा पहुंचा है।

पीएम मोदी ने कहा कि अब झारखंड भाजपा ने यहां गोगो दीदी योजना का वादा किया है। झारखंड की मेरी माताओं-बहनों को ये मोदी की गारंटी है कि सरकार बनने के बाद गोगो दीदी योजना लागू हो जाएगी। इस योजना से हमारी माताओं-बहनों के बैंक खातों में सीधे पैसे जाएंगे। झारखंड के तेज विकास के लिए सबका प्रयास यानी सभी की सामूहिक शक्ति लगनी बहुत जरूरी है। इसलिए आप सभी को कांग्रेस-जेएमएम की एक बहुत बड़ी साजिश से सतर्क रहना है।

कांग्रेस हमेशा से एससी-एसटी-ओबीसी की एकजुटता की घोर विरोधी रही है। आजादी के बाद जब तक एससी समाज बिखरा रहा, एसटी समाज बिखरा रहा, ओबीसी समाज बिखरा रहा, कांग्रेस मजे से केंद्र में सरकारें बनाती रही, लेकिन जैसे ही ये समाज एकजुट हुआ कांग्रेस फिर पूर्ण बहुमत के साथ केंद्र में अपनी सरकार नहीं बना पाई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 1990 में ओबीसी समाज को आरक्षण मिला। ओबीसी की अलग-अलग जातियों का संख्याबल एक साथ जुड़ गया, उसके बाद से कांग्रेस आज तक लोकसभा में 250 सीटें भी नहीं जीत पाई है। इसलिए कांग्रेस ओबीसी की इस सामूहिक ताकत को तोड़ना चाहती है और इस ताकत को तोड़कर ओबीसी को सैकड़ों अलग-अलग जातियों में बांट देना चाहती है। कोई नहीं चाहता है कि समाज बिखरे, समाज छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट जाए। इसलिए हमें ये हमेशा याद रखना है - एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे।

चाईबासा की रैली में पीएम मोदी ने कहा था कि अगर झारखंड में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनी तो घुसपैठ रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे और आदिवासी महिलाओं की हड़पी गई जमीन वापस करने के लिए कानून बनाया जाएगा। मोदी ने जनसभा में आगे नारे लगाते हुए कहा था, पूरा झारखंड एक सुर में कह रहा है- रोटी, बेटी और माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-राजग (एनडीए) सरकार। उन्होंने कहा, भाजपा के लिए आदिवासी भाई-बहनों की आकांक्षा, उनका स्वाभिमान हमेशा सर्वोपरि रहा है। जब पहली बार भाजपा सरकार बनी। दिल्ली में अटल बिहारी वाजपेयी को सेवा करने का अवसर मिला। अटल देश के प्रधानमंत्री बने। तब जाकर आदिवासी समाज को झारखंड और छत्तीसगढ़ अलग राज्य मिले। ये दो राज्य बनाने का सौभाग्य भाजपा को मिला।

भाजपा...

भाजपा ने स्किल सेंटर खोलने की भी बात कही है।उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र के लिए भाजपा का चुनाव संकल्प पत्र विकसित भारत के लिए विकसित महाराष्ट्र बनाने की रूपरेखा है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होने हैं और सभी 288 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतगणना 23 नवंबर को होगी। 2019 के विधानसभा चुनावों में, भाजपा ने 105 सीटें, शिव-सेना ने 56 और कांग्रेस ने 44 सीटें जीतीं। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 122, शिवसेना को 63 और कांग्रेस को 42 सीटें मिली थीं।दूसरी तरफ, भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस के तीन प्रतिनिधियों को राज्य भेजे जाने पर तीखी आलोचना की। साथ ही उन पर झूठ फैलाने और विकास के महत्वपूर्ण मुद्दों का हल करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में चुनाव पूर्व वादों को पूरा करने संबंधी कांग्रेस नेताओं के दावे पर पलटवार किया। भाजपा की पूर्व सांसद ने कांग्रेस समूह को समोसा कॉकस कहा। साथ ही उनके पिछले कामों और बयानों के लिए उनकी चुटकी ली।स्मृति ने कहा, कांग्रेस का समोसा कॉकस झूठ का कारोबार करने महाराष्ट्र में आ गया है। उन्होंने महाराष्ट्र में जो तीन प्रतिनिधि भेजे हैं, वे अपने आप में अनोखे हैं- एक ऐसे प्रतिनिधि हैं, जिनके साथ भ्रष्टाचार शब्द जुड़ा हुआ है और उन्हें कांग्रेस के वोट की चिंता नहीं है, बल्कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने की चिंता है। दूसरे प्रतिनिधि ने तेलंगाना के लोगों को सोना देने का वादा किया और लोग उन्हें वहां खोज रहे हैं। तीसरे प्रतिनिधि ऐसे हैं अगर किसी ने समोसा खा लिया, तो उसने इसकी जांच के लिए सीआईडी जांच बैठा दी।उल्लेखनीय है कि बीते माह हिमाचल प्रदेश में सीआईडी दफ्तर में एक कार्यक्रम हुआ था। इस कार्यक्रम में सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू भी शामिल हुए थे। कार्यक्रम में होटल से केक और समोसे मंगवाए गए थे। ये मुख्यमंत्री को परोसे जाने थे, लेकिन प्रोटोकॉल के तहत मेनू में इसका जिक्र नहीं था। ऐसे में वहां पर मौजूद स्टाफ ने सीएम के साथ आए पुलिस कर्मचारियों और अन्य लोगों को ही समोसे खिला दिए। इस पर सीआईडी प्रमुख एसआर ओझा ने जांच के आदेश दिए थे। सबसे अहम बात है कि इस मामले की जांच रिपोर्ट तीन पेज की बनाई गई और पता चला कि सीएम के स्टाफ को समोसे खिला दिए गए। वहीं, रिपोर्ट में इस मामले को एंटी सीआईडी और एंटी सरकार बताया गया। ये रिपोर्ट लीक हो गई और अब इस पर खासा बवाल हो रहा है।स्मृति ईरानी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सत्ता हासिल करने के लिए झूठ फैलाती है और सरकार बनाने के बाद लोगों को लूटने और विभाजित करने का काम करती है। उन्होंने इन प्रतिनिधियों पर विकास के मुद्दों पर काम करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया और दावा किया कि वे अपने अभियान के दौरान झूठ फैलाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, जो लोग विकास के मुद्दों पर गंभीरता से काम नहीं करते। वे आएंगे और झूठ का माहौल फैलाएंगे। लेकिन लोग भाजपा को वोट देंगे। ईरानी ने संविधान के बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया बयानों का भी जवाब दिया, जहां लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि संविधान खतरे में है, यह कहते हुए कि कांग्रेस का भविष्य खतरे में है, संविधान नहीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संविधान के बारे में हाल के बयानों पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी, जहां लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा था कि संविधान खतरे में है। उन्होंने कहा कि संविधान नहीं, बल्कि कांग्रेस का भविष्य खतरे में है। लोग जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने जितना संविधान की रक्षा की है, उतनी किसी ने नहीं की।

महा विकास अघाड़ी ...

घोषणा पत्र जारी करने के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत, एनसीपी एसपी नेता सुप्रिया सुले, महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले सहित कई शीर्ष नेता मौजूद रहे।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि महाराष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए हमारे पास पांच स्तंभ हैं, जो कृषि और ग्रामीण विकास, उद्योग और रोजगार, शहरी विकास, पर्यावरण और लोक कल्याण पर आधारित हैं। घोषणा पत्र जारी करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि बेरोजगार युवाओं को 4000 रुपए मासिक वजीफा दिया जाएगा। 25 लाख रुपए की हमारी स्वास्थ्य बीमा योजना राजस्थान में अशोक गहलोत द्वारा शुरू की गई थी और इसे महाराष्ट्र में भी लागू किया जाएगा। हम मुफ्त दवाइयां भी उपलब्ध कराने का वादा करते हैं। हमने जाति जनगणना करने का फैसला किया है और हम तमिलनाडु की तरह आरक्षण पर 50% की सीमा को हटा देंगे।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी गठबंधन ने पांच गारंटी देने का वादा किया है। इसके मुताबिक पहली गारंटी में महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने तीन हजार रुपए और सभी महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा का वादा शामिल है। दूसरी गारंटी समानता की है। इसके तहत जातीय जनगणना कराई जाएगी और 50 फीसदी आरक्षण की सीमा को भी हटाया जाएगा। तीसरी गारंटी के तहत कुटुंब रक्षा योजना है, जिसमें 25 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा और मुफ्त दवाएं देने का वादा है। कृषि समृद्धि योजना के तहत किसानों को तीन लाख रुपए तक का कर्ज माफ, समय पर कर्ज चुकाने पर पचास हजार की प्रोत्साहन राशि देने का भी वादा किया गया है। वहीं युवाओं को वचन में बेरोजगारों को हर महीने चार हजार रुपए की मदद देने का वादा किया गया है।

भारत में ...

इससे पहले आर्मेनिया इसे खरीदने के लिए ऑर्डर दे चुका है और कई अन्य देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। पिनाका एमबीआरएल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है और इसका उत्पादन सोलर इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा और ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड कंपनीज आदि मिलकर कर रहे हैं। 1999 के करगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने पिनाक मार्क-1 संस्करण का इस्तेमाल किया था, जिसने पहाड़ की चौकियों पर तैनात पाकिस्तानी चौकियों को सटीकता के साथ निशाना बनाया था और युद्ध में दुश्मन को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया था।

वक्फ के नाम पर ...

जेपीसी अध्यक्ष के साथ ओड़ीशा दौरे पर पहुंचे जेपीसी के सदस्य और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने कहा कि जेपीसी की बैठकों के दौरान बाधा उत्पन्न करना सिर्फ उनका राजनीतिक एजेंडा है। यहां हम हितधारकों को सुनते हैं और रिपोर्ट के आधार पर काम करते हैं। वक्फ संशोधन विधेयक का गठन इसलिए किया गया ताकि वक्फ के नाम पर जमीन हड़पना बंद हो। हमने कलेक्टर को शक्तियां दी हैं, जो पहले वक्फ सर्वेक्षण कर्ताओं के पास थीं। हम किसी को बेलगाम घोड़े की तरह घूमने नहीं दे सकते ताकि वे वक्फ के नाम पर किसानों की जमीनें हड़प सकें।

वक्फ विवाद के ...

राजस्व विभाग के प्रधान सचिव राजेंद्र कुमार कटारिया ने सभी जिलों के सभी क्षेत्रीय आयुक्तों और उपायुक्तों को एक पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कुछ भू-संपत्तियां कर्नाटक वक्फ बोर्ड के पक्ष में किए जाने की शिकायतों के बाद हाल में एक बैठक की थी। इसमें यह तय किया गया था कि भूमि का स्वामित्व बदलने के लिए किसी भी सरकारी कार्यालय या प्राधिकारी की ओर से पूर्व में दिए गए सभी निर्देश वापस लिए जाते हैं। इसके बाद ही पहले दिए गए सभी नोटिस भी वापस लिए गए हैं और उन जमीनों पर खेती कर रहे किसानों के खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए। कटारिया ने अपने पत्र में कहा, मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार किसानों और जमीन मालिकों को सात नवंबर को भेजे पत्र और नोटिस वापस लिए जाते हैं। इसके बावजूद नोटिस भेजने वाले अधिकारियों को उचित अनुशासनिक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। कर्नाटक में 13 नवंबर को तीन अहम विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इस बीच यह निर्देश जारी किया गया है। उत्तर कर्नाटक में विजयपुरा के कुछ किसानों ने पिछले महीने आरोप लगाया था कि उन्हें जमीन खाली करने के नोटिस दिए गए हैं क्योंकि वक्फ बोर्ड ने इन जमीनों पर अपना दावा जताया है। इसके बाद राज्य के कुछ अन्य हिस्सों से भी शिकायतें मिलने लगी थी।

इससे पहले भारतीय जनता पार्टी के नेता तेजस्वी सूर्या ने 25 अक्टूबर को आरोप लगाया था कि कर्नाटक के वक्फ मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान ने उपायुक्तों और राजस्व अधिकारियों को 15 दिन के भीतर वक्फ बोर्ड के पक्ष में जमीनें पंजीकृत करने का निर्देश दिया था, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। सूर्या के ही अनुरोध पर वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने सात नवंबर को कर्नाटक का दौरा किया था। उन्होंने हुबली, विजयपुरा और बेलगावी जिलों के किसानों से मुलाकात की थी। किसानों ने आरोप लगाया था कि उनकी जमीनों को वक्फ संपत्ति के तौर पर चिह्नित किया गया है।

किश्तवाड़ मुठभेड़ ...

का हिस्सा थे। मुठभेड़ में तीन जवान भी घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए उधमपुर शिफ्ट किया गया है। मुठभेड़ जारी है।

इस मुठभेड़ में दो से तीन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के आतंकवादी घिरे हुए हैं। यह वही आतंकी समूह है जिसने हाल ही में किश्तवाड़ जिले में दो निर्दोष ग्राम रक्षा गार्डों की हत्या कर दी थी। उधर, उत्तरी कश्मीर के सोपोर कस्बे के रामपोरा इलाके में शनिवार देर शाम को एक तलाशी अभियान के दौरान हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। मारे गए आतंकी की पहचान अभी नहीं हो पाई है, लेकिन उसके पाकिस्तानी होने का अंदेशा जताया जा रहा है।

महा कुंभ की ...

इसके अलावा, 17 स्थानों पर 2,500 एमपीएन/100 मिलीलीटर से अधिक है। सीपीसीबी के अनुसार, फीकल (मल) कोलीफॉर्म का मानक स्तर एमपीएन 500/100 मिलीलीटर है। फीकल कोलीफार्म एक तरह का बैक्टीरिया है, जो भोजन की गुणवत्ता को खराब करता है और मनुष्यों के साथ जानवरों में भी कई बीमारी का कारण बनता है।

एनजीटी ने एसटीपी को क्रियाशील करने की समयसीमा की भी जानकारी मांगी है। हलफनामे में वह अल्पकालिक उपाय भी बताने होंगे, जो एसटीपी के पूरी तरह संचालित होने तक हर जिले में नदी में सीवेज गिरने से रोकने के लिए लागू किए जाएंगे। एनजीटी ने सीपीसीबी की उस रिपोर्ट पर भी गौर किया, जिसमें गंगा किनारे स्थित 16 शहरों में 41 एसटीपी की जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, छह संयंत्र काम नहीं कर रहे हैं। यही नहीं, जो 35 एसटीपी चालू हैं, उनमें से केवल एक में ही नियमों का सही अनुपालन पाया गया। ट्रिब्यूनल ने कहा, ऐसे में साफ जाहिर है कि गंगा में सीवेज छोड़े जाने के कारण जल की गुणवत्ता खराब हो रही है। साथ ही, उसने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी संयंत्र निर्दिष्ट मानदंडों का अनुपालन करें।

देवउठनी एकादशी पर करें राशि अनुसार दान

चमक जाएगी आपकी फूटी किस्मत

हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर विधिपूर्वक व्रत किया जाता है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करना जातक के लिए फलदायी साबित होती है। इस बार 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी है। धार्मिक मान्यता है कि देवउठनी एकादशी व्रत करने से जातक को विष्णु जी की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही जीवन खुशहाल होता है। यदि आप जीवन के दुख और संकट से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो देवउठनी एकादशी के दिन उपासना करने के बाद जरूरतमंदों को राशि अनुसार दान जरूर करें। मान्यता है कि दान करने से धन और अन्न के भंडार भरे रहते हैं।

राशि अनुसार करें दान

मेष राशि के जातक देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु की कृपा-दृष्टि पाने के लिए लाल मिठाई और मसूर दाल का दान करें।

वृषभ राशि के जातक देवउठनी एकादशी के दिन सुख-शांति की प्राप्ति के लिए के लिए दूध, दही, चावल और चीनी का दान करें।

मिथुन राशि के जातक देवउठनी एकादशी के दिन हरी सब्जियों का दान करें।

कर्क राशि के जातक देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए सफेद रंग के वस्त्र का दान करें।

सिंह राशि के जातक देवउठनी एकादशी पर गेहूं, मूंग दाल, गुड़ और मूंगफली का दान करें। इससे सभी बिगड़े काम बनने लगते हैं।

देवउठनी एकादशी से शुरू शादियों का सीजन

नवंबर-दिसंबर में 10 दिन गूंजेंगी शहनाई 2024-25 में विवाह के 40 मुहूर्त

एक बार फिर शादियों का दौर शुरू होने जा रहा है, क्योंकि 12 नवंबर से देवउठनी एकादशी के बाद शुभ मुहूर्त का दौर शुरू हो रहा है । इस बार देवउठनी एकादशी के साथ ही नवंबर और दिसंबर में शादियों की चकाचौंध देखने को मिलेगी। शादियों के इस मौसम के चलते शादी गार्डन, होटल, धर्मशालाएं और बैंड-बाजा की बुकिंग्स तेजी से हो रही है। दीपावली के बाद बाजार में आई रौनक अब शादी के सीजन से और बढ़ने वाली है।

शुभ मुहूर्तों की बहार, नवंबर-दिसंबर में दस दिन गूंजेंगी शहनाइयां

शहर में शादी समारोहों की धूम इस बार कुछ खास है। पटना के मशहूर ज्योतिषविद डॉ. श्रीपति त्रिपाठी के अनुसार, विवाह के लिए शुभ मुहूर्त न केवल सुखद जीवन की शुरुआत के लिए आवश्यक मानें जाते हैं, बल्कि वे विवाह के संयोगों में भी सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं। इस साल नवंबर और दिसंबर में क्रमशः 3 और 7 शुभ मुहूर्त हैं, जिसमें सैकड़ों विवाह समारोह संपन्न होंगे।

वर्ष 2024-25 में 40 से अधिक विवाह मुहूर्त

एक वर्ष में विवाह के शुभ मुहूर्त की संख्या

लगभग 40 होने जा रही है। विवाह के लिए चंद्र, सूर्य और बृहस्पति की विशेष स्थिति को देखकर ही मुहूर्त निकाले जाते हैं। शुभ मुहूर्तों के चलते नवविवाहित जोड़ों को अनुकूल ग्रह संयोगों का लाभ मिलता है, जिससे विवाह के सुखद संयोग बनते हैं।

विशेष मुहूर्तों की सूची

नवंबर: 17, 22, 23
दिसंबर: 2, 3, 4, 5, 9, 10, 15
जनवरी: 16, 17, 21, 22
फरवरी: 8, 12, 13, 14, 15, 18, 20, 21, 25
मार्च: 5, 6
अप्रैल: 14, 16, 18, 19, 20, 21, 25, 29, 30
मई: 5, 6, 7, 8, 13, 14, 17, 28
जून: 1, 2, 4, 7, 8

जून-जुलाई में गुरु तारा अस्त, विवाह मुहूर्त की कमी

12 जून से 8 जुलाई 2025 तक गुरु तारा अस्त रहेगा, जिसके चलते इस दौरान विवाह मुहूर्त नहीं होंगे। गुरु तारे के अस्त होने पर विवाह, गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं।

शादी के सीजन से सजे बाजारें

शादी का यह मौसम शहर के बाजारों को भी रोशन करने वाला है। बैंड-बाजा, कैटरिंग, परिधान और ज्वैलरी की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ देखने को मिल रही है। होटल और धर्मशालाओं में पहले से ही बुकिंग्स का दौर जारी है, जिससे व्यापारियों में खुशी की लहर है। इस प्रकार, देवउठनी एकादशी के बाद नवंबर-दिसंबर के इन शुभ मुहूर्तों में शहर में शादियों की रौनक छाई रहेंगी।

देवउठनी एकादशी पर करें श्री हरि स्तोत्र का पाठ, भौतिक सुखों में होगी वृद्धि

देवउठनी एकादशी का दिन बहुत ही कल्याणकारी माना जाता है। यह दिन पूरी तरह से भगवान श्री हरि विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। इस तिथि पर भगवान विष्णु चार महीने की अवधि के बाद जागते हैं, जिसे चातुर्मास के अंत का प्रतीक भी माना जाता है।

देवउठनी एकादशी हर साल अत्यंत श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, यह हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाती है। इस साल यह पर्व 12 नवंबर 2024 को मनाया जाएगा। वहीं, अगर आप श्री हरि की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो आपको इस शुभ अवसर श्री हरि स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। इससे सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है, तो आइए यहां पर पढ़ते हैं।

।।श्री हरि स्तोत्र।।

जगज्जालपालं चलत्कण्ठमालं
शरच्चन्द्रभालं महादैत्यकालं
नभोनीलकायं दुरावारमायं
सुपद्मासहायम् भजेऽहं भजेऽहं ।।
सदाम्भोधिवासं गलत्पुष्पहासं
जगत्सन्निवासं शतादित्यभासं
गदाचक्रशस्त्रं लसत्पीतवस्त्रं
हसच्चारुवक्त्रं भजेऽहं भजेऽहं ।।
रमाकण्ठहारं श्रुतिव्रातसारं
जलान्तर्विहारं धराभारहारं
चिदानन्दरूपं मनोज्ञस्वरूपं
ध्रुतानेकरूपं भजेऽहं भजेऽहं ।।
जराजन्महीनं परानन्दपीनं
समाधानलीनं सदैवानवीनं
जगज्जन्महेतुं सुरानीककेतुं
त्रिलोकैकसेतुं भजेऽहं भजेऽहं ।।
कृताम्नायगानं खगाधीशयानं
विमुक्तेर्निदानं हरारातिमानं
स्वभक्तानुकूलं जगद्वृक्षमूलं
निरस्तार्तशूलं भजेऽहं भजेऽहं ।।
समस्तामरेशं द्विरेफाभकेशं
जगद्बिम्बलेशं ह्रुदाकाशदेशं
सदा दिव्यदेहं विमुक्ताखिलेहं
सुवैकुण्ठगेहं भजेऽहं भजेऽहं ।।
सुरालिबलिष्ठं त्रिलोकीवरिष्ठं
गुरूणां गरिष्ठं स्वरूपैकनिष्ठं
सदा युद्धधीरं महावीरवीरं
महाम्भोधितीरं भजेऽहं भजेऽहं ।।
रमावामभागं तलानग्रनागं
कृताधीनयागं गतारागरागं
मुनीन्द्रैः सुगीतं सुरैः संपरीतं
गुणौघैरतीतं भजेऽहं भजेऽहं ।।

देव दिवाली के दिन करें यह उपाय, सभी पाप होंगे खत्म, मोक्ष की होगी प्राप्ति!

देव दिवाली हिंदू धर्म में विशेष पर्वों में आती है। वैदिक पंचांग के अनुसार देव दिवाली कार्तिक मास की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। देव दिवाली, दिवाली के कुछ दिन बाद मनाया जाने वाला हिंदू धर्म का विशेष पर्व है, जो हर साल करीब नवंबर के महीने में मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार देव दिवाली के पर्व को भगवान शिव का जन्म दिवस मनाया जाता है। जिसे विधि विधान से मनाने पर विशेष फलों की प्राप्ति, सभी दुखों से छुटकारा और भगवान शिव की कृपा दृष्टि बनी रहती है। देव दीपावली के दिन गंगा में स्नान करने, घरों में दीपक जलाने, गंगा किनारे 365 दीपक जलाने और भगवान शिव की आराधना करने का सबसे अधिक महत्व बताया गया है। मान्यता है कि ऐसा करने पर सभी पाप खत्म होते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

देव दिवाली पर गंगा किनारे 365 दीपक जलने के महत्व की ज्यादा जानकारी लोकल 18 को देते हुए हरिद्वार के ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि देव दीपावली का पर्व भगवान शिव को समर्पित है। हिंदू धर्म में देव दीपावली का पर्व विधि विधान से मनाने पर मोक्ष की प्राप्ति

होती है। साल 2024 में देव दीपावली का पर्व 15 नवंबर शुक्रवार के दिन मनाया जाएगा। देव दीपावली के दिन शाम के समय हरिद्वार हर की पौड़ी या गंगा किनारे 365 दीपक जलाने पर हर दिन के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और आने वाला वर्ष सुख, शांति, खुशहाली लेकर आता है।

पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि हर की पौड़ी या गंगा किनारे 365 दीपक श्रद्धा भक्ति भाव से भगवान शिव के निमित्त जलाए जाते हैं। जिससे भगवान शिव प्रसन्न होकर सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं और जीवन में चल रही सभी परेशानियां, दुख हमेशा के लिए खत्म हो जाते हैं। देव दीपावली के दिन गंगा किनारे 365 दीपक अपनी सामर्थ्य अनुसार जला सकते हैं। ऐसा करने पर भोलेनाथ सदैव कृपा दृष्टि बनाए रखते हैं जिसे सभी पाप खत्म होते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

मथुरा का कंस मेला है चतुर्वेदी समाज का समागम एवं सांस्कृतिक मेला

मथुरा नगरी में जिस तरह से सभी त्योहार मनाये जाते हैं उसी तरह से चार दिवसीय कंस मेले का आयोजन शुरू हो गया है।

वास्तव में यह मेला विश्वभर में फैले चतुर्वेदी समाज के लोगों का समागम करने का एक बहाना सा है। इसमें विश्वभर के चतुर्वेदी समाज के लोग सपरिवार मथुरा आते हैं और अपने बच्चों को ब्रज की संस्कृति से रूबरू कराते हैं । कुछ चतुर्वेदी लोग तो एक पखवारे तक मथुरा में रहकर अपने परिवार के साथ एक प्रकार से तीर्थाटन करते हैं। इस मेले में चतुर्वेदी समाज का भाईचारा देखते ही बनता है।

लगभग दो दशक पहले होने वाले कंस मेले व वर्तमान कंस मेले में बहुत अधिक अंतर हो गया है अब गोचारण लीला और कंस बंध के दिन मथुरा और आसपास के जिलों से कृष्णलीला तथा अन्य देवों की लीलाओं का जीवन्त प्रस्तुतीकरण करने का प्रयास विभिन्न प्रकार की झांकियों से किया जाता है।

ब्रजभूमि की सांस्कृतिक विरासत को सजाने और संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाले ब्रज की विभूति शंकरलाल चतुर्वेदी ने कंस मेले के पीछे छिपे इतिहास का खुलासा करते हुए बताया कि कृष्ण बल्देव द्वारा कंस को अधमरा करने के बाद छज्जू चौबे तथा अन्य ग्वालबाल ने कंस का पूरी तरह से बध किया था। उधर माथुर चतुर्वेदी परिषद के संरक्षक महेश पाठक इस मेले को चतुर्वेद समाज की शौर्य गाथा से जोड़ते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे समय में जब कि आताताई कंस के सामने कोई खड़ा नही हो सकता था। चतुर्वेदी समाज के लोग न केवल कृष्ण के साथ खुलकर आए बल्कि उन्होंने कान्हा को कंस के वध की युक्ति भी बताई थी।

गर्ग संहिता के गोलोक खण्ड के 9वें अध्याय का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि कंस की बहन देवकी के विवाह के समय हुई उस आकाशवाणी से कंस विचलित हो गया था जिसमें कहा गया था कि देवकी का आठवां पुत्र ही उसका काल बनेगा। इसके बाद कृष्ण को मारने के लिए कंस ने कई राक्षसों को भेजा और उनके असफल होने पर मल्ल क्रीड़ा महोत्सव अथवा धानुष महोत्सव का आयोजन किया था और राक्षसों कों कृष्ण और बलराम को मारने के लिए लगा दिया था।

उन्होंने बताया कि कृष्ण ने वास्तव में कंस को अधमरा कर दिया था किंतु उन्होंने हत्या का पाप लगने से बचने एवं राधारानी द्वारा इसे अन्यथा लेने के कारण स्वयं कंस की हत्या नही की थी क्योंकि अरिष्टासुर राक्षस के बध के बाद राधारानी ने कृष्ण को निज महल में प्रवेश नही दिया था और कहा था कि उन्होंने गोवंश की हत्या की है इसलिए पापमुक्ति के लिए उनका सात तीर्थों में स्नान करना आवश्यक है। इसके बाद श्रीकृष्ण ने श्यामकुण्ड को प्रकट कर उसमें सभी तीर्थो के जल का आह्वान कर उसमें स्नान किया था और तभी उन्हें राधारानी के निज महल में प्रवेश मिला था।

माथुर चतुर्वेद परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी ने बताया कि जब उक्त महोत्सव में भाग लेने के लिए कृष्ण बलराम आ रहे थे तो उन्हें धोबी मिला। दोनो भाइयों ने उसे मारकर उसके कपड़ों से अपनी नाप के कपड़े दर्जी से सिलवा लिए । इसके बाद उन्होंने चाडूर, मुष्टिक जैसे पहलवानों एवं कुबलिया पीड़ हाथी का बध किया था। उन्होंने यह भी बताया कि कंस के दरबार में छज्जू नामक चैबे रहा करते थे तथा उन्होंने ही कंस को

मारने की तरकीब दोनो भाइयों को बताई थी। इस मेले के लिए लाठी की तैयारी एक महीने पहले उस पर मेंहदी और तेल लगाकर की जाती है।

माथुर चतुर्वेद परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी ने बताया कि कंस मेले की शुरूवात कान्हा की गोचारणलीला से होती है। विश्राम घाट पर सुबह के समय गोचारण लीला होती है और अपरान्ह कान्हा सजी सजाई गायों को लेकर गोपाल बाग पुराने बस स्टैंड तक जाते हैं उनके पीछे गाजे बाजे के साथ विभिन्न देवी देवताओं की झांकिया चलती हैं। शाम को कान्हा अपनी गायों के साथ गोपालबाग से चलकर विश्रामघाट तक आते हैं।अगले दिन अखिल भारतीय स्तर का कवि सम्मेलन होता है तथा तीसरे दिन चतुर्वेद समाज के लोग गिरधरवाली बगीची से कंस के पुतले को लाठियों में टांगकर कंस टीले तक जोश के साथ जाते है।

उधर किसी सजी हुई गाड़ी में बैठकर कृष्ण बलराम के स्वरूप टीले के पास आते हैं ।पहले वे हाथी पर बैठकर आते थे किंतु हाथी के प्रयोग पर प्रतिबंध लगने के बाद वे हाथी पर बैठकर नही आते हैं तथा कृष्ण के इशारा मिलते ही चतुर्वेद समाज के लोग कंस का बंध कर देते हैं ।चतुर्वेद समाज के लोग कंस के पुतले की पिटाई कर बहुत खुश होते हैं तथा बाद में कंस के सिर को लेकर गाते हुए वापस आते हैं

कंसै मार मधुपुरी आए,
कंसा के घर के घबराए।
अगर चन्दन से आग लिपाए,
गज मोतियन के चैक पुराए ।
सब सखान संग मंगल गाए,
दाढ़ी लाए मूछउ लाए
छज्जू लाए खाट के पाये,
मारि मारि लट्ठन झूरि कर आए।

पहले कंसखार पर पुतले को रखकर उसकी जमकर पिटाई करते हैं तथा मिहारी सरदारों द्वारा दोनो भाइयों की आरती होती है।इसमें अब परिवर्तन यह हो गया है कि कंस वध की खुशी में जहां चतुर्वेद समाज के लोग कंस के पुतले का सिर अपनी लाठियों में टांग कर लाते हैं वहीं कंस वध की खुशी में पीछे से लगभग एक दर्जन झांकिया विभिन्न जिलों से आती हैं इन झांकियों में विभिन्न देवों की लीलाओं का प्रस्तुतीकरण होता है झांकियां कंस के पुतले के पीछे छत्ता बाजार होते हुए विश्राम घाट तक जाती हैं। यहां पर पहले कंसे के सिर की अच्छी तरह से पिटाई होती है फिर ठाकुर जी की और यमुना महारानी की आरती होती है।

उन्होंने बताया कि इसके बाद कंस की हत्या से मुक्ति के लिए चतुर्वेद समाज के लोग तीन वन यानी मथुरा, गरूड़ गोविन्द और वृन्दावन की लगभग 56 किलोमीटर लम्बी परिक्रमा करते है और शाम को पुण्य क्षेत्र विश्राम घाट पर भव्य दीपदान होता है और इसके साथ ही कंस मेले का समापन होता है।

गेम चेंजर के टीजर का इंतजार हुआ खत्म

कियारा आडवाणी का आया मरमेड लुक

राम चरण और कियारा आडवाणी अपनी की आगामी फिल्म गेम चेंजर की रिलीज की तैयारी में जुट गए है। हाल ही में कियारा आडवाणी ने गेम चेंजर के टीजर की तारीख का खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत अवतार में अपनी तस्वीरें पोस्ट की है और फिल्म के टीजर डेट से पर्दा उठाया है।कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग साउथ मूवी गेम चेंजर के लिए काफी एक्साइटेड हैं। फिल्म में वे एक बार फिर आरआरआर सुपरस्टार राम चरण के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती दिखेंगी।कियारा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर गेम चेंजर के टीजर के बारे में अपडेट दिया है। उन्होंने इसे अपनी लेटेस्ट तस्वीरों के साथ जोड़ा है।कियारा ने पोस्ट में टीजर के बारे में अपडेट देते हुए लिखा है, आगे क्या होने वाला है, यह देखने के लिए स्वाइप करें। गेम चेंजर टीजर कल (9 नवंबर) आएगा। तस्वीरों की बात करें तो ऑल स्काई ब्लू लुक में पानी के बीच बैठी कियारा किसी मरमेड से कम नहीं लग रही है। पहली तस्वीर में वह हाथ में मोबाइल पकड़े खुले आसमान और पानी के बीच चेयर पर बैठे कैमरे के लिए पोज देती दिख रही हैं। वहीं, दूसरे तस्वीर में वह कातिलाना अदाओं के साथ पोज देती नजर आईं।गेम चेंजर का टीजर आज 9 नवंबर को रिलीज हो रहा है। वहीं फिल्म अगले साल मकर संक्राति के मौके पर 10 जनवरी को रिलीज होगी। फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी अहम भूमिका में हैं। वहीं, एसजे सूर्या, जयराम, अंजलि, श्रीकांत, सुभलेखा सुधाकर, सुनील, नासर जैसे को-स्टार के तौर पर नजर आएंगे।

राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर का धमाकेदार टीजर जारी जबर्दस्त एक्शन करते दिखे अभिनेता

साउथ सुपरस्टार राम चरण की आगामी फिल्म गेम चेंजर इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। लगातार फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने आ रही हैं। फिल्म के टीजर का दर्शकों को बेसब्री से इतंजार था। अब आखिरकार निर्माताओं ने गेम चेंजर का धमाकेदार टीजर जारी कर दिया है, जिसमें राम चरण जबर्दस्त एक्शन अवतार में नजर आए।इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए अभिनेता ने निर्देशक एस शंकर से हाथ मिलाया है। दर्शक बेसब्री से फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं। ग्लोबल स्टार राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर का पहला फुल टीजर में कई मनोरंजक पल हैं। राम चरण और मुख्य अभिनेत्री कियारा आडवाणी बहुप्रतीक्षित प्रोमो लॉन्च करने के लिए उत्तर प्रदेश के लखनऊ में थे।फिल्म के टीजर में साफ तौर पर कहानी की तस्वीर नहीं मिली है, बल्कि राम चरण के किरदार की कुछ झलकियां सामने आई हैं। टीजर में राम चरण अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ रोमांस करते नजर आए, दूसरे ही पल उनका एक्शन अवतार भी देखने को मिला। वे अपने दुश्मनों का जमकर मुकाबला करते दिखे। टीजर के अंत में राम चरण मजाकिया अंदाज में अपना परिचय देते हुए कहते हैं कि मैं अप्रत्याशित हूं।गेम चेंजर का निर्माण 2021 के अंत से चल रहा है और कई बार टलने के बाद फिल्म को आखिरकार 10 जनवरी, 2025 को संक्रांति उत्सव के दौरान कई भाषाओं में बड़े पर्दे पर आने की पुष्टि हुई। इसका निर्माण दिल राजू ने श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस के बैनर तले किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक शंकर ने हाल ही में फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन का काम शुरू किया है, अब वे कुछ सीन से खुश नहीं हैं। दावा किया गया है कि फिल्म निर्माता अब फिल्म के कुछ हिस्सों को फिर से शूट करने की तैयारी कर रहे हैं, जिसे एक संक्षिप्त शेड्यूल में पूरा किया जाएगा। इसी कारण इस फिल्म की रिलीज डेट को टाला गया है। पहले यह फिल्म 20 दिसंबर 2024 को रिलीज होने के लिए तैयार थी।शंकर द्वारा निर्देशित गेम चेंजर एक राजनीतिक थ्रिलर है, जिसकी कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। फिल्म में राम चरण, कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम और नवीन चंद्रा अहम भूमिकाओं में हैं।

रिलीज से पहले पुष्पा 2 ने जवान और कंगुवा को चटाई धूल

अल्लू अर्जुन की फिल्म ने अपने नाम किए ये रिकॉर्ड्स

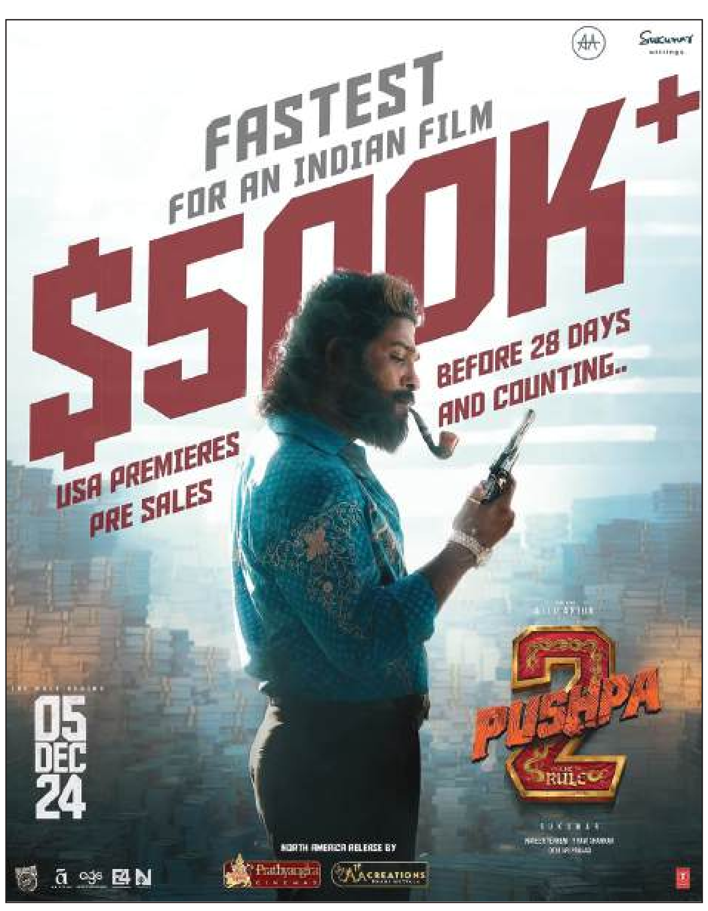

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपनी अपकमिंग फिल्म पुष्पा 2: द रूल की रिलीज की तैयारी में है। अमेरिका में फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। एडवांस बुकिंग का काउंटर खुलते ही फिल्म ने कई रिकॉर्ड्स तोड़ दिए। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अल्लू अर्जुन के फैंस पर पुष्पा 2 का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है।पुष्पा 2: द रूल ने स्क्रीन काउंट के मामले में एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। सुकुमार की निर्देशित फिल्म स्क्रीन काउंट के मामले में सबसे बड़ी भारतीय फिल्म रिलीज बनने के लिए तैयार है। इससे पहले, यह रिकॉर्ड शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान (2023) और साउथ सिंघम स्टार सूर्या शिवकुमार की फिल्म कंगुवा (2024) के नाम था। जवान को दुनियाभर के 100 से अधिक स्क्रीन पर रिलीज किया गया था। लेकिन अब अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म ने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। पुष्पा 2 दुनियाभर के 11,500 से ज्यादा स्क्रीन पर रिलीज होने जा रही है।रिलीज से पहले ही पुष्पा 2 ने वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। मेकर्स ने फिल्म की एडवांस बुकिंग लगभग एक महीने पहले शुरू कर दी है। फिल्म ने सिर्फ उत्तरी अमेरिका में अपने प्रीमियर से ही प्री-सेल में 500 हजार डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है, जो पुष्पा: द राइज (2021) की प्री-सेल की संख्या से भी ज्यादा है। अब, पुष्पा 2 अमेरिका में सबसे तेज 500 हजार डॉलर कमाने वाली भारतीय फिल्म बनकर उभरी है।इन सबके अलावा पुष्पा 2 ने एक और उपलब्धि हासिल की है। पुष्पा 2 को ढ्ढरूष्ठड्ढ ने 2024 की मोस्ट अवेटेड इंडियन मूवी का दर्जा दिया है, जो 85 प्रमुख रिलीज की लिस्ट में टॉप पर है। इसने वरुण धवन की बेबी जॉन और अजय देवगन की सिंघम अगेन जैसी अन्य हाई-प्रोफाइल फिल्मों को भी पछाड़ दिया है।

इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, पुष्पा 2 अपने ओपनिंग डे पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर सकती है। यह लगभग 270 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर सकती है। अगर यह अनुमान सही साबित हुई तो यह 270 करोड़ से ज्यादा कमाई करने वाली पहली भारतीय फिल्म बन जाएगी।पुष्पा 2 में स अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना एक बार फिर अपने किरदार में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण अंतिम चरण में है। टीम 5 दिसंबर को रिलीज होने वाली फिल्म के लिए ओवरटाइम काम कर रही है। फिल्म को तेलुगू, हिंदी, तमिल, कन्नड़, बंगाली और मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

नेटफ्लिक्स पर आएगी नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल

नयनतारा की डॉक्यू फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा

अभिनेत्री नयनतारा इन दिनों अपनी डॉक्यू फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसका नाम नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल है। इस फिल्म में अभिनेत्री के निजी जिंदगी से जुड़े अनसुने पहलुओं को दिखाया जाएगा। अब इस डॉक्यू फिल्म पर नई जानकारी सामने आई है। नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल नवंबर में नेटफ्लिक्स पर आएगी। स्ट्रीमिंग पार्टनर ने डॉक्यू-फिल्म का पोस्टर जारी किया और इसके रिलीज की तारीख से पर्दा भी उठाया।शुरुआत में डॉक्यूमेंट्री फिल्म नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल एक शादी की फिल्म के रूप में शुरू हुई थी। फिर बाद में यह उनके शानदार करियर और उनके पारिवारिक जीवन के बारे में एक डॉक्यू-फिल्म में बदल गई। डॉक्यूमेंट्री में सरोगेसी के जरिए अभिनेत्री के मां बनने और उससे जुड़े विवाद को भी दिखाया गया है।नेटफ्लिक्स ने नयनतारा की फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए खुलासा किया कि यह डॉक्यू फिल्म 18 नवंबर को रिलीज होगी। इस दिन नयनतारा का जन्मदिन भी है। ऐसे में नयनतारा की फिल्म उनके जन्मदिन पर प्रशंसकों के लिए एक तोहफा होगा। नेटफ्लिक्स इंडिया साउथ ने एक्स पर डॉक्यूमेंट्री की रिलीज की तारीख की घोषणा की। डॉक्यूमेंट्री का रन-टाइम एक घंटा 21 मिनट है। पोस्टर में नयनतारा पीछे देखती हुई दिखाई दे रही हैं, जबकि पैपराजी उनकी तस्वीरें क्लिक करते हुए नजर आ रहे हैं।पोस्टर को साझा करते हुए नेटफ्लिक्स ने कैप्शन में लिखा, एक स्टार ऑन-स्क्रीन और एक स्टार इन लाइफ। 18 नवंबर को नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल देखें, केवल नेटफ्लिक्स पर। दो साल पहले नेटफ्लिक्स पर नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल का टीजर रिलीज किया गया था। टीजर में नयनतारा और विग्नेश शिवन को अपने रिश्ते और अपनी शादी की तैयारियों के बारे में बात करते हुए देखा गया था। उन्होंने प्रशंसकों द्वारा उन्हें दिए गए टैग और अपने करियर विकल्पों के बारे में भी बात की।नयनतारा को उनके प्रशंसक लेडी सुपरस्टार के नाम से जानते हैं। वह दो तमिल फिल्मों, टेस्ट और मन्नंगट्टी सिंस 1960 की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। वह वर्तमान में अभिनेता कविन के साथ एक अनाम फिल्म और निविन पॉली के साथ डियर स्टूडेंट्स की शूटिंग कर रही हैं।

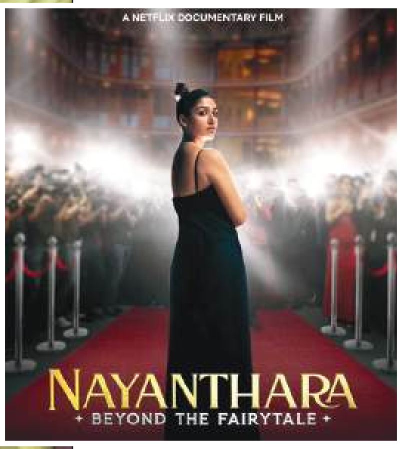

गुलाबी साड़ी पहन जाह्नवी कपूर ने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर की साझा

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।धड़क गर्ल जाह्नवी कपूर बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन फोटोज में उनका ग्लैमरस लुक और कातिलाना अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने पिंक कलर की बेहद ही खूबसूरत साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।कानों में इयररिंग्स, खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस जाह्नव कपूर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।जाह्नवी कपूर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए सो ब्यूटिफुल लिखा है। दूसरे यूजर ने लिखा है बेहद हॉट।

आजाद से राशा थडानी की पहली झलक आई सामने, अमन देवगन दिखे साथ

अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। पिछले कुछ समय से वह अपनी पहली फिल्म आजाद को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।इस फिल्म में राशा की जोड़ी अजय देवगन के भांजे अमन देवगन के साथ बनी है।अब आजाद से राशा की पहली झलक सामने आ चुकी है। सामने आए पोस्टर में वह अमन के साथ नजर आ रही हैं। दोनों की केमिस्ट्री को प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं।राशा और अमन के अलावा फिल्म आजाद में अजय देवगन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।यह फिल्म अगले साल जनवरी में सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। रोनी स्क्रूवाला इस फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान अभिषेक कपूर ने संभाली है।अजय ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, हर यादगार कहानी की शुरुआत एक प्रेम कहानी से होती है।डायना पेंटी, मोहित मलिक और पीयूष मिश्रा जैसे कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव रहेगा पारिवारीक झगड़े बढ़ सकते हैं कहासुनी होगी और सहयोगियों के साथ विवाद संभव है. आपको विनम्रता एवं धैर्य के साथ मसलों को निपटाना होगा संपत्ति सम्बंधित मामलों में सावधानी से निपटने की आवश्यकता है और इस संबंध में आपको एक ठोस कदम उठाना चाहिए. स्त्री वर्ग की सेहत कुछ चिंता का कारण बन सकती है. यह समय किसी नए कारोबार मे निवेश के लिए श्रेष्ठ नही हैं, सेहत बढीया रहेगी

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को संतुलित भोजन लेने की आवश्यकता हैं स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपके काम समय से पूरे होंगे. साथ ही आपको अपनी मेहनत का फल भी अवश्य मिलेगा. आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा. कुछ लोगों को आप का व्यक्तित्व प्रभावित करेगा ऑफिस में सहकर्मी आपकी मदद के लिये तैयार खड़े रहेंगे. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा . हरा-चारा गौशाला मे दान करें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आय के स्त्रोत बढ़ेंगे धन लाभ हो सकता है. ऐसे काम करना होगा जो लंबे समय तक फायदा देगा कई तरह के रोचक विचार और योजनाएं आज बन सकती हैं. अविवाहित लोगों का विवाह भी तय हो सकता है. आप बुद्धि से अपने काम पूरे करवा सकते हैं. आज आप खुद को साबित करके दिखा देंगे. दोस्तों और परिवार से सहयोग मिलनेके योग हैं. कोई अच्छी खबर भी आज आपको मिल सकती है. आप खुश हो जाएंगे । बच्चों का सहयोग रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज क्रोध के आवेश मे आकर घरेलू मसले आप उलझाएंगे दिमाग को ठंडा रखें ऐसे व्यवहार से काम करने की क्षमता को भी ख़राब कर देंगे. धन की स्थिति कमजोर दिखाई देगी, इसे मजबूत बनाने का प्रयास करें. आज आप घर के कामों में व्यस्त रहेंगे. इस वजह से बाहर जाना मुश्किल होगा. धन खर्च की मात्रा बढ़ेगी. आपके द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद साबित होगा. सुबह घर मे गोबर की धूप प्रज्वलित करें मानसिक शान्ति होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिश्रित रहेगा आप मे से कुछ के लिए अति शुभ परिणामदायक हो सकता है.किसी के लिए तकलीफ़े पैदा हो सकती हैं आप लंबित असाइनमेंट को पूरा करने में सक्षम होंगे. सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोगों के लिए कुछ विशेष उपलब्धि संभव है. कारोबारी के लिए समय शुभ है. नए संघों का गठन भी किया जा सकता है, जो लाभकारी होंगे. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय आपको अच्छा लाभ देगा. पारिवारिक संबंध और बातचीत अच्छी रहेगी और घर मे उत्सव का माहौल रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन का काम फटाफट पूरा होगा आप रिलैक्स फील करेंगे । छात्रों के लिए दिन उत्साह वर्धक रहेगा पहले की तुलना मे अच्छे और संतोष जनक परिणाम आएंगे . वकालत करनेवालो के लिए दिन तनाव मे गुजरेगा परिश्रम अधिक होगा. करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे. आप जिससे भी मदद की उम्मीद करेंगे, उससे आपको समय पर मदद मिल जावेगी. कौवे को रोटी का तुकडा डालें , चीटियों को आटा डालें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज रुके हुए पूरे काम हो जाएंगे अधिक परिश्रम की आवश्यकता नहीं हैं शाम का वक्त फ्री होगा भविष्य की योजना बनाए फायदा हो सकता है. आज आप अच्छा महसूस करेंगे. सामूहिक और सामाजिक काम के लिए दिन अच्छा है. परिवार के ज्यादातर काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ समय बिताएंगे. धन लाभ हो सकता है. उधार दिया गया पैसा आपको मिल सकता हैं भैरव मंदिर मे कालाउडद चढाए तेलका दीपक प्रज्वलित करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिवार की जरुरते पूरी करेंगे बच्चों के लिए भविष्य निधि सुरक्षित करें । अपने दफ्तर में बिल्कुल संतुलित व्यवहार करें. आपकी इनकम बढ़ने के भी चांस ज्यादा है. प्रेम में इमोशन प्रभावी रहेगा. मानसिकता को बदलने की बेहत जरूरत है. उन्नति में बाधा आएगी. आपका मन काम में लगेगा. ससुराल जाने का प्रोग्राम बनेगा आप को सम्मान और प्यार दोनो मिलेगा छात्रो को जरुर निराशा मिलेगी मन कुछ उदास रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज खर्चा अधिक होगा परन्तु कुछ आप को लिमिट तय करनी पडेगी क्योंकि आमदनी सीमित रहेगी. मानसिक तनावों को हावी ना होने दें. विपरीत परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में करने की अपनी क्षमता का प्रयोग करें. अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें. जल्दबाजी में कोई काम ना करें. नये लोगों के साथ अनजान जगह जाने से बचें घात सम्भव हैं अथवा अनावश्यक किसी परेशानी में पड़ जाएं. विरोधियों पर भरोसा नही करना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन कमजोर ही रहेगा. आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए. किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा. बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कुछ कम रूचि ले सकते हैं. बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए. ऑफिस में सीनियर आपके काम से खुश होकर आपको कुछ गिफ्ट कर सकते हैं. खुद को फिट रखने के लिए आपको योग करना चाहिए.अपनी किमती वस्तु को बहुत सम्हाल कर रखें ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप को मजबूती से और धैर्य से काम लेना होगा .पुश्तैनी जमीन प्रॉपर्टी के कामों से भी धन लाभ होने के योग बन रहे हैं. कोई नया काम करने की सोच रहे हैं तो आपके सामने कुछ और काम आ सकते हैं. रोजमर्रा के कामकाज ज्यादा ही रहेंगे. थोड़े समय में सब ठीक हो जाएगा. धैर्यरखें। आगे बढ़ने के लिए आपको कुछ नया सीखना होगा. सेहत स्वास्थ्य तंदुरुस्त रहेगा चिंता मुक्त रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बहुत इमोशनल होनी की जरुरत नही हैं दिमाग से सोच समझकर ही किसी भी निर्णय को अन्तिम रुप देना होगा करियर में आगे बढने के बेहतर प्रस्ताव मिलेंगे. शिक्षा, बिजनेस, नौकरी या महत्वपूर्ण कागजात को बडी ही सूझबूझ से इस्तेमाल मे लेना होगा यात्रा के योग भी बन रहे हैं आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा. आप अपने रोजमर्रा के काम में ही बिजी रहेंगे. कबूतर को दाना डालें और मंदिर मे श्री फल अर्पण करें ।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 11 नवंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक, शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 06:48 तक
नक्षत्र : शतभिषा प्रात: 09:40 तक
योग : व्याघात रात्रि 10:35 तक
करण : तैतिल प्रात: 07:59 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 02:22 तक
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- पंचक चालू है

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

युवाओं को सरकारी और निजी क्षेत्र में भरपूर रोजगार देगी राज्य सरकार :सीएम

भजनलाल ने दौसा में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में किया रोड शो

दौसा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दौसा में विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी जगमोहन मीणा के समर्थन में रविवार को रोड शो किया।

श्री शर्मा ने रोड शो को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने अपने संकल्प पत्र के हर एक बिंदु पर कार्य करते हुए राज्य के युवा, किसान, महिला और मजदूर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं संचालित की हैं। उन्होंने कहा कि दौसा से होकर गुजरने वाला दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर दौसा और राजस्थान के भाग्य को बदलेगा और विकास की एक नई इबारत लिखेगा। रोड शो दौसा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकला। लोगों ने फूल वर्षा कर और ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया। रोड शो के दौरान दौसा के विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापार संगठनों एवं मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जगह-जगह पर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं खुद एक किसान परिवार से आता हूं इसलिए किसानों के दुःख-दर्द को समझता हूं। उनकी पेयजल और सिंचाई के लिए पानी की समस्या का स्थाई समाधान करने के लिए हमने दौसा सहित पूर्वी राजस्थान के जिलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण ईआरसीपी योजना से जुड़ा समझौता किया है। जिसका अगले महीने शिलान्यास होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना के मूर्तरूप लेने के बाद पेयजल और सिंचाई के लिए पानी की कोई कमी नहीं रहेगी, किसानों की उपज में वृद्धि होगी और उनका जीवन खुशहाल बनेगा। श्री शर्मा ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने भविष्य को लेकर किसी भी प्रकार की चिंता न करें। राज्य सरकार उनको सरकारी और निजी क्षेत्र में भरपूर रोजगार देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी जगमोहन मीणा स्थानीय होने के साथ ही बेहद मिलनसार और जनता के दुःख सुख में साथ देने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा मैंने संगठन का काम-काज संभालने के दौरान जगमोहन मीणा की कार्यशैली देखी है। पार्टी में उन्हें डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का भाई होने के नाते नहीं बल्कि उनकी योग्यता को देखकर प्रत्याशी बनाया है।

उन्होंने जगमोहन मीणा को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील भी की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक विक्रम बंशीवाल, राजेन्द्र मीणा, भागचंद टांकडा, महेन्द्रपाल मीणा, रामबिलास मीणा एवं संदीप शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी,

वेद बिना मति नहीं, गाय बिना गति नहीं : सीएम सैनी

समृद्ध देश के लिए अपनानी होगा प्राकृतिक खेती

कुरुक्षेत्र, 10 नवंबर (एजेंसियां)। वेद के ज्ञान के बिना विचार शुद्ध नहीं हो सकते और गाय के महत्व को समझे बिना हम समृद्ध नहीं हो सकते। ऐसे में कहा जाता है वेद बिना मति नहीं तो गाय बिना गति नहीं। यह कहना है मुख्यमंत्री नायब सैनी का। मुख्यमंत्री रविवार को गुरुकुल कुरुक्षेत्र में आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा की ओर से आयोजित आर्य महासम्मेलन को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना कर देश को नई दिशा दी थी। उनके विचारों से न केवल नई क्रांति आई बल्कि समाज व देश को नई व सही दिशा भी मिली। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए न केवल अनेक लोगों ने देश भक्ति दिखाते हुए अंग्रेजों के शासन से देश का आजाद कराया बल्कि स्वराज्य की स्थापना में अपना अहम योगदान दिया। ऐसे में गुरुकुल पद्धति की शिक्षा का भी देश व प्रदेश के आगे बढ़ने में अहम योगदान रहा है। आज भी इस शिक्षा की नितांत आवश्यकता है, जिसके लिए हमें अभियान चलाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत के प्राकृतिक खेती मिशन की भी जमकर सराहना की। आह्वान किया कि अपने प्रदेश व देश को स्वस्थ व आने वाली पीढियों को बेहतरीन वातावरण देना है तो हमें इस खेती को अपनाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों के जरिए नैतिक मूल्यों का युवा पीढी से पतन हो रहा है और हमें इस पीढ़ी को सही मार्ग दिखाना होगा। इसमें आर्य समाज का अहम योगदान हो सकता है। इसके लिए भी सकंल्प लेना होगा। इस दौरान राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने पर थर्मल पावर प्लांट पर 6.90 करोड़ हर्जाना

पानीपत, 10 नवंबर (एजेंसियां)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने पानीपत थर्मल पावर स्टेशन (पीटीपीएस) पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के लिए 6.90 करोड़ का पर्यावरणीय हर्जाना लगाया है। यह हर्जाना एक माह में जमा कराना होगा। तय समय अवधि में जमा न कराने पर इसको बढ़ाया भी जा सकता है। पिछले एक माह में एनजीटी द्वारा शराब फैक्ट्री, एनएफएल व अंसल पर भी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने पर हर्जाना लगाया जा चुका है। वहीं पानीपत थर्मल पावर स्टेशन ने अदालत को आश्वासन दिया है कि राख बांधों में संग्रहीत 108 लाख मीट्रिक टन राख का दो से तीन साल के भीतर वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीके से निपटान कर दिया जाएगा। एनजीटी ने 31 जुलाई, 2027 तक राख को पूरी तरह से साफ करने का निर्देश दिया है।

सुताना गांव निवासी सुभेंद्र ने अपनी याचिका में कहा था कि खुखराना गांव में पानीपत थर्मल पावर स्टेशन द्वारा बिजली उत्पादन से निकलने वाली राख को अवैध रूप से आसपास के इलाकों में डंप किया जा रहा है। गर्मियों में राख के कण सुताना, जाटल, खुखराना, उंटला और आसन जैसे आस-पास के गांवों में फैल जाते हैं। इसकी वजह से वहां रहने वाले लोगों और राहगीरों को सांस लेने में गंभीर समस्या पैदा हो गई। उन्होंने अपनी शिकायत में 20 मई 2022 की शाम चली तेज आंधी में राख उड़कर घरों में आने का जिक्र किया था।

22 सितंबर 2022 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने थर्मल पावर स्टेशन द्वारा अवैध रूप से डंप की जा रही राख की जांच के लिए समिति को निर्देश दिए थे। डीसी की अध्यक्षता में समिति ने यहां का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट एनजीटी को दी थी। थर्मल पावर स्टेशन ने अदालत को जानकारी दी है कि करीब 98 हजार पौधे लगाए गए हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि उनमें से कितने अभी भी जीवित हैं। अदालत ने कहा कि पेड़ों को जीवित रखना सुनिश्चित किए बिना उन्हें लगाना न तो प्रभावी कदम है और न ही पर्यावरण संरक्षण के किसी उद्देश्य को पूरा करता है। एनजीटी ने पावर प्लांट को निर्देश दिया है कि वह निर्धारित क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाएं। यह भी सुनिश्चित करें कि अगले पांच वर्षों तक उनका अस्तित्व बना रहे। इसी तरह उन्हें ग्रीन बेल्ट बनाने के लिए भी कहा गया है। एनजीटी ने थर्मल अधिकारियों को वन विभाग अधिकारी से परामर्श लेने को भी कहा है।

आंवला नवमी पर श्रद्धालुओं ने किया पुष्कर सरोवर में स्नान

अजमेर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर के तीर्थराज पुष्कर में रविवार को कार्तिक मास के दौरान आंवला नवमी के मौके पर बड़ी संख्या में तीर्थपुरोहित सहित आम श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर में स्नान किया।

श्रद्धालुओं ने बाद में ब्रह्माजी के मंदिर पहुंचकर दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया और परिवार में खुशहाली एवं सुखसमृद्धि की कामना की। आंवला नवमी जिसे अक्षय नवमी के नाम से भी जाना जाता है, के मौके पर ही पुष्कर में सनातन धर्म रक्षा संघ अजयमेरू की ओर से प्रभातफेरी के जरिये पुष्कर परिक्रमा का आयोजन किया गया। अजमेर के संन्यास आश्रम के सहयोग से प्रभातफेरी पुष्कर गुरूद्वारे से नये रंगजी मंदिर, जयपुर घाट,ऋषि घाट, गुर्जर घाट, ब्रह्म घाट, वारह घाट होती हुई पुनः गायत्री शक्ति पीठ के नजदीक गुरूद्वारे पहुंच कर सम्पन्न हुई। प्रभातफेरी का मार्गदर्शन संघ अध्यक्ष, पूर्व न्यायाधीश अजय शर्मा ने किया।

सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या कर नहर में फेंका युवती का शव

पुलिस ने तीन के खिलाफ दर्ज किया केस

हिसार, 10 नवंबर (एजेंसियां)। शहर की एक कॉलोनी में रहने वाली 20 वर्षीय युवती के साथ दो युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया और हत्या कर बालसमंद नहर में फेंक दिया। रविवार सुबह आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजनों और अन्य जनसंगठनों से जुड़े लोगों ने नागरिक अस्पताल में धरना दिया।

चिकित्सकों के बोर्ड ने दोपहर बाद शव का पोस्टमार्टम किया, जिसमें डूबने से मौत की पुष्टि हुई। हालांकि परिजनों ने दो युवकों और एक युवती पर दुष्कर्म व हत्या के आरोप लगाते हुए शव उठाने से इन्कार कर दिया। अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने मृतका के भाई के बयान पर प्रवीन, सुमित और अंजलि के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, हत्या समेत अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नागरिक अस्पताल में धरने पर बैठे युवक ने बताया कि उसकी 20 वर्षीय बहन निजी ऑफिस में काम करती थी। 8 नवंबर सुबह आठ बजे घर से काम पर जाने के लिए निकली थी। रोजाना शाम 6 बजे तक वह घर आ जाती थी। 6 बजे घर नहीं पहुंचने पर मां ने बहन के पास फोन किया तो उसने बताया कि वह अंजलि के साथ है और पीएलए मार्केट में जा रही थी। उसके बाद बहन का फोन बंद आने लगा। इसके बाद उन्होंने अपने स्तर पर उसे ढूंढा लेकिन सुराग नहीं लगा। युवक ने बताया कि बहन की काफी जगह तलाश करने के बाद रात को आजाद नगर थाना में शिकायत देने के लिए गए। थाने में मौजूद पुलिस कर्मचारियों ने कहा कि यह मामला अर्बन एस्टेट थाने के अंतर्गत आता है। अर्बन एस्टेट थाने गए तो अर्बन एस्टेट पुलिस चौकी भेज दिया। अगले दिन सुबह दस बजे अर्बन एस्टेट पुलिस चौकी में शिकायत दी। पुलिस ने गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज की, लेकिन बहन को तलाशने का प्रयास नहीं किया। 9 नवंबर की रात आठ बजे बहन का शव बालसमंद नहर में मिलने की सूचना मिली।

मृतका के भाई ने बताया कि प्रवीन बहन के साथ पढ़ता था और काफी समय से शादी का दबाव डाल रहा था। अंजलि साजिश के तहत बहन को पीएलए मार्केट ले गई। वहीं से प्रवीन और सुमित ने सामूहिक दुष्कर्म किया और हत्या कर शव नहर में फेंक दिया। आरोप है कि युवती के शरीर पर चोट और घसीटने के निशान हैं। वहीं भीम आर्मी के एडवोकेट संतलाल का कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, शव नहीं उठाएंगे। सोमवार को नागरिक अस्पताल परिसर में बैठक कर उसमें आगे की रणनीति बनाई जाएगी। अर्बन एस्टेट थाने के इंचार्ज दलबीर ने बताया कि मृतका के परिजनों के बयान पर प्रवीन, सुमित और अंजलि के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, हत्या और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। शव का चिकित्सकों के बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम करवाया है। पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी भी करवाई गई है। मामले की गहनता से जांच कर रहे हैं।

हरियाणा में बढ़ रहा डेंगू का खतरा अब तक 4329 केस, तीन की मौत

स्वास्थ्य मंत्री ने फॉगिंग पर उठाए सवाल

चंडीगढ़, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में बढ़ रहे डेंगू के केसों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। प्रदेश के जिलों में रोजाना सैकड़ों मरीज जांच के लिए पहुंच रहे हैं। अब तक 4329 से ज्यादा मरीज आ चुके हैं और तीन की मौत भी हो चुकी है। सबसे ज्यादा खराब स्थिति पंचकूला की है। यहां अब तक 1226 केस मिल चुके हैं। इसी प्रकार हिसार, करनाल, कुरुक्षेत्र, सोनीपत, पानीपत में भी काफी संख्या में केस मिल चुके हैं।

प्रदेश में बढ़ते डेंगू के मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार को पत्र लिखते हुए कहा कि राज्य में फॉगिंग का परिणाम वर्तमान स्थिति के हिसाब से मेल नहीं खा रहा है। उनके कहने का मतलब यह है कि राज्य में जिस तरह से डेंगू के केस बढ़ रहे हैं, उसके मुकाबले फॉगिंग कम हो रही है। ऐसे में गांव व कस्बों में व्यापक तौर पर फॉगिंग करवाई जाए। साथ ही सभी उपायुक्त, सीईओ और जिला परिषद पंचायत क्षेत्रों में डेंगू पर रूटीन में प्रभावी नियंत्रण गतिविधियों को व्यक्तिगत तौर पर निगरानी रखने का निर्देश दें।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में शहरी और उपनगरीय क्षेत्रों में तेजी से फैलता डेंगू चुनौती बना हुआ है। मानसून के बाद राज्य में डेंगू के मामलों में वृद्धि हुई है। आमतौर पर अक्तूबर में डेंगू के मामले अंतिम स्तर पर होते हैं, जबकि नवंबर में तापमान में गिरावट के कारण यह तेजी से कम हो जाता है। डेंगू नियंत्रण गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से मजबूत करने की आवश्यकता है। इसलिए तुरंत ज्यादा से ज्यादा डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग करवाई जाए। उन्होंने बताया कि इसकी एक वजह 15 अक्तूबर से नवंबर के पहले सप्ताह तक तापमान में कम गिरावट आना भी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शहरी क्षेत्रों में डेंगू के केस की रोकथाम के लिए वेक्टर पाठ्यक्रम गतिविधियां व डेंगू पॉजिटिव घरों के आसपास फॉगिंग की जा रही है।

उपचुनाव वाले निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान के लिए सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम : महाजन

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में तेरह नवंबर को होने वाले सात विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के लिए मतदान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं और रामगढ़, दौसा, झुंझनूं, सलूम्बर, चौरासी, खींवसर और देवली-उनियारा इन सातों विधानसभा क्षेत्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए कानून व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि मतदान के दिन 13 नवम्बर को इन क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और इसके लिए इन क्षेत्रों में नौ हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी नियुक्त किए गए हैं। इनमें केंद्रीय पुलिस बलों की 43 कंपनियां मतदान के दौरान कानून-व्यवस्था की निगरानी एवं सुरक्षा करेंगी। रामगढ़ और दौसा में नौ-नौ, खींवसर में आठ, देवली उनियारा में छह, चौरासी में पांच, झुंझुनूं में चार और सलूम्बर में दो कंपनियों को संवेदनशील मतदान केंद्रों में तैनात किया जाएगा। श्री महाजन ने बताया कि इसके अतिरिक्त आरएसी (राजस्थान आर्म्ड कांस्ट्यूबलरी) की 17 कम्पनियां तैनात होंगी, जिनमें रामगढ़, झुंझुनू, सलूम्बर, चौरासी और देवली-उनियारा में दो-दो, दौसा में तीन तथा खींवसर में चार कंपनियां तैनात होंगी. इसके अतिरिक्त, सभी राज्य पुलिस के 6275 कार्मिक और होमगार्ड के 650 जवान तैनात किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि मतदान दिवस पर सघन जांच एवं निगरानी के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में फ्लाइंग स्क्वॉड, एसएसटी दल तैनात रहेंगे। चुनाव खर्च के लिहाज से संवेदनशील मतदान केंद्रों में अतिरिक्त निगरानी टीमें तैनात की गई है। मतदान के दौरान 1122 मतदान केंद्रों की लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी। एक ही लोकेशन पर तीन मतदान केंद्रों पर एक कैमरा और तीन मतदान केंद्रों से अधिक पर दो कैमरे मतदान कक्ष के बाहर लगाए जाकर मतदाताओं की लाइन व कानून व्यवस्था का जायजा लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से किया जाएगा। साथ ही, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित संपूर्ण जिले में भी कानून व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं। बाहरी अवांछित व्यक्तियों के प्रवेश को रोकने के उद्देश्य से सीलिंग और चेकिंग की कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इन सात विधानसभा क्षेत्रों के सभी 1915 मतदान केंद्र 1366 लोकेशन पर हैं, जिनमें से 604 मतदान लोकेशन को संवेदनशील माना गया है। इन सभी लोकेशन पर केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात की जाएंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.